www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शनिवार, 5 अगस्त, 2023 | वर्ष-16 | अंक -121 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

हैदराबाद में जमीन की कीमतें तेलंगाना राज्य की श्रेष्ठता ... 02

■ लोगों का अभी भारतीय लोकतंत्र व न्याय प्रणाली पर... 03
■ देशभर के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की ...

■ पाकिस्तान की नेशनल असेंबली 9 अगस्त को भंग ... 07
■ मेक्सिको में खाई में गिरी बस, 17 की मौत

शीना बजाज 'नॉन स्टॉप धमाल' से करेंगी बॉलीवुड ... 10

मोदी मानहानि मामले में राहुल गांधी को राहत

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल की सजा पर रोक लगाई

सर्वोच्च अदालत ने कांग्रेस नेता को अधिकतम सजा सुनाए जाने पर भी सवाल उठाया

■ विंध्यवासिनी त्रिपाठी

नई दिल्ली, 4 अगस्त (देशबन्धु)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए शुक्रवार का दिन राहत भरा रहा। सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरनेम मामले में गुजरात के सूरत की निचली अदालत द्वारा सुनाई गई उनकी दो साल की सजा पर रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति पी वी संजय कुमार की शीर्ष अदालत की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने कहा है कि जब तक याचिका पर सुनवाई पूरी नहीं हो जाती है, दोषसिद्धि पर रोक लगी रहेगी। अदालत ने कांग्रेस नेता को अधिकतम सजा सुनाए जाने पर भी सवाल उठाया। इस फैसले के बाद अब राहुल की लोकसभा की सदस्यता बहाल होने का रास्ता साफ हो गया है। राहुल गांधी केरल के वायनाड लोकसभा क्षेत्र से सांसद थे। सूरत कोर्ट द्वारा दो साल की सजा सुनाए जाने के बाद उनकी सदस्यता खत्म कर दी गई थी। लेकिन वहां अभी तक चुनाव नहीं कराए गए थे। लिहाजा सुप्रीम कोर्ट के आज के फैसले से राहुल गांधी के लिए लोकसभा के दरवाजे कानूनी तौर पर खुल गए हैं। अब उन्हें लोकसभा सचिवालय का रुख करते हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देकर अपनी सदस्यता बहाल करने के लिए प्रतिवेदन करना होगा। फिर लोकसभा सचिवालय के अधिकारी फैसले का अध्ययन करेंगे और इसके बाद उनकी सदस्यता बहाल कर दी जाएगी। हालांकि ऐसे मामले में सदस्यता बहाल करने की कोई समय-सीमा तय नहीं है।

■ कांग्रेस नेता की बहाल होगी संसद सदस्यता
■ लोकसभा अध्यक्ष से मिले अधीर रंजन चौधरी

सदस्यता तुरंत बहाल करने की मांग

शीर्ष अदालत के फैसले के तुरंत बाद लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भेंट की और उनसे राहुल की सदस्यता तुरंत बहाल करने की मांग की। उन्होंने उम्मीद जताई की लोकसभा अध्यक्ष जल्द ही इस मामले में फैसला ले लेंगे।

भारत की जनता की जीत है : खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सारे लोग खुश हैं। मैं सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद करता हूं। अभी संविधान जिंदा है। न्याय मिल सकता है। सिर्फ राहुल गांधी की जीत नहीं है, भारत की जनता और डेमोक्रेसी की जीत है। इससे बहुत बड़ा फायदा देश को हुआ है। राहुल गांधी को हटाने के लिए 24 घंटे में सब कुछ हुआ। अब देखना है कि उनकी दोबारा सांसदी कब बहाल होती है।

राहुल गांधी ने दी बड़ी सधी हुई प्रतिक्रिया

आज नहीं तो कल सच्चाई की जीत होती है

मोदी सर नेम वाले मामले में सूरत की अदालत द्वारा सुनाई गई दो साल की सजा में सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद राहुल गांधी ने बड़ी सधी हुई प्रतिक्रिया दी। कहा,आज नहीं तो कल,कल नहीं तो परसों सच्चाई की जीत तो होती ही है। चाहे जो हो उनका रास्ता साफ है। उन्हें क्या करना है,उनका क्या काम है,उसे लेकर दिमाग स्पष्ट है। जिन लोगों ने उनकी मदद की और जनता ने जो प्यार व सहयोग दिया उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद!

विशेष सम्पादकीय

राहुल गांधी की सजा पर रोक

लोकतंत्र के सूखते पौधे पर सुप्रीम कोर्ट की राहत की बौछार

■ डॉ. दीपक पाचपोर

'मोदी' सरनेम पर की गई टिप्पणी को लेकर अवमानना का मुकदमा झेल रहे राहुल गांधी की निचली अदालत से मिली सजा को रोककर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जो राहत दी है उसे देश के लोकतंत्र के पक्ष में एक बड़ा फैसला माना जा रहा है। तीन सदस्यीय न्यायाधीशों द्वारा दिए गए इस फैसले से न केवल भारत की राजनैतिक तस्वीर बदल सकती है वरन इससे मुरझाते हुए भारतीय लोकतंत्र के फिर से जीवित होने की उम्मीद भी लगाई जा सकती है।

2019 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कर्नाटक के कोलार की एक सभा में की गई टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ गुजरात में मोदी समुदाय की अवमानना का मामला दर्ज कर दिया गया था। उस राज्य के एक भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता पूर्णेश मोदी ने यह कहकर मामला दर्ज किया था कि इससे मोदी सरनेम वाले लोग आहत हुए हैं क्योंकि उनका अपमान हुआ है। यह मामला कुछ समय तो निचली अदालत में दबा पड़ा था परन्तु जब राहुल ने मोदी के साथ उनके कारोबारी मित्र गौतम अदानी से संबंधों और उन्हें दी जा रही मदद को लेकर लोकसभा में सवाल उठाए तो पूर्णेश मोदी ने उस मामले की फिर से सुनवाई करने का आवेदन डाल दिया जिसे उन्होंने खुद ही हाईकोर्ट से कहकर टाल रखा था। गुजरात के ट्रायल कोर्ट ने आनन-फानन में राहुल के खिलाफ सुनवाई कर उन्हें अधिकतम दो साल की सजा सुना दी। तत्पश्चात उच्च न्यायालय ने भी बड़ी तेजी से इस निर्णय पर मुहर लगा दी। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने भी उतनी ही फुर्ती से कांग्रेस नेता की सांसदी और लगे हाथ बंगला छीन लिया था। यह दीगर बात है कि राहुल का मोदी सरकार के खिलाफ आक्रमण न ठहरा और न ही कमजोर पड़ा। फिर भी देश के उन लोगों में गहन निराशा थी जो यह देख रहे हैं कि किस तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विपक्षी दलों के खिलाफ राजनैतिक लड़ाई न लड़कर केन्द्रीय जांच एजेंसियों के जरिये प्रतिपक्ष को तंग कर रहे हैं।

पिछले साल कन्याकुमारी से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो यात्रा' निकालकर राहुल ने जबर्दस्त जन समर्थन बटोरा जिसने उनकी छवि को पूरी तरह से बदलकर रख दिया। इसने कांग्रेस को नवजीवन प्रदान किया। मोदी और भारतीय जनता पार्टी ने आसन्न खतरे को भांप लिया था। इसी के चलते उन पर तथा तमाम विपक्षी नेताओं के खिलाफ मोदी-भाजपा के हमले तेज तो हुए परन्तु वे संसदीय गरिमा को तार-तार करते चले गए । इससे भी बेखौफ राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस न केवल मजबूत होती चली गई वरन उसने अपने साथ देश की 25 अन्य महत्वपूर्ण राजनैतिक पार्टियों को जोड़कर मोदी के खिलाफ बड़ी चुनौती पेश कर दी। इस बीच हिमाचल प्रदेश एवं कर्नाटक के विधानसभा चुनावों में बड़ी जीतें दर्ज कर मोदी की मुश्किलें इस मायने में बढ़ गईं कि उनकी अपनी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखपत्र को भी मानना पड़ा कि अब मोदी के चेहरे और हिन्दुत्व के मुद्दे पर अगला (लोकसभा-2024) चुनाव नहीं लड़ा जा सकता।

मोदी की गिरती छवि को राहुल के पक्ष में आया यह फैसला और भी गिराएगा और कोई बड़ी बात नहीं कि अब उनकी अपनी पार्टी में यह बात उठे कि अब कोई नया चेहरा ढूंढ़ने का वक्त आ गया है। हालांकि यह भी डर है कि सामाजिक ध्रुवीकरण के लिए वे कोई भी कदम उठा सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उनके खिलाफ बना विपक्षी गठबन्धन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इनक्लूज़िव एलाएंस) और भी संगठित होगा। राहुल को मिली कानूनी जीत कांग्रेस को अतिरिक्त मजबूती देगी जिसकी छतरी तले सारे विपक्षी दल और भी संगठित होकर काम करेंगे। विपक्ष की सामूहिक लड़ाई को इस फैसले से बल ही मिलेगा। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब मणिपुर की हिंसा को रोकने में केन्द्र की नाकामी के मुद्दे पर प्रधानमंत्री के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। इस पर संक्षिप्त चर्चा हो या विस्तृत- इसे लेकर संसद के दोनों सदन ठप हैं।

अब तक अदालती फैसले के कारण संसद से बाहर कर दिए गए राहुल की सदन में वापसी सत्ता पक्ष के लिये एक और सिरदर्दी साबित होगी। पिछली बार मोदी की अदानी के विमान में उनके साथ की तस्वीर ने वैसे भी पहले से मोदी व भाजपा को अड़चन में डाले रखा था, अब राहुल उस सवाल के साथ ही मणिपुर व हरियाणा के मेवात (नूंह) की हिंसा पर अतिरिक्त प्रश्न लेकर लौटेंगे। यह फैसला केवल राहुल के लिए व्यक्तिगत राहत लेकर नहीं आया है वरन उन तमाम लोगों के मन में भी यह आशा की किरण जगाने वाला निर्णय है जो देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था के ध्वस्त होने से मायूस हैं। पिछले करीब 9 वर्षों से मोदी के नेतृत्व में जिस प्रकार से तमाम जनतांत्रिक मूल्यों को दरकिनार कर सतत निरंकुशता की ओर यह सरकार बढ़ती चली जा रही है, वह दुर्भाग्यजनक है। एक न्यायपूर्ण, समतामूलक और समावेशी समाज को रौंदकर भाजपा व उसकी विचारधारा ने जिस कट्टर, अतिवादी, अराजक और अवैज्ञानिक समाज की संरचना की है, राहुल उसके खिलाफ एक प्रतिनिधि आवाज़ बनकर उभरे हैं। ऐसे वक्त में जब मोदी अनियंत्रित राजकाज चलाने के लिए विपक्ष मुक्त भारत बनाने पर आमादा हैं, राहुल बेखौफ इस प्रवृत्ति व ताकत के खिलाफ न केवल लड़ रहे हैं बल्कि लोगों से भी कह रहे हैं- 'डरो मत!' इसलिए भारत राहुल की जीत में लोकतंत्र के पुनर्जीवित होने की उम्मीद देख रहा है। तमाम संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर देने वाले इस दौर में शीर्ष कोर्ट का सत्ता के खिलाफ न्यायदान करना इसलिये भी आशा का नया उजाला फैलाएगा कि कोई तो है जो उनके अधिकारों की रक्षा के लिए नागरिकों के साथ है। इस फैसले की गूंज दूर तक सुनाई देगी।

सार संक्षेप

बॉम्बे हाई कोर्ट के जज ने अदालत में दिया इस्तीफा

नागपुर। एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में, बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ के जज जस्टिस रोहित बी. देव ने शुक्रवार दोपहर यहां खुली अदालत में अपना इस्तीफा दे दिया। पद छोड़ने के अपने फैसले की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि वह अपने आत्मसम्मान के खिलाफ काम नहीं कर सकते। उस वक्त वो जस्टिस एम. डब्ल्यू. चंदवानी के साथ एक खंडपीठ का नेतृत्व कर रहे थे। उन्होंने वकीलों से माफी मांगी और उन्हें अपना परिवार बताया।

गौरीकुंड भूस्खलन में तीन शव किए गए बरामद

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम यात्रा के मुख्य पड़ाव गौरीकुंड में डाट पुलिया के समीप गुरुवार की देर रात करीब 11.30 बजे पर भूस्खलन की घटना हुई थी। जिसमें 3 दुकानें और एक खोखा बह गया था। भारी बारिश से केदारनाथ धाम के मुख्य पड़ाव गौरीकुंड में पहाड़ी से मलबा गिरने से तीन दुकानें जमींदोज हो गईं। मलबे की चपेट में आकर 19 लोगों के लापता होने की सूचना मिल रही है।

दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश, तापमान गिरा

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में शुक्रवार को हल्की बारिश हुई, और न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि मौसम के औसत से दो डिग्री कम है। शुक्रवार सुबह 8.30 बजे सापेक्ष आर्द्रता 93 प्रतिशत दर्ज की गई।

मस्जिद प्रबंधन की याचिका खारिज

ज्ञानवापी सर्वेक्षण पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को वाराणसी के विवादित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने के जिला अदालत के आदेश पर रोक लगाने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ सर्वेक्षण करने के जिला अदालत के 20 जुलाई के आदेश के फैसले पर मुहर लगाने वाले इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली अंजुमन इंतजामिया मस्जिद समिति वाराणसी की याचिका खारिज करते हुए सर्वेक्षण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले में हस्तक्षेप करने का उन्हें कोई कारण नजर नहीं आता। शीर्ष अदालत के समक्ष दायर अपनी विशेष अनुमति याचिका में अंजुमन इंतजामिया मस्जिद समिति वाराणसी ने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर की अध्यक्षता वाली पीठ द्वारा तीन अगस्त को पारित आदेश पर रोक लगाने की गुहार लगाई थी।

अदालत ने कहा, फैसले में हस्तक्षेप करने का उन्हें कोई कारण नजर नहीं आता

न्यायमूर्ति जयंत नाथ डीईआरसी के अध्यक्ष नियुक्त

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति जयंत नाथ को शुक्रवार को दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नाम पर दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच सहमति नहीं होने के करण न्यायमूर्ति नाथ को कार्यवाहक अध्यक्ष के तौर पर नियुक्ति से संबंधित अधिसूचना जारी करने के आदेश देने का फैसला किया।

पति-पत्नी ने सातवीं मंजिल से लगाई छलांग

नोएडा, 4 अगस्त (देशबन्धु)। नोएडा में सेक्टर-58 थाना इलाके में कई महीनों से बंद पड़ी एक बिल्डिंग की सातवीं मंजिल से पति-पत्नी ने छलांग लगाकर खुदकुशी कर ली। दोनों में कई दिनों से झगड़ा हो रहा था। यह घटना नोएडा के सेक्टर-59 के बी-25 स्थित एक बिल्डिंग में हुआ। मरने वालों की पहचान राकेश प्रजापति और कंचन के रूप में हुई। राकेश बिल्डिंग की चौकीदारी करता था और यहीं रहता था। राकेश दिल्ली के हाउस नंबर-489, गली नंबर-17, चांदबाद का निवासी था। पुलिस ने दोनों शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शुरुआती जांच में दोनों के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस सभी बिंदुओं पर गहनता से जांच कर रही है। आसपास काम करने वाले गार्ड ने बताया कि दोनों कभी-कभार घर से बाहर आते थे। उनका मिलना-जुलना किसी से नहीं था।

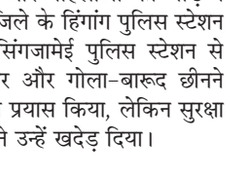

■ नोएडा सेक्टर-58 थाना इलाके की घटना
■ दोनों में कई दिनों से हो रहा था झगड़ा

12वें दिन भी संसद में मणिपुर पर हंगामा

राज्यसभा में विपक्ष ने फिर उठाया मामला

नई दिल्ली, 4 अगस्त (देशबन्धु)। संसद के मानसून सत्र का शुक्रवार को 12वां दिन था। मणिपुर मुद्दे पर संसद में आज भी हंगामा हुआ। राज्यसभा को पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया गया। अब अगली कार्यवाही 7 अगस्त को होगी। वहीं, लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में सेना से जुड़ा इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन (कमांड, कंट्रोल और डिसिप्लिन) विधेयक, 2023 पेश किया। इसे पास करा दिया गया। वहीं, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (संशोधन) विधेयक पेश किया।

मणिपुर में थम नहीं रहा हिंसा का दौर

भीड़ ने पुलिस चौकियों से हथियार लूटे

इंफाल, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भीड़ ने गुरुवार को मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में दो सुरक्षा चौकियों में तोड़फोड़ की और भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद लूट लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। बिष्णुपुर जिले के कौट्रुक में एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई जब सशस्त्र हमलावर सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में शामिल हो गए। गुरुवार देर रात मणिपुर पुलिस के एक बयान में कहा गया कि भीड़ ने बिष्णुपुर में मणिपुर सशस्त्र पुलिस की दूसरी बटालियन के कोरेनफाबी पुलिस चौकी और थंगलावई पुलिस चौकी पर हमला किया और भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद ले गए। पुरुषों और महिलाओं की भीड़ ने उसी जिले के हिंगांग पुलिस स्टेशन और सिंगजामेई पुलिस स्टेशन से हथियार और गोला-बारूद छीनने का भी प्रयास किया, लेकिन सुरक्षा बलों ने उन्हें खदेड़ दिया।

■ मुठभेड़ के दौरा पुलिसकर्मी की मौत

सरकार पर भारी पड़ेगा विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव!

■ जयशंकर गुप्त

नई दिल्ली, 4 अगस्त (देशबन्धु)। लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव के लंबित रहते (अध्यक्ष के द्वारा चर्चा और मतदान के लिए स्वीकृत), कोई सरकार सदन में क्या कोई विधेयक पेश और पास करा सकती है! मोदी सरकार 26 जुलाई को लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला के द्वारा विपक्ष (इंडिया) के अविश्वास प्रस्ताव को मंजूर करने के बाद से अब तक दर्जन भर विधेयकों को पेश और पारित करवा चुकी है।

संविधान और संसदीय कार्य प्रणाली के मर्मज्ञ सवाल उठा रहे हैं कि क्या सरकार ऐसा करने में सक्षम है, जबकि सदन का उसे विश्वास हासिल है कि नहीं, इसका फैसला अगस्त के दूसरे सप्ताह में ही हो सकेगा। संसदीय परंपराएं इस मामले में खास मददगार नहीं। शायद इसलिए भी कि अतीत में अविश्वास प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद उस पर सदन में चर्चा कराए जाने में संभवत: इतनी देरी पहले कभी नहीं हुई। कांग्रेस के गौरव गोगोई के द्वारा मोदी सरकार के विरुद्ध 26 जुलाई को पेश अविश्वास प्रस्ताव को लोकसभाध्यक्ष श्री बिड़ला ने उसी दिन मंजूर कर लिया था लेकिन इस पर चर्चा के लिए दिन और समय तय करने में उन्हें पांच दिन का समय लग गया। हालांकि तकनीकी रूप से इसमें कुछ भी गलत नहीं है क्योंकि अविश्वास प्रस्ताव से संबंधित नियमों में इस बात का उल्लेख है कि प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद उस पर दस दिन के भीतर चर्चा और मतदान अनिवार्य है। लेकिन अतीत में जितने भी अविश्वास प्रस्तावों का सदन साक्षी बना, पीठासीन अधिकारी (लोकसभाध्यक्ष) की स्वीकृति के बाद ही उन पर चर्चा शुरू हो गई।

अविश्वास प्रस्ताव के लंबित रहते कैसे पेश और पास हो रहे विधेयक

■ अब तक दर्जन भर विधेयक हो चुके हैं पारित
■ 26 जुलाई को पेश किया था अविश्वास प्रस्ताव

शायद इसलिए भी यह सवाल नहीं उठे कि अविश्वास प्रस्ताव पर कोई फैसला होने तक सरकार कोई विधेयक पेश और पारित कर सकती है कि नहीं। बहरहाल, गौरव गोगोई के अविश्वास प्रस्ताव पर 8 अगस्त से तीन दिन की चर्चा कराने का फैसला लोकसभाध्यक्ष श्री बिड़ला ने एक अगस्त को सदन की विपक्ष रहित कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में लिया।

विपक्ष के सदस्य बैठक से बहिर्गमन कर गए थे। अब 8 अगस्त से 10 अगस्त तक अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होगी। 10 अगस्त को ही प्रधानमंत्री अविश्वास प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए सरकार का पक्ष रखेंगे। लेकिन नियमानुसार समापन भाषण अविश्वास प्रस्ताव पेश करनेवाले गौरव गोगोई का ही होगा। इसके बाद ही प्रस्ताव पर मतदान होगा। विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव का हश्र क्या होगा, यह सबको पता है। 545 सदस्यों की लोकसभा में सत्तापक्ष के प्रचंड बहुमत को देखते हुए मोदी सरकार का बाल भी बांका होने की गुंजाइश नहीं है। एक दो अपवादों को छोड़ दें तो अतीत के अनुभव भी यही बताते हैं। अब तक 27 बार लोकसभा में तत्कालीन सरकारों के विरोध में अविश्वास प्रस्ताव पेश हुए लेकिन कामयाबी केवल तीन-चार बार ही मिल सकी। आजाद भारत में पहला अविश्वास प्रस्ताव भारत-चीन युद्ध के बाद जवाहर लाल नेहरू की सरकार के विरुद्ध प्रजा समाजवादी दल के आचार्य जीवतराम भगतराम कृपलानी ने पेश किया था जो मतदान के समय 62 मतों के मुकाबले 347 सदस्यों के बहुमत से गिर गया था। लेकिन विपक्ष उस प्रस्ताव के जरिए नेहरू सरकार की कमियों को सामने रखकर उसकी बखिया उधेड़ने में कारगर रहा था। तब से ही अविश्वास प्रस्ताव सदन में विपक्ष के कारगर संसदीय हथियार के रूप में इस्तेमाल होने लगा। इस बार भी विपक्ष को अपने अविश्वास प्रस्ताव के हश्र का पता है, लेकिन ....शेष पृष्ठ 9 पर

देश

उवाच

देश की जनता देख रही है कि किस तरह सुनियोजित साजिश के तहत विभिन्न हथकंडे अपनाकर विपक्षी नेताओं की छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। राहुल गांधी के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगाए जाने का निर्णय स्वागतयोग्य है।

-अभिषेक झा, जदयू प्रवक्ता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	33.0	28.0
मुंबई	29.0	27.0
कोलकाता	31.0	28.0
चेन्नई	33.0	29.0

राहुल के खिलाफ बड़ी साजिश हुई नाकाम : कांग्रेस

मोदी उपनाम मामले में राहुल को हुई सजा पर शीर्ष अदलात के रोक लगाने के फैसले पर जताई खुशी

नई दिल्ली/पटना, 4 अगस्त (देशबन्धु)। मोदी उपनाम टिप्पणी पर आपराधिक मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने सुप्रीम कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश जारी कर उनकी सजा पर रोक लगा दी है। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। तमाम कांग्रेस नेता इस पर अपनी प्रतिक्रिया देकर खुशी जाहिर की। कांग्रेस नेता प्रियंका श्रीनेत ने कहा है कि राहुल गांधी की सजा पर रोक यह सिद्ध करता है कि उन्हें गलत तरीके से फंसाने की कोशिश की गई थी। उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी ने ऐसी कोई भी बात नहीं की थी, जिसे गलत कहा जा सके। उन्होंने केंद्र पर तानाशाही करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह लोकतंत्र की जीत है और इससे आम आदमी की आवाज को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे उनकी संसद सदस्यता बहाल होने का रास्ता भी खुल गया है। कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र और सत्य की जीत बताया है। राहुल गांधी की सजा पर रोक लगने से कांग्रेस को सरकार पर हमलावर होने का अवसर मिला है, जो पहले ही मणिपुर के मुद्दे पर सरकार को हर तरफ से घेरे हुए थी। सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय से भाजपा को तगड़ा झटका लगा है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिप्पणी करते हुए लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि यह खुशी का दिन है... मैं आज ही लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखूंगा और बात करूंगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि संसद परिसर में हर जगह आपको 'सत्यमेव जयते' दिखेगा। राहुल गांधी के खिलाफ साजिश आज नाकाम हो गई है। राहुल गांधी की जीत मोदी जी पर भारी पड़ेगी। मानहानि मामले में राहुल गांधी को मिली सजा पर सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद संसद की सदस्यता बहाली को लेकर गहमागहमी शुरू हो गई है। इसे लेकर संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात कर सदस्यता बहाल करने के मामले में तत्काल फैसला लेने का आग्रह किया है। स्पीकर कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि बिरला ने अधीर को इस मामले में नियमानुसार फैसला लेने का आश्वासन दिया है।

कांग्रेस ने शीर्ष अदलात के फैसले को लोकतंत्र व सत्य की जीत बताया

राहुल गांधी की सजा पर रोक यह सिद्ध करती है कि उन्हें गलत तरीके से फंसाने की कोशिश की गई थी : प्रियंका श्रीनेत

न्यायालय के फैसले से न्यायपालिका के प्रति बढ़ेगा देश का भरोसा : कमलनाथ

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के संबंध में शुक्रवार को आए उच्चतम न्यायालय के फैसले को लेकर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि इस फैसले से न्यायपालिका के प्रति देश का भरोसा बढ़ेगा। कमलनाथ ने अपने ट्वीट में कहा कि देश में लोकतंत्र की आवाज गांधी को उच्चतम न्यायालय से सजा में राहत मिलने पर हार्दिक शुभकामनाएं। न्यायालय के इस फैसले से न्यायपालिका के प्रति देश की जनता का सम्मान और भरोसा दोनों बढ़ेंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि अंतिम फैसला गांधी के पक्ष में आएगा। राज्यसभा सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने ट्वीट कर कहा कि राहुल गांधी को उच्चतम न्यायालय से न्यायिक राहत मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं। सत्य सदैव उज्ज्वल रहे। वहीं, राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा सहित प्रदेश कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी गांधी की सदस्यता बहाल करने संबंधी उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत किया और न्यायालय के इस फैसले पर खुशी जताई। राजद नेता और बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद ट्वीट कर कहा कि सर्वोच्च न्यायालय का राहुल गांधी के संदर्भ में लिया गया फैसला स्वागत योग्य है। अगर भाजपा के दुष्प्रचारी एवं कॉम्प्रोमाइज्ड तंत्र को ये झटका नहीं लगता तो कई और विपक्षी नेताओं को ये साजिशों व षड्यंत्रों के तहत विधायिका से बाहर रखने की जालसाजी जारी रखते। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ए.के. एंटनी ने कहा कि मानहानि मामले में राहुल गांधी को दोषी ठहराने के निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि जरा सोचिए, अगर शीर्ष अदालत ने यह फैसला नहीं दिया होता तो क्या होगा। यह सच्चाई की स्पष्ट जीत है और न्याय बहाल हुआ है। कांग्रेस सांसद और अनुभवी नेता के. करुणाकरण के बेटे के. मुरलीधरन ने कहा कि उन्हें शीर्ष अदालत पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि संसद में गांधी को वापस पाकर हम बेहद खुश हैं। हमारे पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुकाबला करने के लिए उपयुक्त नेता की कमी थी। और गांधी कब लोकसभा में लौट पाएंगे, इस पर पूर्व लोकसभा महासचिव पी.डी.टी. आचार्य ने कहा कि लोकसभा सचिवालय को तुरंत गांधी की सदस्यता बहाल करने की अधिसूचना जारी करनी चाहिए, क्योंकि फैसला शीर्ष अदालत से आया है। संयोगवश, सूरत की एक अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के अगले ही दिन लोकसभा सचिवालय ने गांधी को अयोग्य घोषित कर दिया था। वहीं कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने लिखा कि सत्यमेव जयते माननीय सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की सजा पर रोक का फैसला करके लोकतंत्र की आवाज को मजबूत किया है।

राहुल की जीत सत्य की जीत : यशपाल आर्य

उत्तराखंड विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता यशपाल आर्य ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को मोदी सरनेम वाले मामले में उच्चतम न्यायालय से राहत मिलने को सत्य की जीत बताया है। आर्य ने आज जारी बयान में कहा कि तीन चीजें सूर्य, चंद्रमा और सत्य ज्यादा देर तक छिप नहीं सकतीं हैं। उन्होंने कहा कि गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सजा पर रोक लगाने का सर्वोच्च न्यायालय का फैसला स्वागत योग्य है। यह सत्य, धैर्य और धर्म की जीत है। न्याय की जीत हुई है। यह नफरत के खिलाफ मोहब्बत की जीत है।

नकारात्मक राजनीति कर रही भाजपा को करारा झटका : जदयू

पटना। बिहार प्रदेश जनता के अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के मामलें में सर्वोच्च न्यायालय का फैसला लोकतंत्र और संविधान की जीत का जीवंत उदारहण है। सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले से देश में नकारात्मक राजनीति कर रही भाजपा को करारा झटका लगा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा लोकतंत्र को कुचलने का षड्यंत्र आज सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष भी बेनकाब हो गया। न्यायालय के इस फैसले से भाजपा को सबक लेने की आवश्यकता है, असत्य चाहे कितना भी हावी हो जाए मगर सत्य को कभी दबाया नहीं जा सकता है। यह देश गांधी और अंबेडकर का देश है, यहां छल-कपट की राजनीति कभी भी किसी भी दौर में सफल नहीं हो सकती है। कुशवाहा ने कहा कि भाजपा लाख कोशिशें कर ले मगर देश का विपक्ष डरने वाला नहीं है। हम मिलकर पुरी ताकत से भाजपा का मुकाबला करेंगे और हिटलर के मार्ग पर चल रही तानाशाही सरकार को 2024 में देश की सत्ता से उखाड़ फेकेंगे। देश की जनता को भी एहसास हो चुका है कि जनसमस्याओं का समाधान करने के बजाए विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए भाजपा अपने सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सिर्फ सत्ता भोगने की नीयत से देश के संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करना भाजपा को महंगा पड़ेगा। जनता इनकी विदाई सुनिश्चित करने का मन अब बना चुकी है। भाजपा की तानाशाही अब अंतिम समय में है। भाजपा के राजनीतिक पतन की शुरुआत हो चुकी है, कोई भी साजिश या षड्यन्त्र अब मोदी सरकार को नहीं बचा सकती है। वहीं बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डा.अखिलेश प्रसाद सिंह ने मोदी सरनेम मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए कही। वे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में जश्न मनाने के लिए एकत्रित हुए सैंकड़ों कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्त्ताओं को अपने वरचुअल सम्बोधन में बोल रहे थे। डा.सिंह ने आगे कहा कि यह न्याय की जीत है और कांग्रेसियों के लिए बहुत बड़ी राहत है कि राहुल जी की आवाज संसद में फिर से गूंजेगी और वह 2024 का चुनाव लड़ सकेंगे।

संसद से

धनखड़ ने दीपेंद्र हुड्डा से मांगी 'गुरु दक्षिणा'

सभापति जगदीप धनखड़ ने सांसद मोपी देवी, सांसद व प्रोफेसर मनोज झा और सांसद इमरान प्रतापगढ़ी व अन्य सदस्यों को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। दरअसल शुक्रवार को कुछ राज्यसभा सांसदों को जन्मदिन था, जिसको लेकर सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को सबको जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इसके बाद कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी और उनसे गुरु दक्षिणा मांगी। उन्होंने कहा कि मेव कॉलेज अजमेर में दीपेंद्र सिंह हुड्डा मेरे जूनियर थे और इस लिहाज से मैं, उनका गुरु रह चुका हूं। ऐसे में, आज मैं उनसे गुरु दक्षिणा लूंगा। तभी सदन ठहाकों से गूंज उठा।

द इंटर सर्विसेज आर्गनाइजेशन विधेयक सैन्य सुधारों की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव : राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने द इंटर सर्विसेज आर्गनाइजेशन (कमांड, कंट्रोल एंड डिसिपलिन) विधेयक 2023 को पेश करते हुए कहा कि यह सेना के तीनों सेवाओं में अनुशासन बनाने में मददगार होगा। कमांडिंग ऑफिसर या कमांडिंग इन चीफ तीनों सेनाओं के मामलों में अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकते हैं। सिंह ने कहा कि यह विधेयक सैन्य सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस विधेयक से सैन्य बलों पर कोई वित्तीय भार नहीं पड़ेगा। यह विधेयक सेना अधिनियमों में किसी तरह का बदलाव भी नहीं करता। स्थायी समिति ने बिना किसी संशोधन के इस विधेयक को अनुमोदन प्रदान किया है। इसके बाद सदन ने इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

प्रबंधन सस्थान विधेयक से प्रबंधकीय जवाबदेही की जा सकेगी सुनिश्चित : प्रधान

शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने भारतीय प्रबंधन संस्थान (संशोधन) विधेयक 2023 पेश किया। विधेयक के बारे में प्रधान ने कहा कि इसके माध्यम से प्रबंधकीय जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकेगी। इस विधेयक में मुम्बई के एक संस्थान को भारतीय प्रबंधन संस्थान का दर्जा देने के प्रावधान किए गए हैं। इसके माध्यम से सभी भारतीय प्रबंधन संस्थान में एकरूपता लाई जा सकेगी और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकेगी। इस दौरान विपक्षी सदस्य हाथों में तख्तियां लिए सदन के बीचों बीच मणिपुर मुद्दे पर चर्चा की मांग और प्रधानमंत्री से सदन में आकर वक्तव्य देने की मांग को लेकर नारेबाजी और हंगामा करते रहे। पीठासीन अधिकारी अग्रवाल ने हंगामा कर रहे विपक्षी सदस्यों से कहा कि वे अपनी-अपनी सीटों पर जायें और सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलने दें। हंगामा रुकते न देखकर अग्रवाल ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार से सदस्य चिंतित : पीयूष गोयल

सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा कि सदस्य राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार से चिंतित है। उन्होंने आसन से कहा कि मणिपुर मुद्दे पर नियम 176 के तहत चर्चा की अनुमति दी गई थी और उसी प्रकार नियम 176 के तहत राजस्थान के मुद्दे पर भी चर्चा की अनुमति दी जानी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मणिपुर मुद्दे पर 267 के तहत अपनी मांग दोहराई। हालांकि, सदन में शोर के कारण वह अपनी बात पूरी नहीं कर सके और सभापति जगदीप धनखड़ ने बैठक पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी। सभापति ने बताया कि नियम 267 के तहत उन्हें कुल 48 नोटिस मिले हैं। उनके इतना कहते ही सत्ता पक्ष के सदस्यों ने राजस्थान के मुद्दे पर हंगामा और शोरगुल शुरु कर दिया।

राहुल के वायनाड दफ्तर में लैंडलाइन फोन, इंटरनेट जल्द होगा बहाल, कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया

तिरुवनंतपुरम। आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद राहुल गांधी के वायनाड दफ्तर में बीएसएनएल लैंडलाइन फोन और इंटरनेट कनेक्शन काट दिया गया था। इसे अब जल्द ही बहाल किया जाएगा। राहुल गांधी को दोषी ठहराए जाने के तुरंत बाद संचार कनेक्शन काट दिए गए थे। स्थानीय पार्टी नेताओं के अनुसार, वायनाड में राहुल गांधी का कार्यालय पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा संचालित किया गया था और शुक्रवार को शीर्ष अदालत का फैसला आने पर वहां फिर से गतिविधियां शुरू हो गई। एक स्थानीय पार्टी कार्यकर्ता ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि राहुल गांधी अपने निर्वाचन क्षेत्र को कितना प्यार करते हैं। अयोग्यता की अवधि के दौरान भी वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए काम करते रहे। हम उनके निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करने का इंतजार कर रहे हैं। राहुल गांधी ने एक कंपनी के सीएसआर फंड से कुछ पैसे लाए थे, जिससे 10 आंगनबाड़ियों को नया रूप दिया गया है। हम चाहते हैं कि वह इसका उद्घाटन करें। राहुल गांधी ने 2019 के लोकसभा चुनाव अभियान के दौरान सभी चोरों का एक ही उपनाम मोदी कैसे है। टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी के लिए 23 मार्च को सूरत की निचली अदालत ने राहुल गांधी को आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराया था। इस टिप्पणी की व्याख्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी और ललित मोदी के बीच एक अंतर्निहित संबंध निकालने के प्रयास के रूप में की गई थी। वायनाड में कुछ स्थानों पर कांग्रेस समर्थक अपनी खुशी व्यक्त करते हुए सड़कों पर उतर आए और केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पार्टी की सभी 14 जिला इकाइयों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जश्न मनाने के लिए कहा। कांग्रेस विधायक और युवा कांग्रेस के अध्यक्ष शफी परम्बिल ने कहा कि यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी और वायनाड के लोग निश्चित रूप से खुश होंगे। हम सभी ने देखा कि अयोग्य ठहराए जाने के बाद जब वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में आए तो लोग उनके पास कैसे पहुंचे। इस बीच, राजधानी में राज्य पार्टी मुख्यालय में भीड़ लगनी शुरू हो गई। अब सभी की निगाहें इस बात पर हैं कि गांधी की लोकसभा सदस्यता कितनी जल्दी बहाल की जाती है।

सार संक्षेप

एनआईए ने कश्मीर में पांच जगहों पर छापेमारी की

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी साजिश मामले में शुक्रवार को कश्मीर में पांच स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ये छापेमारी घाटी के कई जिलों में चल रही है। उन्होंने कहा कि छापेमारी जम्मू में 2022 में दर्ज एक आतंकी साजिश मामले की चल रही जांच का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि आरसी 5/2022/जेएमयू में पांच स्थानों पर तलाशी ली गई। यह मामला भौतिक व साइबर स्पेस दोनों में एक साजिश रचने और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों द्वारा जम्मू-कश्मीर में चिपचिपे बम, आईईडी और छोटे हथियारों के साथ हिंसक आतंकवादी हमले करने की योजना से संबंधित है।

कुएं में जहरीली गैस से पिता-पुत्र की मौत

पन्ना। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के शाहनगर थाना क्षेत्र के लुधगवां गांव में कुएं से निकल रही जहरीली गैस की चपेट में आने से शुक्रवार को पिता-पुत्र की मौत हो गई। इस हादसे में एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे इलाज के लिए कटनी रैफर किया गया है।

गौरीकुण्ड में अतिवृष्टि व भूस्खलन, 13 लापता

रुद्रप्रयाग/देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जनपद में गुरुवार देर रात्रि से अतिवृष्टि और भूस्खलन से व्यापक जन, धन की हानि होने की सूचना है। खराब मौसम के कारण राहत कार्यों में भारी मुश्किल हो रही हैं। यह स्थान भगवान शिव के ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम का अंतिम पडाव स्थल है।

नीतीश के नेता हुए अहंकारी : सम्राट

पटना, 4 अगस्त (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने जदयू के अध्यक्ष ललन सिंह द्वारा गुरुवार को लोकसभा में एक सीनियर सदस्य को इंगित करते हुए गलत भाषा का प्रयोग किए जाने की निंदा करते हुए कहा कि भाजपा ऐसी हरकतों का विरोध करती है।

पटना में पत्रकारों से चर्चा करते हुए चौधरी ने कहा कि जदयू के अध्यक्ष लोकतंत्र के मंदिर लोकसभा में जिस तरह की बोली बोल रहे, उसे देश और दुनिया देख रही है। लोकसभा में जदयू अध्यक्ष का एक सीनियर सदस्य के साथ व्यवहार जगजाहिर हो गया है, जिसका भाजपा विरोध करती है। चौधरी ने कहा कि उनकी भाषा से उनकी अहंकार झलकती है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि नीतीश कुमार में भी अहंकार आ गया है, जिस कारण उनकी पार्टी के नेता भी अहंकारी हो गए है। नरेंद्र मोदी के फिर से पीएम बनने के एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है। फिर से मोदी के नेतृत्व में केंद्र की सरकार बनेगी। इधर, भागलपुर में धरना और अनशन पर बैठे भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष रोहित पांडेय सहित अन्य कार्यकर्ताओं पर रात में लाठीचार्ज किए जाने पर आक्रोश व्यक्त करते हुए चौधरी ने कहा कि बिहार में लोकतंत्र समाप्त हो गया है। नीतीश कुमार की सरकार गुंडों की तरह व्यवहार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग शांतिपूर्ण तरीके से धरना, अनशन पर बैठे थे, इन्हे पुलिस द्वारा पीटा गया। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया को भी बख्शा नहीं गया।

उन्होंने कहा कि अगर नीतीश कुमार में थोड़ी भी नैतिकता बची हो तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा कार्य को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन के नेता समझते हैं कि दो नेता के मिल जाने से बिहार जीत लेंगे, लेकिन जिस तरह विधानसभा उपचुनाव में तीन सीटों में से दो सीट पर हराने का काम किया गया।

- बिहार में लोकतंत्र समाप्त होने का लगाया आरोप
- धरना दे रहे लोगों से गुंडों जैसा सुलूक कर रही पुलिस

त्रिपुरा में डेंगू से 182 संक्रमित, प्रदेश भर में अलर्ट

अगरतला, 4 अगस्त (एजेंसियां)। त्रिपुरा में सिपाहीजला जिले के सीमावर्ती गांवों में अचानक डेंगू फैलने के कारण प्रदेश भर में अलर्ट जारी किये जाने के साथ ही अब तक 182 लोगों को इलाज के लिए अस्पतालों में लाया गया है। चिकित्सा निदेशक सुप्रिया मलिक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि घबराने की कोई बात नहीं है, क्योंकि सरकार ने बीमारी को रोकने के लिए सभी प्रयास किए हैं। डॉ. मलिक ने बताया कि विशेषज्ञों ने गांव का दौरा किया और घर में एडीज़ मच्छरों की मौजूदगी पाई। खुले स्थानों पर पानी जमा होने और जमा पानी तथा रबर के बागानों में बड़ी संख्या में लार्वा पाए जाने के कारण एडीज मच्छरों का प्रजनन बढ़ रहा है। डेंगू के मामलों की संख्या से निपटने के लिए मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई है। धनपुर के 37 डेंगू रोगियों को अगरतला सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उन्हें एक समर्पित कोविड अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया था।

हैदराबाद में जमीन की कीमतें तेलंगाना राज्य की श्रेष्ठता को दर्शाती है : राव

हैदराबाद, 4 अगस्त (देशबन्धु)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने कहा कि 100 रुपए प्रति एकड़ की भारी कीमत पर भूमि की बिक्री ने राज्य की प्रतिष्ठा को दर्शाया है और अनुकरणीय विकास दर्ज किया गया है। मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि विश्वस्तरीय कंपनियों द्वारा तेलंगाना की जमीनों की खरीद और इतनी ऊंची कीमत चुकाने का न केवल आर्थिक दृष्टिकोण से बल्कि तेलंगाना की प्रगति के नजरिए से भी विश्लेषण करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद का विकास सूचकांक इस शहर के ऊंचाइयों तक पहुंचने का प्रतिबिंब है। मुख्यमंत्री केसीआर ने स्पष्ट किया कि जमीन की कीमतों को उन लोगों के चेहरे पर तमाचा माना जाना चाहिए जिन्होंने यह डर पैदा करके हैदराबाद के आत्मसम्मान का अपमान किया कि अगर तेलंगाना को राज्य का दर्जा मिल गया तो शहर अपनी चमक खो देगा और जमीन की कीमतें गिर जाएंगी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने कहा कि यह राज्य सरकार की दूरदर्शिता का परिणाम है, जो हैदराबाद को एक महानगरीय शहर के रूप में बढ़ावा देने की दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ गांवों और कस्बों को भी प्रगति के पथ पर ले जा रही है।

- कंपनियों ने रंगारेड्डी जिले में 100.75 करोड़ रुपए की कीमत पर एक एकड़ जमीन खरीदी

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने एचएमडीए अधिकारियों, मंत्री श्री केटीआर, एचएमडीए मेट्रोपॉलिटन कमिश्नर और शहरी विकास के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार को बधाई दी जो हैदराबाद शहर के विकास के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

सवाल *कश्मीर में लापता सेना के जवान जावेद वानी की बरामदगी के बाद उठे सवाल*

जिन्दा बचे सेना के जवान से गहन पुछताछ के बाद खुलेगा राज

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 4 अगस्त (देशबन्धु)। छह दिनों के बाद सेना और पुलिस ने जिस अपहृत सेना के जवान को 'जिन्दा बरामद' किया है उसकी बरामदगी पर अब कई सवालों के जवाब सेना और पुलिस को चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि 7 सालों में यह पहला अवसर है कि आर्तकियों द्वारा अपहृत कोई जवान जिन्दा बचा हो।

गुरुवार देर रात को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लापता जवान जावेद अहमद वानी की बरामदगी की पुष्टि की थी। कश्मीर पुलिस के एडीजीपी विजय कुमार ने कहा कि मेडिकल चेकअप के बाद उससे पूछताछ आरंभ की गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, वानी के लापता होने को लेकर हर एंगल से पूछताछ की जा रही है। इतने दिन तक वो कहां थे और किस-किस से मिले थे और उन्हें अगवा किसने किया था, ये सब कुछ ऐसे सवाल है जिसके बारे में जम्मू-कश्मीर पुलिस उनसे जानना चाह रही है क्योंकि कश्मीर का यह पहला मामला है, जब किसी लापता जवान की सकुशल बरामदगी हुई है। जावेद ईद-उल-अजहा मनाने के लिए घर लौटा था और 29 जून से छुट्टी पर था। उसके लापता होने की परिस्थितियों से यह आशंका पैदा हो गई थी कि आतंकवादियों ने उसका अपहरण कर लिया है। सैनिक के भाई मुदासिर अहमद वानी ने कहा कि वह 30 जुलाई की शाम 7.30 बजे बाजार के लिए निकला और कुछ देर बाद हमें उसकी कार पर खून के निशान मिले। उसकी एक चप्पल और एक टोपी भी वहां थी। सैनिक के लापता होने की जानकारी मिलने पर सुरक्षा बलों ने कुलगाम और आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया। जावेद की तलाश में कई लोगों से पूछताछ की गई और उनके काल रिकार्ड की जांच की गई। जवान के पिता मोहम्मद अयूब वानी ने बेटे को सकुशल रिहा करने का आग्रह किया था। उनके पिता ने पत्रकारों से कहा था कि मैं सभी भाइयों से अपील करता हूं कि उसे जिंदा छोड़ दें। अगर उसने किसी को परेशान किया है तो मैं उसके लिए माफी मांगता हूं। अगर वे चाहें तो मैं उसे नौकरी भी छोड़ दूंगा। लापता हुए सेना के जवान की मां ने कहा कि मैं पिछले 6 दिनों से शोक में थी और सो नहीं पा रही थी। जब मैंने खुशखबरी (जवान के मिलने की) सुनी तो मुझे बहुत खुशी हुई। मैं उन सभी सुरक्षा बलों को धन्यवाद देना चाहती हूं, जिन्होंने हमारे बेटे को ढूंढने में हमारी मदद की। जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फेंट्री में काम करने वाले 25 वर्षीय जवान जावेद अहमद वानी कुलगाम जिले के अस्थाल गांव के रहने वाले हैं। उनकी पोस्टिंग लद्दाख के लेह में है। बीते सप्ताह वो ईद की छुट्टियों में घर आए हुए थे। समय के बितने के साथ-साथ आशंकाएं बढ़ती जा रही थीं।

- सात सालों में यह पहला अवसर जब किसी लापता जवान की हुई है सकुशल बरामदगी

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

टीचर : अगर एक तरफ पैसा हो और दुसरी तरफ अक्ल हो तो तुम क्या चुनोगे ?
गट्टू : टीचर मै तो पैसा लूंगा।
टीचर : गलत, मैं अक्ल चुनूंगी।
गट्टू : आप की मरजी। जिसके पास जिस चीज की कमी होती है वो उस चीज को चुनता है।

लोगों का अभी भारतीय लोकतंत्र व न्याय प्रणाली पर भरोसा : केजरीवाल

केजरीवाल ने मानहानि मामले में राहुल गांधी को मिली राहत पर दी बधाई

नई दिल्ली,4 अगस्त (देशबन्धु)। मोदी उपनाम मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली। जिसके बाद कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के नेता उनको बधाई दे रहे हैं। इसी बीच दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए पहली बार कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बधाई दी है। राहुल गांधी को मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट से फौरी राहत मिली। कोर्ट ने सजा पर रोक लगा दी। इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट ने मानहानि मामले में सजा पर रोक लगाने से इनकार किया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर लिखा कि मैं राहुल गांधी के खिलाफ अन्यायपूर्ण मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करता हूं। अभी भी लोगों का भारतीय लोकतंत्र और न्याय प्रणाली पर भरोसा है। मैं उन्हें और वायनाड की जनता को बधाई देता हूं। जानकारी के लिए बता दें कि बीती 23 मार्च को निचली अदालत ने राहुल को दोषी ठहराते हुए दो साल की सजा दी थी। इसके बाद अगले ही दिन राहुल की लोकसभा सदस्यता चली गई थी। राहुल की

राहुल गांधी के खिलाफ अन्यायपूर्ण मानहानि मामले में न्यायालय के फैसले का स्वागत करता हूं : अरविंद केजरीवाल

अपना सरकारी घर भी खाली करना पड़ा था। निचली अदालत के इस फैसले के खिलाफ दो अप्रैल को राहुल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जस्टिस प्रच्छक ने मई में राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद सात जुलाई को कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाया और राहुल की याचिका खारिज कर दी थी।

राहुल गांधी मानहानि के मामले में अदालत का निर्णय स्वागत योग्य कदम : दानिश अली

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी के सांसद कुंवर दानिश अली ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मानहानि के मामले में सर्वोच्च न्यायालय का अंतरिम आदेश को स्वागत योग्य कदम करार देते हुए कहा कि लोकतंत्र में विश्वास करने वाले वाले खुश हैं।

अमरोहा के लोकसभा सांसद अली ने यहां संसद भवन परिसर में कहा कि राहुल गांधी के मामले में पहले दिन से दिख रहा था कि यह सजा उनकी सदस्यता लेने के लिए हुई है। उन्होंने कहा 1930 में मानहानि का क़ानून जब से आया है तब से पहली बार इस मामले में राहुल गांधी को अधिकतम सजा दी गई है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि लोकसभा सचिवालय ने निचली अदालत के फैसले के बाद जिस त्वरित गति से राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त की थी उसी गति से उनकी सदस्यता बहाल की जाएगी।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने बाढ़ प्रभावित परिवारों को की मच्छरदानी वितरित

नई दिल्ली,4 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आज मयूर विहार फेज 1 और उसके पास के यमुना खादर शिविरों में 1000 से अधिक बाढ़ प्रभावित परिवारों को मच्छरदानियाँ वितरित कीं। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि यह अफसोस की बात है कि यमुना बेल्ट, जहां अधिकांश झुग्गियां स्थित थीं, अभी भी पानी में डूबी हुई हैं, लेकिन दिल्ली सरकार ने बाढ़ पीड़ितों को अधर में छोड़ दिया है और उनकी बिजली आपूर्ति काटकर बाढ़ प्रभावितों को शिविर छोड़ने के लिए मजबूर कर रही है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है कि यमुना बेल्ट के इन झुग्गीवासियों में से अधिकांश छोटी खेती करते थे और उनके पास आजीविका का जो भी थोड़ा सा स्रोत था, वह भी खत्म हो गया है, लेकिन दुख की बात है कि अब तक उनमें से अधिकांश को दिल्ली सरकार से कोई राहत नहीं मिली है। सचदेवा ने कहा कि चूंकि हम दिल्ली में सत्ता में नहीं हैं, इसलिए हम अपना शिविर नहीं लगा सकते, लेकिन बाढ़ पीड़ितों को राशन, बच्चों के लिए स्कूल की किताबें और चिकित्सा सहायता प्रदान करना जारी रखेंगे।

देशभर के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगे मोदी

■ **24,470 करोड़ से अधिक की लागत से स्टेशनों का किया जाएगा पुनर्विकास**

नई दिल्ली,4 अगस्त (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक ऐतिहासिक पहल के तहत 6 अगस्त को सुबह 11 बजे वी डियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश के कोने-कोने में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री अक्सर अत्याधुनिक सार्वजनिक परिवहन के प्रावधान पर जोर देते रहे हैं। रेलवे को देश भर में लोगों के परिवहन का पसंदीदा साधन बताते हुए उन्होंने रेलवे स्टेशनों पर विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के महत्व पर जोर दिया। इस विजन से प्रेरित, देश भर में 1309 स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई थी। इस योजना के हिस्से के रूप मेंए प्रधानमंत्री द्वारा 508 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए आधारशिला रखी जा रही है। इन स्टेशनों का पुनर्विकास 24,470 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से किया जाएगा। शहर के दोनों किनारों को समुचित रूप से जोड़ते हुए इन स्टेशनों को सटी सेंटर के रूप में वि कसित करने के लिए मास्टर प्ला न तैयार किए जा रहे हैं। यह एकीकृत दृष्टिकोण रेलवे स्टेशन के आसपास के क्षेत्र पर केंद्रित शहर के समग्र शहरी विकास के विजन से प्रेरित है। ये 508 स्टेशन देश के 27 राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों में स्थित हैं। जिनमें उत्तर प्रदेश में 55, राजस्थान में 55, बिहार में 49, महाराष्ट्र में 44, पश्चिम बंगाल में 37, मध्य प्रदेश में 34, असम में 32, ओडिशा में 25, पंजाब में 22, गुजरात में 21, तेलंगाना में 21, झारखंड में 20, आंध्र प्रदेश में 18, तमिलनाडु में 18ए हरियाणा में 15, कर्नाटक में 13 स्टेशन शामिल हैं। पुनर्विकास कार्य से अच्छी तरह से सुव्यवस्थित यातायात सुविधाए इंटर मोडल एकी करण और यात्रियों के मार्गदर्शन के लिए अच्छी तरह से डिजाइन किए गए चिन्हों को सुनिश्चित करने के साथ.साथ यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी हों।

सार संक्षेप

एडलवाइस टोकियो लाइफ ने व्यवसाय में पूरे किए 12 साल

नई दिल्ली। एक नए युग की जीवन बीमा कंपनी एडलवाइस टोकियो लाइफ ने लोगों के सपनों और आकांक्षाओं की सुरक्षा करने पर लगातार ध्यान देने के साथ इस व्यवसाय में अपने 12 साल सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। इन 12 वर्षों में कंपनी ने विकास, नवाचार और ग्राहक केंद्रित एक शानदार ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है। 502 करोड़ रुपए के व्यक्तिगत एपीई के बाद वित्त वर्ष 2022-2023 में कंपनी ने सालाना आधार पर 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। स्थापना के बाद से कंपनी ने 44 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ी है। एडलवाइस टोकियो लाइफ इंश्योरेंस के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुभ्रजीत मुखोपाध्याय ने कहा की 12 वर्षों में, हमने एक ऐसा संगठन बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए हैं, जो हर ग्राहक को लाभ दे सकें। हमने एक गुणवत्तापूर्ण संगठन का निर्माण करते हुए व्यवसाय को बढ़ाया है।

केएसबी लिमिटेड ने 24.8 फीसदी बिक्री वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली। भारत में अग्रणी पंप और वाल्व निर्माताओं में से एक, केएसबी लिमिटेड ने जनवरी 2022 से जून 2022 की तुलना में जनवरी से जून 2023 की अपनी हॉफ ईयरली सेल में 10,809 रुपए की सेल वैल्यू के साथ 24.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। कम्पनी के अनुसार 2022 की पहली छमाही की तुलना में बिक्री में 24.8 फीसदी की वृद्धि हुई। दूसरे क्वार्टर में ऑर्डर इनटेक 6165 मिलियन रुपए के साथ 2022 की दूसरे क्वार्टर की तुलना में 26 फीसदी बढ़ा है। निर्यात कारोबार में तेजी देखी जा रही है। जोनल ऑफिस कोलकाता नए स्थान पर स्थानांतरित हो गया है।

विनिर्माण क्षेत्र को सशक्त बनाएगा दिल्ली मशीन टूल एक्सपो

नई दिल्ली। इंडियन मशीन टूल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन आईएमटीएमए द्वारा आयोजित दिल्ली मशीन टूल एक्सपो (डीएमटीएक्स 2023) का चौथा संस्करण 24 से 27 अगस्त 2023 तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान में होने जा रहा है। डीएमटीएक्स 2023 पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, आईएमटीएमए के अध्यक्ष, रवि राघवन ने कहा की 2017 में प्रगति मैदान में आयोजित हुए इस शो के पिछले संस्करण को विनिर्माण उद्योग से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी और शो में भाग लेने वाले मशीन टूल निर्माता अपनी पहुंच का विस्तार करने में सक्षम थे। आगे बढ़ाने और भारत के उत्तरी क्षेत्र में कई और नए उद्योगों तक पहुंचने में अवश्य मदद करेगा। आईएमटीएमए के महानिदेशक और सीईओ जीबक दासगुप्ता ने कहा की आईएमटीएमए उत्तर भारतीय क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयों को उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ सक्षम बनाने के लिए एक्सपो का आयोजन कर रहा है। डीएमटीएक्स 2023, उत्तर भारत के बाजार में ओईएम और घटक निर्माताओं की कई आवश्यकताओं को पूरा करने में अहम् भूमिका निभाएगा।

जेएनयू का इतिहास पुस्तकालय होगा बंद

नई दिल्ली। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय प्रशासन ने आर्थिक दिक्कत का हवाला देते हुए इतिहास अध्ययन संस्थान से संबद्ध पुस्तकालय को बंद करने का फैसला लिया है। इस पुस्तकालय भवन में तमिल अध्ययन केंद्र खोला जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के पुस्तकालय को बंद करने के फैसले से छात्रों ने नाराजगी जताई है। छात्रों का कहना है कि जेएनयू में तमिल अध्ययन केंद्र खोलने के फैसला का स्वागत है, लेकिन उसकी जगह पुस्तकालय को बंद करने का फैसला बिल्कुल गलत है।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री ने दिल्ली के मोहल्ला क्लिनिक का दौरा किया

नई दिल्ली,4 अगस्त (देशबन्धु)। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडुराव ने शुक्रवार को पंचशील पार्क में स्थित आम आदमी मोहल्ला क्लिनिक का दौरा किया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली और कर्नाटक की सरकारें एक-दूसरे से काफी कुछ सीख सकती हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्री गुंडुराव के साथ दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज और कर्नाटक भवन के चिकित्सा अधिकारी कार्तिक भी थे। बयान के अनुसार, कर्नाटक के मंत्री ने क्लिनिक में उपलब्ध सुविधाओं को देखा और कर्मचारियों से बातचीत की। दिल्ली सरकार के मोहल्ला क्लिनिक हर गली-मोहल्ले में लोगों को सामान्य बीमारियों की जांच और इलाज की नि:शुल्क सुविधा मुहैया कराने के लिए अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा शुरू की गई महत्वाकांक्षी योजना का हिस्सा है। राव ने मोहल्ला क्लिनिक मॉडल की प्रशंसा की और कहा कि वे सुचारू ढंग से संचालित हो रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मैंने मोहल्ला क्लिनिक के बारे में बहुत कुछ सुना था और उन्हें देखना चाहता था। मैं जानना चाहता था कि वे (आप सरकार) स्वास्थ्य नीतियों को कैसे लागू करते हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत के राज्यों जैसे तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक में स्वास्थ्य हमेशा प्राथमिकता रहा है। हर राज्य में कुछ-ना-कुछ अच्छा है जिसे हम सीख सकते हैं। हमारे यहां इससे मिलता-जुलता कुछ हैञ हमारे यहां नाम्मा क्लिनिक हैं। हम देखना चाहते थे कि अपने तंत्र को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। भारद्वाज ने कहा कि गुंडुराव ने उन्हें बताया कि कर्नाटक के अस्पताल कितने अच्छे हैं। आप नेता ने कहा कि हम उनके राज्य का भी दौरा करेंगे। प्रत्येक राज्य को एक-दूसरे से सीखना चाहिए। उनके यहां आने से मैं बहुत खुश हूं। केजरीवाल ने एक ट्वीट में कहा कि कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री ने मोहल्ला क्लिनिक का दौरा किया। हम उनका और उनकी टीम का स्वागत करते हैं।

■ **स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने की शिरकत**

■ **नई दिल्ली स्थित एआईसीसी मुख्यालय में मोदी उपनाम मामले में राहुल गांधी को हुई सजा पर शीर्ष अदलात के रोक लगाने के फैसले पर खुशी जताते कांग्रेस कार्यकर्ता।**

फोटो इम्तियाज खान

जनहित के लिए समर्पित होगा मेरा कार्यकाल : नीरज तिवारी

तिवारी ने पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष का पदभार किया ग्रहण

नई दिल्ली,4 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष नीरज तिवारी ने प्रदेश कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। मोर्चा कक्ष में विधि-विधान से हवन और पूजा व मंत्रोच्चारण के साथ निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष कौशल मिश्रा ने इनको कुर्सी पर बिठाया। इसके पश्चात प्रदेश कार्यालय में ही अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। प्रदेश जिला व मंडल के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष नीरज तिवारी का स्वागत एवं अभिनंदन अंगवस्त्र व पुष्पगुच्छ देकर किया। पदभार संभालने के बाद प्रदेश अध्यक्ष नीरज तिवारी ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए मंडल स्तर तक निरंतर प्रवास कर कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करेंगे। और कार्यकर्ताओं को संगठन की रीति-नीति बताने के लिए प्रशिक्षित भी करेंगे। इसके अलावा बूथ जीता तो चुनाव जीता के मूल मंत्र को धरातल पर लागू करते हुए प्रत्येक बूथ पर मोर्चे की टीम खड़ी करेंगे। निवर्तमान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कौशल मिश्रा ने कहा कि पूर्वांचली सदैव राष्ट्र हित में काम करता है और दिल्ली को सजाने और संवारने में पूर्वांचल योगदान का अहम योगदान है।

द इंडिपेंडेंट वॉयस वेब पोर्टल हुआ लांच

नई दिल्ली,4 अगस्त (देशबन्धु)। निष्पक्ष, बेबाक और गुणवत्तापूर्ण खबरें पाठकों तक पहुंचाने के लिए द इंडिपेंडेंट वॉयस नाम से वेब पोर्टल लांच हुआ है। प्रेस क्लब आफ इंडिया में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार और डिजिटल मीडिया संपादक और पत्रकार एसोसिएशन महाराष्ट्र के अध्यक्ष राजा माने, वरिष्ठ पत्रकार कुमार पंकज और पोर्टल के मुख्य संपादक एडवोकेट अमोल आर पाटिल ने पोर्टल का लांच किया। इस अवसर पर एडवोकेट अमोल आर पाटिल ने वेबसाइट को शुरू किए जाने के उद्देश्यों के बारे में बताया।

पीपीएल इंडिया ने संजय टंडन को नियुक्त किया स्वतंत्र निदेशक

नई दिल्ली,4 अगस्त (देशबन्धु)। अस्सी साल पुरानी म्युज़िक लाइसेंसिंग कंपनी पीपीएल इंडिया जो कई भाषाओं में 4 मिलियन से अधिक डोमेस्टिक एवं इंटरनेशनल साउण्ड रिकॉर्डिंग्स को कंट्रोल करती है ने कॉपीराईट एडमिनिस्ट्रेशन के प्रख्यात व्यक्तित्व एवं इंडियन सिंगर्स राईट्स एसोसिएशन के मौजूदा सीईओ को स्वतन्त्र निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की है। वे पिछले 27 सालों से इंडस्ट्री में हैं और उन्होंने ही म्युज़िक इंडिया में कॉपीराईट के कलेक्टिव मैनेजमेन्ट की शुरूआत की थी। यह एक खास अवसर है, जो कलाकारों, संगीतज्ञों और म्युज़िक कंपनियों को एक ही मंच पर लाकर सभी हितधारकों के लिए एक समान वातावरण का निर्माण करेगा। इस नियुक्ति पर बात करते हुए श्री टंडन ने कहा की पीपीएल इंडिया के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में शामिल होते हुए मुझे बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। मेरा मानना है कि आपसी सहयोग, सूझ-बूझ एवं एकजुटता के साथ हम सब मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण कर सकते हैं, जो सभी हितधारकों को लाभान्वित करे। पीपीएल इंडिया के चेयरमैन मंदार ठाकुर ने कहा। इस भूमिका में संजय अपने सामरिक दृष्टिकोण और उद्योग जगत की चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए पीपीएल को संगीत कलाकार समुदाय को एक जुट करने और अनुपालन को सुनिश्चित करने में सक्षम बनाएंगे।

आयोजन *विद्यार्थियों के लिए दिल्ली विधानसभा में मॉडल यूनाइटेड नेशंस का हुआ आयोजन*

एएसओएसई के 180 छात्र प्रतिनिधियों ने लिया भाग

नई दिल्ली,4 अगस्त (देशबन्धु)। केजरीवाल सरकार द्वारा डॉ.बी.आर.अम्बेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस, ह्यूमैनिटीज के छात्रों के लिए दिल्ली विधानसभा में प्रथम 'मॉडल यूनाइटेड नेशंस' का आयोजन किया जा रहा है। इसमें 7 ह्यूमैनिटीज एएसओएसई के 180 छात्र प्रतिनिधियों ने भाग लिया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केजरीवाल सरकार के स्कूलों के छात्रों को उनके लीडरशिप, कम्युनिकेशन और सार्वजनिक पटल पर बोलने की क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के प्रति उनमें जागरूकता बढ़ाना है।

साथ ही उन्हें एक जिम्मेदार, सक्रिय ग्लोबल सिटिजन के रूप में तैयार करना है। शुक्रवार को शिक्षा मंत्री आतिशी व विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल की उपस्थिति में इस 2 दिवसीय मॉडल यूनाइटेड नेशंसकी शुरुआत की है। यहां विधानसभा अध्यक्ष व शिक्षा मंत्री ने छात्रों से बातचीत कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

एएसओएसई के छात्रों के लिए आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस को संबोधित करते हुए, शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा की दिल्ली विधान सभा, जहां दिल्ली के लोगों से जुड़े सभी महत्वपूर्ण निर्णय जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधि लेते है, यहां सेंट्रल हॉल में बतौर मॉडल यूनाइटेड नेशंस के प्रतिनिधियों के रूप में दिल्ली सरकार के स्कूलों के बच्चों का बैठना उनके जीवन के सबसे महत्वपूर्ण और यादगार पलों में से एक है। ऐसे में हमारे छात्रों के लिए दिल्ली

■ **विधानसभा स्पीकर व शिक्षा मंत्री ने मॉडल यूनाइटेड नेशंस में शामिल होकर छात्रों को किया प्रोत्साहित**

विधानसभा में इन कुर्सियों के महत्व को समझना महत्वपूर्ण है क्योंकि जब हम यहां बैठते हैं, तो हम लाखों लोगों के हितों और कल्याण का प्रतिनिधित्व करते हैं। हम यहां जो भी चर्चा करते हैं उसका दिल्ली में रहने वाले असंख्य लोगों के जीवन पर प्रभाव पड़ता है। तो बतौर मॉडल यूनाइटेड नेशंस के प्रतिनिधि के रूप में हमारे छात्रों को यहां से मिला अनुभव उनमें समाज-देश और विश्व के लिए जिम्मेदारी का भाव पैदा करेगा। चर्चा के दौरान, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष राम निवास गोयल ने छात्रों को दिल्ली विधानसभा के इतिहास और कार्यों से परिचित करवाया और छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि मॉडल यूनाइटेड नेशंस जैसे कार्यक्रमों में भाग लेने से छात्रों के सोचने की क्षमता का विस्तार होगा और ये उन्हें एक सशक्त और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए भी तैयार करेगा। मॉडल यूनाइटेड नेशंस की चर्चाओं में हमारे छात्रों की भागीदारी उनमें लोकतांत्रिक मूल्यों को विकसित करेगी, जिसके माध्यम से वो समाज के भविष्य को आकार देने में सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे।

चौ. जुबैर अहमद ने चौहान बांगर स्कूल की लाइब्रेरी का किया निरीक्षण

नई दिल्ली,4 अगस्त (देशबन्धु)। चौहान बांगर वार्ड 227 से पार्षद शगुफ्ता चौधरी जुबैर के प्रयासों से जहां एक ओर वार्ड में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर वार्ड में सुधार और शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वार्ड के एमसीडी स्कूलों का पार्षद शगुफ्ता चौधरी के पति और बाबरपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी जुबैर अहमद ने एमसीडी स्कूल की लाइब्रेरी का निरीक्षण किया। स्कूल में सबमर्सिब पंप अचानक खराब हो गया था जिस की वजह से पानी की परेशानी हो गई थी। सूचना मिलते ही जुबैर अहमद ने उसे ठीक कराने के लिए प्लंबर को बुलाया। निरीक्षण के दौरान जुबैर अहमद को देखकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। शिक्षा के बारे में बात करते हुए स्कूल के शिक्षकों ने कहा कि बच्चों में सीखने की बहुत लगन है और बच्चों को शिक्षा से संबंधित पाठ अच्छे से याद रहते हैं। इस मौके पर डेली गेट सैयद नासिर जावेद ने कहा कि चौधरी जुबैर अहमद ने शिक्षा को लेकर जो तेहरीक शुरू की है, उससे इलाके के बच्चों को शिक्षा में मदद मिलेगी। इस अवसर पर सैयद नासिर जावेद, जर्रार अहमद, शफीक खान मीनू,नवाबुद्दीन, शादाब मामा, आशीष शर्मा, असद साहब आदि मौजूद थे।

कैपिटल ज़ोन

उवाच "नोएडा शहर में बिजली की समस्या लगातार बढ़ रही है ऐसे में बिजली आपूर्ति में सुधार के लिए प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने की तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हल्की सी बरसात या हवा चलने पर बिजली की आपूर्ती बंद कर दी जाती है। थोड़ी सी आंधी चलने से तार टूट जाते हैं। जिससे सेक्टरों में घंटो बिजली की आपूर्ती बंद रहती है।

– योगेन्द्र शर्मा

भंगेल एलिवेटेड का बजट तय करने के मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

■ जिस समय बनी डीपीआर उन अधिकारियों को चिन्हित करने के निर्देश ■ करीब 150 करोड़ लागत बढ़ने से एलिवेटेड रोड का निर्माण है बंद

नोएडा, 4 अगस्त (देशबन्धु)। भंगेल एलिवेटेड रोड का बजट तय करने के मामले में लापरवाही बरतने वाले नोएडा प्राधिकरण व सेतु निगम के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। सीईओ ने एलिवेटेड रोड का काम शुरू होते समय जो दोनों विभागों में जो अधिकारी कार्यरत थे, उनको चिन्हित करने के निर्देश दिए हैं। एलिवेटेड रोड का काम जल्द शुरू कराने की तैयारी है।

सेतु निगम की ओर से करीब 150 करोड़ रुपए की लागत बढ़ाने से इन दिनों एलिवेटेड रोड का काम बंद पड़ा हुआ है। अभी तक इस एलिवेटेड रोड का बजट 468 करोड़ रुपए है। बुधवार को इस एलिवेटेड रोड का सीईओ डॉ. लोकेश एम ने जायजा लिया था। इसके बाद सीईओ की ओर से बनाई गई कमेटी की गुरुवार को प्राधिकरण कार्यालय में बैठक हुई। कमेटी में एनएएचआई, पीडब्लूडी, कंसल्टेंट व प्राधिकरण के अधिकारी मौजूद थे।

> एलिवेटेड रोड का काम शुरू कराते समय बजट का सटीक आंकलन करने को लेकर नोएडा प्राधिकरण व सेतु निगम स्तर पर लापरवाही बरती गई। इसके लिए संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। कोशिश है कि जल्द काम शुरू करा एलिवेटेड रोड पर सीधे बरौला से फेज टू तक आने-जाने का रास्ता शुरू कराया जाए। लूप बाद में बनाए जा सकते हैं।
>
> **डॉ. लोकेश एम, सीईओ, नोएडा प्राधिकरण**

बैठक में सामने आया कि एलिवेटेड रोड के डिजाइन और टेंडर लागत में शुरूआत से ही अंतर था लेकिन इसका आंकलन करने में प्राधिकरण और सेतु निगम, दोनों स्तर पर लापरवाही बरती गई। आईआईटी दिल्ली से मंजूर हुए डिजाइन में 31 हजार मेट्रिक टन स्टील की बात कही गई थी लेकिन एक दूसरे पत्र में 20 हजार मेट्रिक टन स्टील की भी बात कही थी। इसके अलावा एलिवेटेड रोड का टेंडर 20 हजार मेट्रिक टन के हिसाब से किया गया।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि कुछ और ऐसी चीजें सामने आई हैं जिनमें एलिवेटेड रोड का काम शुरू करते समय बजट को लेकर गंभीरता नहीं बरती गई। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण के साथ-साथ सेतु निगम भी जिम्मेदार है। ऐसे में एलिवेटेड रोड के लिए टेंडर जारी करने से लेकर काम शुरू होते समय प्राधिकरण-सेतु निगम के जो इस अधिकारी कार्यरत है, उनकी जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि एलिवेटेड रोड का काम जल्द शुरू कराया जाएगा।

सीईओ की आपत्ति, वर्षा जल के नालों में कहां से आ रहा काला व बदबूदार पानी

नोएडा, 4 अगस्त (देशबन्धु)। प्राधिकरण के जल खंड की ओर से तीन सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) संचालित हो रहे है, जिसमें सीवेज का पानी शोधित किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में शहर के अंदर से गुजरने वाला कोंडली व शाहदरा नालों में कहां से काला पानी आ रहा है, जो इतना बदबूदार है। जिसके आस पास रहने वाले लोगों को दिक्कत हो रही है। इस पानी को कैसे यमुना की ओर जाने दिया जा रहा है। इस पर अब तक अंकुश लगाने का प्रयास नोएडा प्राधिकरण की ओर से क्यों नहीं किया गया, जबकि यह वर्षा जल के नाले है। जिसमें काला पानी बिल्कुल नहीं बहना चाहिए। यह आपत्ति नोएडा प्राधिकरण सीईओ डॉ. लोकेश एम ने उठाई है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि नाले में किसी प्रकार से काला पानी नहीं दिखना चाहिए। यदि काला पानी दिखा तो निश्चित तौर पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई होगी। नाले के अंदर कही से भी काला पानी आ रहा है, उसको सीधे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) में ले जाकर शोधित किया जाए। उसके बाद इसका इस्तेमाल पूरी तरह से सिंचाई कार्य में हो, जरूरत पड़ने पर ही शोधित जल को नालों में छोड़ा जाए। संबंधित अधिकारियों से जब बदबू और काले पानी के बारे में पूछा तो बताया गया कि नोएडा के सेक्टरों के किनारे या बीच में नाले गुजर रहे है, यह नाले दिल्ली तरफ से आ रहे है। इस पर उन्होंने स्पष्ट किया कि मैं जिस गेस्ट हाउस में ठहरा हूं। उसके दूर-दूर तक नाला ही नहीं है तो यहां बदबू कहां से आ रही है, ऐसी स्थिति कैसे उत्पन्न हुई है। इसकी पड़ताल कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बता दें कि कोंडली नाले की क्षमता 3300 क्यूसेक है, जिसमें केवल वर्षा जल ही डाला जा सकता है। वाटर डेफ्ट 2.65 मीटर है, लेकिन नोएडा प्राधिकरण के सभी नाले वाटर डेफ्ट से नीचे है, इसलिए वर्षा या फ्लड के दौरान उनके नाले बैकफ्लो करते है। पिछले चार वर्ष से कोंडली नाले की सफाई नहीं कराई गई है। इसलिए इसका टोटल सस्पेंडेड सालिड (टीएसएस) 1500 के पार चल रहा है, जो नाले में काला पानी के रूप में बहते हुए बदबू फैला रहा है।

प्राधिकरण के सीएफओ हो सकते हैं निलंबित

■ सीईओ ने एसीईओ को किया निर्देशित, संतोषजनक नहीं मिला जवाब

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी (सीएफओ) ने 200 करोड़ एफडी फर्जीवाड़ा मामले में सीईओ को जवाब दे दिया है। उन्होंने खुद को पाक साफ बताते हुए एफडी के लिए पूरी प्रक्रिया के तहत ही काम किए जाने की बात कही है। हालांकि इस जवाब से सीईओ लोकेश एम संतुष्ट नजर नहीं आए। पूरे प्रकरण की जांच एसीईओ मानवेंद्र कर रहे है। उनकी जांच रिपोर्ट में भी सीएफओ पर पूरा संदेह है। उन्होंने इस मामले में कई अनिमितता बरती। बिना सोचे समझे और बिना जांच पड़ताल किए ही इस प्रकरण से जुड़े प्राधिकरण कई दस्तावेज कथित बैंक अधिकारी को उपलब्ध कराए। इसकी जानकारी अपने सीनियर अधिकारियों को भी नहीं दी गई। अब इस मामले में सीएफओ पर एक्शन लेने की तैयारी हो चुकी है। उन्हें निलंबित किया जाएगा साथ ही शासन को इससे संबंधित रिपोर्ट भी भेजी जाएगी। सीईओ लोकेश एम ने बताया कि कार्रवाई की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए एसीईओ को निर्देशित किया गया है। दरअसल, अलग-अलग बैंकों में 400 करोड़ रुपए की एफडी कराने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने 13 जून को सभी बड़े बैंक को पत्र जारी किया था। यह एफडी एक साल एक दिन के लिए की जानी थी। प्रक्रिया के तहत 15 जून को मुख्य वित्त नियंत्रक मनोज कुमार सिंह के दफ्तर में दोपहर करीब 3 बजे बिड प्रक्रिया हुई। अलग-अलग बैंक की तरफ से ब्याज दर को लेकर भेजे गए सील बंद लिफाफे खोले गए। इसमें यूनियन बैंक, केनरा बैंक ने सबसे अधिक ब्याज दर बताई। बैंक ऑफ इंडिया के आए प्रतिनिधियों ने पहले तो इंकार कर दिया लेकिन कुछ देर बाद 7.66 ब्याज दर पर एफडी किए जाने का प्रस्ताव दिया। चर्चा है कि उसी दिन जो बाद में बैंक प्रतिनिधि बनकर आए वे जालसाज थे। हालांकि इस मामले में बैंक ने प्राधिकरण के 200 करोड़ रुपए वापस कर दिए है।

सार संक्षेप

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का मनाया जश्न

नोएडा। सेक्टर-8 में सभी नोएडा के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं व नेताओं ने कहा कि आज बहुत ही खुशी का दिन है। लोकतंत्र की जीत हुई है, संविधान की जीत हुई है मैं सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करता हूं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिनेश अवाना ने कहा कि राहुल गांधी सत्यम जयते, नफरत की दुकान पर मोहब्बत की दुकान की जीत, झुक नहीं सकता झूट के सामने और नफरत की सामने, सभी कार्यकर्ताओं से अपील, 2024 की तैयारी करो, नोएडा कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष शहाबुद्दीन ने कहा कि जननायक राहुल गांधी पर मानहानि के मुकदमे में सुप्रीम कोर्ट ने जो न्यायपूर्ण फैसला दिया है वो स्वागतयोग्य है। जिला चेयरमैन जावेद खान ने कहा कि यह सच्चाई एवं न्याय की जीत है। इस मौके पर मुख्य रूप से दिनेश आबाना, शहाबुद्दीन, जावेद खान, प्रवेज, मोहम्मद चांद, आर एल शर्मा, प्रेम शाह, विनोद शाह, इकरार नवी, सलमान, रिशू, सरवन यादव व अन्य लोग मौजूद रहे।

बरसात में छत का हिस्सा गिरा, कोई हताहत नहीं

बुलन्दशहर। शुक्रवार की सुबह बरसात में गुलावठी कोतवाली क्षेत्र के गांव खुशहालपुर में एक मकान की छत का कुछ हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा। गनीमत रही की कोई हताहत नहीं हुआ। गांव खुशहालपुर निवासी मुकेश मोदी पुत्र राजवीर ने बताया कि बारिश में उनके मकान की छत का कुछ हिस्सा अचानक भरभराकर गिर पड़ा। हादसे के थोड़ी देर पहले ही वह अपने घर से बच्चों के साथ दूसरे घर में चले गए थे। इस कारण कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि पीड़ित का काफी आर्थिक नुकसान हो गया है। बरसात में मकान की छत का हिस्सा गिरने से घर का काफी हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। ग्राम प्रधानपति ओमपाल मोदी ने बताया कि उनके गांव निवासी मुकेश मोदी का गांव में पैतृक आवास है। मकान की छत में लकड़ी की कड़ियां डली हुई थी। बरसात में मकान की छत का हिस्सा अचानक भरभराकर गिर पड़ा। अब वह मकान रहने योग्य नहीं है। पीड़ित मुकेश मोदी ने आर्थिक मुआवजे की गुहार की है।

रोडरेज में युवक और महिला मित्र को पीटा

नोएडा। सेक्टर-62 में अपनी महिला मित्र को उसके घर छोड़ने जा रहे युवक को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। युवक ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने अपने दोस्तों को बुलाकर उसे और उसकी महिला मित्र से मारपीट की और भाग गए। पीड़ित ने इस मामले में सेक्टर-58 थाने में शिकायत दी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। खोड़ा निवासी राजन राज ने पुलिस को शिकायत दी कि वह तीन अगस्त की दोपहर में अपनी महिला मित्र को बाइक से लेकर छिजारसी स्थित उसके घर छोड़ने जा रहा था। सेक्टर-62 स्थित इंडस वैली स्कूल के सामने बाइक पर सवार होकर आए आरिफ अली ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इस घटना में वह और उनकी मित्र बाइक से नीचे गिर गई। इससे दोनों चोटिल हो गए। उन्होंने जब विरोध किया तो आरोपी आरिफ अली ने फोन करके अपने छह-सात दोस्तों को वहां बुला लिया। इन लोगों ने राजन और उसकी दोस्त के साथ मारपीट शुरू कर दी। लोगों के आने के बाद आरोपी भाग गए। थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल की सदस्यता बहाली पर खुशियां मनाई

गाजियाबाद, 4 अगस्त (देशबन्धु)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की संसद की सदस्यता को बहाल करने की खुशी में महानगर कांग्रेस कमेटी गाजियाबाद के घंटाघर कंपनी बाग कार्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खुशी में लड्डू बांटे, बम पटाखे छोड़े। सभी ने कोर्ट के फैसले की तारीफ की एक दूसरे को बधाई दी और एक दूसरे को मिठाई खिला कर खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष लोकेश चौधरी ने कहा कि आज उच्चतम न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी की साजिश का पर्दाफाश कर दिया है। जिस तरह से सत्ता के नशे में चूर भारतीय जनता पार्टी गांधी परिवार जिसका इतिहास देश की खातिर कुर्बानियों से भरा पड़ा है उसे अनर्गल बेबुनियाद फर्जी मुकदमों में फंसाने का काम कर रही है। लेकिन न्याय अभी जिंदा है ये झूठ पर सत्य की जीत है इस अवसर पर प्रमुख रूप से ओम दत्त

■ हिंदुस्तान में संविधान जिंदा है : लोकेश चौधरी

गुप्ता उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी पुष्पा रावत पूर्व मेयर प्रत्याशी, हाजी लियाकत जिला अध्यक्ष पूर्व, मोहम्मद कासिम, महेश चंद उपाध्याय कुणाल ढींगरा, इस्माइल खान, धीरेंद्र ध्यानी, श्री चंद दिवाकर, आशीष प्रेमी, आशुतोष गुप्ता, शाक्य, रितेश कसाना, अरविंद वर्मा, अविनाश मेहता, अशोक कुमार एडवोकेट शकील अहमद, राधेश्याम मिश्रा, सविता गौतम, ओपी चौधरी, महिंद्र गौतम, राकेश जाटव आदि सैकड़ों लोग शामिल थे।

बिजली समस्या को लेकर फोनरवा ने की अधिकारियों के साथ बैठक

नोएडा, 4 अगस्त (देशबन्धु)। शहर की बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने को लेकर फेडरेशन ऑफ नोएडा रेसिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) ने यूपीपीसी के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में अधीक्षण अभियंता संजीव वैश्य, सभी अधिशाषी अभियंता, एसडीओ एवं 60 से अधिक आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी उपस्थित थे। ज्यादातर सेक्टरों के पदाधिकारियों की शिकायत थी कि उनके यहां ट्रांसफार्मर, लाइन, जंग खाए हुए खंभे, बेकार फीडर जंक्शन/पैनल बॉक्स, मीटर बॉक्स आदि की हालत काफी खराब है। अभी हाल ही में सेक्टरों में कुछ कार्य हुए हैं लेकिन अभी बहुत से कार्य होने

बाकी हैं। सबसे अधिक समस्या सेक्टरों में आये दिन घरों में फ्लकचुएशन होना है जिसके कारण लोगों के घरों के उपकरण फुंक रहे हैं। इसके अलावा सेक्टरों में बिजली की आपूर्ति लम्बे समय के लिए अवरुद्ध रहती है। बार-बार बिजली का जाना आदि समस्याओं से अवगत कराया गया। योगेन्द्र शर्मा ने बताया कि नोएडा शहर में बिजली की समस्या लगातार बढ़ रही है ऐसे में बिजली आपूर्ति में सुधार के लिए प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने की तत्काल आवश्यकता है। अधीक्षण अभियंता संजीव वैश्य ने बताया की वर्ष 2023-24 के लिए हमें 26 करोड़ रुपए का फंड मिला था। इसके अंतर्गत सेक्टर में पैनल बॉक्स, पुराने खंबे, मीटर बॉक्स, एलटी लाइन व एसीबी, एलटी एक्सएलपीई केबल को बदलना आदि कार्य किए जा रहे है। लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है बाकी दो महीने में पूरा कर लिया जाएगा।

दो गौकश मुठभेड़ में गिरफ्तार, पुलिस की गोली से हुए घायल

गाजियाबाद, 4 अगस्त (देशबन्धु)। थाना लोनी पुलिस गुरुवार की रात में पुलिस मुठभेड के दौरान दो गौकश गिरफ्तार किए हैं। मुठभेड़ में चली पुलिस की गोली से दोनों बदमाश घायल हो गए हैं। दोनों ही गौकश मझोला मुरादाबाद के निवासी हैं और दोनों के विरुद्ध करीब एक दर्जन अभियोग मुरादाबाद, बिजनौर, बुलंदशहर में गौकशी व गैंगस्टर आदि के पंजीकृत हैं। उनके कब्जे से दो तमंचे व गौकशी करने के उपकरण भी बरामद हुए हैं।

एसीपी रजनीश उपाध्याय ने बताया कि गुरुवार की रात को लोनी पुलिस बंथला क्षेत्र में जांच कर रही थी। मुखबिर खास सूचना मिली कि दो गौकश चिरोड़ी की तरफ से बंथला की तरफ नहर रास्ते आने वाले है इस सूचना पर चिरोड़ी बंथला नहर पर जांच लगाई गई। कुछ समय बाद चिरोड़ी की तरफ से एक बाइक पर सवार संदिग्ध दो व्यक्ति आते दिखाई दिए। जिन्हें पुलिस ने रुकने का इशारा किया गया तो दोनों बाइक सवार नहीं रुके और अपनी बाइक पीछे मुड़कर पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से फायर करने लगे। पुलिस पार्टी ने जवाबी कार्रवाई में फायरिंग की। जिससे दोनो बदमाश घायल हो गए। मौके से दोनों बाइक सवार गौकशों को पकड़ लिया गया पकड़े गए दोनों बाइक सवार गौकशों ने अपने नाम जावेद कमरुद्दीन दूसरे ने अपना नाम अनस निवासी पीर का बाजार करूला थाना मझोला मुरादाबाद बताया। दोनों के कब्जे से एक बिना नंबर प्लेट की बाइक, अवैध असलाह व गौकशी करने के उपकरण बरामद हुए घायल गोकशों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया

शिप्रा कृष्णा विस्टा इंदिरापुरम में बंदरों के बढ़ते आतंक से लोग परेशान

गाजियाबाद, 4 अगस्त (देशबन्धु)। पिछले कई महीनो से शिप्रा कृष्णा विस्ता में बंदरों के आतंक के घटना निरंतर बढ़ती जा

नहीं हो रहा समस्या का समाधान

रही हैं बंदरों के आतंक की शिकायतें सोसाइटी के रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन, नगर प्रशासन पालिका और स्थानीय निगम पार्षद वार्ड नंबर 98 के डॉ. अनिल तोमर को लगातार की जा रही हैं। लेकिन किसी भी स्तर पर इस समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। सोसाइटी में बंदरों की टोलियां घरों में घुस कर घर में

रखा खाने का सामान उठा कर ले जाती हैं। निवासियों को अपनी सुरक्षा हेतु गलियारों में आने जाने के लिए छड़ी लेकर चलना पड़ रहा है, इस कारण सोसाइटी में लोगो का निकलना मुश्किल हो रहा है और निवासी घरों में कैद होने को मजबूर हो गए हैं।

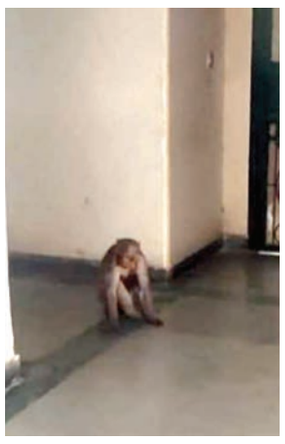

सोसाइटी के ई ब्लॉक के निवासी ने बताया कि कल शाम करीब 5 बजे छत के रास्ते 11वीं मंजिल से हमारे घर में दो बंदर के अंदर आये। और यह मेरे लिये बहुत ही चिंताजनक मामला है क्योंकि हमारे घर में एक शिशु और एक बूढ़ी महिला रहती है और यह हमारे परिवार लिए खतरनाक हो सकता था। यदि इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया इस तरह की घटना सोसाइटी में रहने वाले अन्य के लिए खतरनाक हो सकता है।

युवा पीढ़ी में बहुत भटकाव आ रहा है : रामभद्राचार्य

नोएडा, 4 अगस्त (देशबन्धु)। नोएडा में राककथा कर रहे जगतगुरू रामभद्राचार्य महाराज उद्योगपति पीयूष द्विवेदी के आवास पर पहुंचे। महाराज के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्री

■ जगतगुरू रामभद्राचार्य ने कहा, सभी माता पिता बच्चों को सनातन परंपरा के मार्ग पर चलने की सीख दे

चित्रकूट तुलसी पीठाधीश्वर महाराज ने कहा कि भगवान राम विश्व के मूल में भगवान राम है। वहीं सबके कर्ताधर्ता हैं। उनके नाम के स्मरण से ही जीवन का उद्धार हो जाता है। रामकथा सुनने से बचपन श्रेष्ठ बनता है। युवा अवस्था शुद्ध होती है।

हर किसी को भगवान राम नाम का सुमिरन करना चाहिए। वर्तमान में हमारी युवा पीढ़ी में बहुत भटकाव आ रहा है। हम अपने मूल से भटक रहे हैं। अपने

अराध्य और धार्मिक ग्रंथों के अध्ययन से दूरी बना रहे हैं। सब को हिंदू धर्म ग्रंथों को बढ़ते हुए उनके मर्म को अपने जीवन में उतारना जरूरी है। हमारी संस्कृति और समाज पर लगातार हमले हो रहे हैं। विधर्मी हमारी बहन-बेटियों को फंसा रहे हैं। यह हमारे मूल्यों गिरावट का कारण हैं।

सभी माता-पिता अपने बच्चों को पाश्चात्य संस्कृति से बचाते हुए सनातन परंपरा के मार्ग पर चलने की सीख दें। अगर हिंदू संगठित रहेगा और सनातन के पथ पर चलेगा तो भारतीय संस्कृति और परंपराओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता है। अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर निर्माण का निर्माण हिंदुओं की संकल्प सिद्धि का उदाहरण हैं।

डॉ. पीयूष द्विवेदी ने कहा कि यह उनके जीवन की एक बड़ी उपलब्धि है। इसके आगे सारी उपलब्धियां फीकी है। बड़ी संख्या में शहर व सोसायटी के लोग महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे। इस मौके पर संगीता द्विवेदी, आयुष द्विवेदी, रजन तिवारी, रमेश अवस्थी, महाराज के मीडिया प्रभारी शांतनु शुक्ला, रवि मिश्रा, नरेंद्र चोपड़ा, पूर्व आईएएस देवदत्त शर्मा, विनोद गुप्ता, विनोद पांडेय, मंजेश श्रीवास्तव, दया यादव, प्रवीण ठाकुर, मृत्युंजय कुमार, संजय दुबे, सत्येंद्र चौहान समेत अन्य लोगों मौजूद रहे।

लिफ्ट में हादसा जिम्मेदार कौन..

पांच साल पहले शासन को एप्रूवल के लिए भेजी थी फाइल

नोएडा, 4 अगस्त (देशबन्धु)। नोएडा-ग्रेटर नोएडा में स्थित सोसाइटियों में आए दिन हो रहे लिफ्ट से संबंधित हादसे हो रहे हैं। इसके बावजूद लिफ्ट एक्ट फाइलों में धूल फांक रहा है। नोएडा प्राधिकरण की तरफ से लिफ्ट एक्ट लागू करने के लिए एक प्रस्ताव करीब पांच साल पहले शासन को भेजा गया था, जो अभी तक मंजूरी के इंतजार में हैं। ऐसे में लिफ्ट से संबंधित कोई हादसा होने पर प्राधिकरण अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है।

पिछले कुछ सालों में हादसों को देखते हुए नोएडा प्राधिकरण ने लिफ्ट एक्ट तैयार करने की योजना तैयार की थी। एक्ट को लागू करने के लिए वर्ष 2015 में फाइल तैयार की गई। इसे शासन को भेजा गया। इसके बाद वर्ष 2018 में संशोधन कर दोबारा फाइल को मंजूरी के लिए शासन को भेजा गया। लेकिन अभी तक एक्ट पर शासन से मंजूरी नहीं मिली है। इसके बाद एक बार और रिमांइडर भेजा गया था। खास बात यह है कि शहर की एओए व आरडब्ल्यूए कई सालों से लिफ्ट एक्ट की मांग प्राधिकरण से करते आ रहे हैं। कुछ खरीदारों के संगठनों ने मुख्यमंत्री से भी मांग

> सोसाइटियों में लिफ्ट को लेकर प्राधिकरण की क्या भूमिका है, इसका पता लगा रहे हैं। अपार्टमेंट एक्ट को लेकर भी अधिकारियों से जानकारी मांगी गई है। कोई भी नियम बनने तक बिल्डर व एओए के माध्यम से सभी जरूरी सुविधाओं को सख्ती से बेहतर कराया जाएगा। पारस टीरिया सोसाइटी में टीम भेजकर लिफ्ट व्यवस्था को ठीक कराया जाएगा।
>
> **डॉ. लोकेश एम, सीईओ, नोएडा प्राधिकरण**

कर रखी है। सोसाइटियों के लिए अभी तक स्ट्रक्चरल ऑडिट पॉलिसी लागू की गई है लेकिन इस पॉलिसी में लिफ्ट का कोई प्रावधान नहीं है। स्ट्रक्चरल ऑडिट पॉलिसी भी अभी तक धरातल पर नहीं उतरी है। खास बात यह है कि अभी प्राधिकरण सोसाइटी का अधिभोग प्रमाण पत्र जारी करते समय लिफ्ट लगी है या नहीं, इसको देखते हैं। लिफ्ट को लेकर बिल्डर से विद्युत सुरक्षा निदेशालय का पत्र ले लेते हैं। इसके बाद उसके मेंटीनेंस की जिम्मेदारी बिल्डर या एओए की होती है, प्राधिकरण कुछ जानकारी भी नहीं लेता। इस बारे में नोएडा प्राधिकरण के सीएपी इश्तियाक अहमद का कहना है कि लिफ्ट एक्ट का प्रस्ताव शासन को भेजा हुआ है। अभी मंजूरी नहीं मिली है।

लिफ्ट एआरडी न होने से भी हो रहे हादसे

लिफ्ट में हो रहे हादसों को रोकने के लिए इलेक्ट्रिकल और मैनटेनेंस विभाग की ओर से वर्ष 2015 में सभी लिफ्टों में ऑटोमेटिक रेस्क्यू डिवाइस लगाना अनिवार्य कर दिया गया था। बिना इसके लगाए बिल्डर कंपलीशन सर्टिफिकेट हासिल नहीं कर सकता है लेकिन प्राधिकरण से यह चोरी-छिपे हो जाता है। ये एक ऐसी डिवाइस है जो लिफ्ट को गिरने से रोकती है। यदि लिफ्ट का सॉफ्टवेयर फेल हो जाए तो ये डिवाइस दो फ्लोर के बीच लगी होती है जो ऑटोमेटिक नजदीक के फ्लोर पर जाकर खुल जाएगी।

गुजरात और हरियाणा में लागू है एक्ट

गुजरात और हरियाणा में लिफ्ट एक्ट लागू है। जो नियम वहां लागू हैं और कुछ नए बिंदु जोड़कर शासन को भेजे गए। प्राधिकरण अधिकारी भी मानते हैं कि यहां पर भी लिफ्ट के हादसों को लेकर जबावदेही तय होनी जरूरी है।

लिफ्ट एक्ट में हो सकते हैं ये नियम

- >>>प्रत्येक सोसाइटी में एक इंजीनियर की नियुक्त करना होगा। लिफ्ट खराब होने या बंद होने पर वह तत्काल इसे ठीक कर सके।
- >>>लिफ्ट कर वार्षिक मेनटेनेंस एग्रीमेंट लिफ्ट लगाने वाली कंपनी से बिल्डर या एओए को करना होगा।
- >>>लिफ्ट की फ्रीक्वेंसी कितनी है यानी कितनी बार ऊपर नीचे जाती है इसकी रिपोर्ट देनी होगी।
- >>>लिफ्ट मेंटेनेंस कैसे और कौन सी कंपनी करेगी। एक रिपोर्ट प्राधिकरण में देनी होगी। जिसे प्राधिकरण के इंजीनियर या चयन की गई कंपनी सत्यापित करेगी।
- >>>कितने साल बाद इसमें बदलाव करना होगा।
- >>>एक हाइराइज इमारत में कितने वेट और क्षमता की लिफ्ट लगेगी।

एफआर लगाने के मामले में चार लाख की रिश्वत मांगने के मामले में दरोगा निलंबित

गाजियाबाद, 4 अगस्त (देशबन्धु)। मसूरी थाने में तैनात एक दरोगा को धोखाधड़ी के मामले में दर्ज एफआईआर में एफआर लगाने नाम पर चार लाख की रिश्वत मांगने के आरोपी दरोगा को सस्पेंड कर दिया गया है। इस मामले में दरोगा द्वारा एक फैक्टरी के प्रतिनिधि के साथ रिश्वत मांगने का ऑडियो भी शिकायतकर्ता ने पुलिस के बड़े अधिकारियों को सौंप दिया है। हापुड़ के कारोबारी उमेद ने मसूरी थाने में मीट कारोबारी की पत्नी व बेटे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया था कि यह लोग 59 लाख रुपए उसके वापस नहीं कर रहे हैं। इस मामले की विवेचना मसूरी थाने में तैनात दरोगा रणविजय को सौंपी गई थी। रणविजय और इस फैक्ट्री के प्रतिनिधि ने मामले में एफआर लगाकर खत्म

करने की बात हुई। जिसकी एवज में दरोगा ने चार लाख रुपए की रिश्वत मांगी। इसी को लेकर प्रतिनिधि और दरोगा के बीच फोन पर बात हुई और 25 दिन में इसका ऑडियो बनाकर पुलिस के उच्च अधिकारियों को शिकायत कर दी। जिसके बाद प्रारंभिक जांच पड़ताल के बाद दरोगा को सस्पेंड कर दिया गया है साथी उसके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं। डीसीपी ग्रामीण विवेक कुमार यादव ने बताया कि मामले की विभागीय जांच की जा रही है। दरोगा पर मुकदमा भी दर्ज किया गया है।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

समिति अब तक 700 प्रकरणों पर सुनवाई भी कर चुकी है, शेष प्रकरणों पर सुनवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि दोबारा सुनवाई करने पर भी लीज बैक के प्रकरणों में पूर्व में लिए ज्यादातर निर्णय सही प्राप्त हो रहे हैं। प्राधिकरण बोर्ड भी इन पर मुहर लगा चुका है।

आनंद वर्धन, समिति अध्यक्ष

इंडिया एक्सपोमार्ट ने ग्रेनो प्राधिकरण के सीईओ को सौंपा लाभांश का चेक

ग्रेटर नोएडा, 4 अगस्त (देशबन्धु)। इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड के अध्यक्ष राकेश कुमार ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी(सीईओ) रवि कुमार एनजी को वर्ष 2022-23 के लिए अंतरिम लाभांश के रूप में 20,01,302 रुपए का चेक प्रदान किया। जीएनआईडीए एक्सपो मार्ट के एसपीवी हितधारकों में से एक है। इस अवसर पर अमित मोहन प्रसाद, अपर मुख्य सचिव एमएसएमई विभाग, सौम्य रंजन श्रीवास्तव, सीईओ जीएनआईडीए मौजूद रहे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारी

अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रकाश ने किया दौरा

- आगामी 21 सितम्बर से 25 सितम्बर तक यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का होगा आयोजन
- इंडिया एक्सपो मार्ट में तैयारियों को लेकर की समीक्षा बैठक

ग्रेटर नोएडा, 4 अगस्त (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध नगर के इंडिया एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में आगामी 21 सितम्बर से 25 सितम्बर 2023 तक यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो होना प्रस्तावित है, जिसको लेकर शुक्रवार को उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने इंडिया एक्सपो में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो बहुत ही बड़ा कार्यक्रम है और यह जनपद का सौभाग्य है कि इतना बड़ा इवेंट गौतम बुद्ध नगर में होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में देश एवं विदेश के वीवीआइपी, निवेशकों, उद्यमियों, एंटरप्रेन्योर्स आदि के द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। इसलिए संबंधित अधिकारीगण आने वाले देश एवं विदेश के मेहमानों के रहन सहन, स्वास्थ्य, ट्रैवलिंग, खानपान तथा उनकी सुरक्षा से संबंधी सभी तैयारी समय रहते पूर्ण करने लें और उनको सभी सुविधाएं मानकों के अनुरूप गुणवत्ता के साथ उपलब्ध कराई जाए, ताकि जब वह यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो समाप्त होने के बाद अपने देश लौटे तो देश व प्रदेश को लेकर एक अच्छा संदेश अपने साथ लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि समस्त संबंधित अधिकारीगण इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की महत्ता एवं गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए सभी संबंधित अधिकारियों के द्वारा अपने-अपने स्तर की तैयारियां समय रहते युद्ध स्तर पर पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो को लेकर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी गण आपसी सामंजस्य स्थापित करते हुए कार्यक्रम को पूर्ण रूप से सफल बनाने की कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे एवं यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो को लेकर व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार भी सुनिश्चित कराया जाए। बैठक में एडिशनल कमिश्नर इंडस्ट्रीज उत्तर प्रदेश राजकमल यादव, मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रेटर नोएडा, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, एसीईओ यीडा कपिल सिंह, ओएसडी यीडा शैलेंद्र कुमार भाटिया, एसीपी ग्रेटर नोएडा अरुण कुमार, उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार एवं संबंधित अधिकारियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

ग्रेनो के सेक्टर व मुख्य मार्गों की बदलेगी सूरत

- ग्रेनो प्राधिकरण सड़कों को दुरुस्त करने पर खर्च करेगा करीब 32 करोड़

ग्रेटर नोएडा, 4 अगस्त (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर की आंतरिक सड़कों और मुख्य मार्ग की सूरत बदलेगी। प्राधिकरण ने सड़कों को दुरुस्त करने पर करीब 32 करोड़ रुपए खर्च करने की तैयारी की है। अगले दो महीने में काम शुरू होने की उम्मीद है।

ग्रेटर नोएडा के सेक्टर की आंतरिक सड़कों की हालत खराब है। साथ ही कई मुख्य मार्ग भी ठीक नहीं हैं। इन सड़कों की दशा सुधारने की तैयारी शुरू हो गई है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने सड़कों को सुधारने के लिए टेंडर निकाले हैं। छह महीने से लेकर एक साल तक में इन कामों को पूरा किया जाना है। डीएससी रोड में सूरजपुर एंट्री प्वाइंट से नोएडा एंट्री प्वाइंट तक की सड़क की रिसफेर्सिंग की जाएगी। इसमें 12 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए जाएंगे। सेक्टर ओमिक्रान-1 और 1 ए की 12, 18 और 24 मीटर चौड़ी सड़कों को सुधारा जाएगा। इस पर करीब दो करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। ग्रेनो वेस्ट के सेक्टर टेकजोन-4 की आंतरिक सड़कों भी सुधारी जाएंगी। इस पर करीब पांच करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। सेक्टर इकोटेक-3 की आंतरिक सड़कों की मरम्मत पर करीब 17 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसी तरह सेक्टर इकोटेक-11 में 60 मीटर चौड़ी सड़क की पेरीफेरी की सर्विस रोड एवं नाले का निर्माण किया जाएगा। इन कामों पर करीब 4.5 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम की आंतरिक सड़कों की मरम्मत की जाएगी।

सार संक्षेप

तहसील सभागार में बीएलओ की समीक्षा बैठक आयोजित

जेवर। बीएलओ द्वारा विधानसभा निर्वाचक नामावालियों के घर घर सत्यापन कार्य में प्रगति नहीं होने पर शुक्रवार को तहसील सभागार में बीएलओ व सुपरवाइजर की एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें कार्य मे तेजी लाने के निर्देश दिए गए। उपजिलाधिकारी अभय कुमार सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 21 जुलाई से विधान सभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के लिए घर-घर सत्यापन कार्यक्रम चल रहा है। बीएलओ द्वारा कार्य में रुचि न लिए जाने से प्रगति नही हो पा रही है जिस पर जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा गहरा रोष व्यक्त किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेश पर शुक्रवार को तहसील सभागार में दोपहर दो बजे बीएलओ व सुपरवाइजर की एक समीक्षा बैठक की गई। बीएलओ ऐप के माध्यम से सर्वे कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

श्रीराम कथा में भगवान श्रीराम से रिश्ता जोड़ने के लिए श्रोताओं को किया प्रेरित

ग्रेटर नोएडा। श्री लक्ष्मी नारायण बैकुंठवासी के तत्वावधान में 7 दिवसीय श्री राम कथा का आयोजन श्री रामलीला मैदान,एच्छर चल रहा है,कथा वाचक राष्ट्रीय संत परम पूज्य अध्यात्म जगद्गुरु श्री श्री 1008 श्री राज राजेश्वरी पुरी ने संगीतमय कथा के चतुर्थ दिवस पर कहा कि आप सभी अपना रिश्ता परमात्मा भगवान श्री राम से जोड़ लें तो भले ही दुनिया आपसे रिश्ता तोड़ ले, लेकिन परमात्मा हमेशा आपके साथ रहेगा।

ग्रेनो प्राधिकरण ने 19 गांवों के 700 लीज बैक के प्रकरणों पर की सुनवाई

- अब तक 190 प्रकरणों में प्राधिकरण ने लीजबैक कराया
- लीज बैक के प्रकरणों पर सुनवाई के लिए शेड्यूल जारी

इन गांवों की हो चुकी है सुनवाई

इटेहरा, चिपियाना खुर्द उर्फ तिगड़ी, घोड़ी-बछेड़ा, पतवाड़ी, बिसरख जलालपुर, जैतपुर-वैशपुर, रायपुर बांगर, खैरपुर गुर्जर, हैबतपुर, रिठौरी, डाढ़ा, हल्दौना, लुक्सर, चुहड़पुर खादर, बिरौंडा व बिरौंडी चक्रसेनपुर, मायचा, कासना और खोदना खुर्द।

ग्रेटर नोएडा, 4 अगस्त (देशबन्धु)। किसानों की मांग पर लीज बैक प्रकरणों को निस्तारित करने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की आबादी व्यवस्थापन के लिए बनी समिति पुन: सुनवाई कर रही है। यह समिति अब तक 19 गांवों के 700 किसानों की सुनवाई कर चुकी है। शेष गांवों के लीज बैक प्रकरणों पर सुनवाई के लिए शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है। अब तक इन प्रकरणों की सुनवाई से समिति के समक्ष यह तथ्य सामने आया है कि आबादी व्यवस्थापन समिति ने लीज बैक प्रकरणों पर पूर्व में जो निर्णय लिए हैं, दोबारा सुनवाई करने पर कमोवेश वही तथ्य सही प्राप्त हो रहे हैं। ऐसे में जिन किसानों के प्रकरण पूर्व में या फिर वर्तमान में सुनवाई के बाद निस्तारित हो चुके हैं, वे किसान निर्धारित प्रक्रिया को पूरी कर शीघ्र लीज बैक करा सकते हैं। आबादी की लीज बैक में गड़बड़ी की शिकायत पर एसआईटी जांच के बाद शासन ने 1451 प्रकरणों में लीज बैक की अनुमति दी है। प्राधिकरण इन प्रकरणों की लीज बैक कर रहा है। अब तक लगभग 190 प्रकरणों की लीज बैक कर चुका है। किसानों की मांग पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से आबादी व्यवस्थापन के लिए एसीईओ स्तर पर बनी समिति दोबारा सुनवाई कर रही है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ और आबादी व्यवस्थापन के लिए बनी समिति के अध्यक्ष आनंद वर्धन ने बताया कि समिति अब तक 700 प्रकरणों पर सुनवाई भी कर चुकी है, शेष प्रकरणों पर सुनवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि दोबारा सुनवाई करने पर भी लीज बैक के प्रकरणों में पूर्व में लिए ज्यादातर निर्णय सही प्राप्त हो रहे हैं। प्राधिकरण बोर्ड भी इन पर मुहर लगा चुका है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि लीज बैक के जिन प्रकरणों में समिति और बोर्ड से पूर्व में निर्णय लिए जा चुके हैं, उन किसानों को निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर लीज बैक करा लेना चाहिए। इन किसानों को दोबारा सुनवाई का इंतजार नहीं करना चाहिए। एसीईओ ने बताया कि लीज बैक के नए प्रकरणों पर समिति सुनवाई कर रही है। इसके लिए शेड्यूल भी जारी कर दिए गए हैं।

इन गांवों की अब होगी सुनवाई

>>डाबरा व थापखेड़ा 9 अगस्त 2023
>>फतेहपुर रामपुर व पाली 16 अगस्त 2023
>>रोजा याकूबपुर 23 अगस्त 2023
>>जुनपत, घंघोला 13 सितम्बर 2023
>>तुस्याना, मलकपुर 20 सितम्बर 2023
>>सिरसा 27 सितम्बर 2023
>>खानपुर 4 अक्टूबर 2023
>>खेड़ा चौगानपुर 11 अक्टूबर 2023
>>एमनाबाद, अजायबपुर 18 अक्टूबर 2023
>>तुगलपुर 25 अक्टूबर 2023
>>सैनी 8 नवम्बर 2023
>>साकीपुर हजरतपुर 22 नवम्बर 2023।

जेवर एयरपोर्ट के पास बनी दर्जनों अवैध कॉलोनियों पर चला बुलडोजर

- यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण ने 90000 वर्गमी जमीन को अवैध निर्माण से कराया मुक्त
- प्राधिकरण की करीब 200 करोड़ रुपए की जमीन पर बन रही थी अवैध कालोनी

ग्रेटर नोएडा, 4 अगस्त (देशबन्धु)। जेवर एयरपोर्ट के आसपास अवैध रूप से बन रही कॉलोनियों पर शुक्रवार को यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक प्राधिकरण ने बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। अवैध रूप से कालोनी बनाने वालों के खिलाफ प्राधिकरण मामला दर्ज कराने के लिए जेवर कोतवाली में तहरीर दी है। करीब चार घंटे चले अभियान के दौरान यमुना प्राधिकरण ने 200 करोड़ रूपए की 90000 वर्गमी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया।

जेवर एयरपोर्ट का निर्माण होने से आसपास की जमीन बेशकीमती हो गई है। कालोनाइजर प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में अवैध रूप से कालोनी विकसित कर लोगों को भ्रमित कर प्लाटिंग कर जमीन बेच रहे थे। जहांगीरपुर, अलीअहमदपुर उर्फगढ़ी गांव में दर्जनों अवैध कालोनियां काटी जा रही थी। यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण की तरफ से अवैध रूप से कालोनी काटने वालों के खिलाफ नोटिस जारी किया था। नोटिस जारी करने के बाद भी अवैध निर्माण का सिलसिला जारी रहा।

शुक्रवार को यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त के नेतृत्व में अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान चलाया गया। प्राधिकरण ने करीब चार घंटे अभियान चलाकर दोनों गांव में अवैध रूप से बनी कालोनियों को ध्वस्त कर दिया। ओएसडी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि अवैध कालोनी विकसित करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि कालोनाइजर लोगों को भ्रमित कर अवैध रूप से कालोनी काट कर भूखंड बेच रहे थे। ओएसडी ने बताया कि ऐसे कालोनाइजर के झांसे में आकर भूखंड खरीदने वालों को सावधान रहना चाहिए। प्राधिकरण की तरफसे अधिसूचित क्षेत्र में बोर्ड लगाकर लोगों को सावधान किया जा रहा है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के पड़पौत्र ने जमीन कब्जाने का लगाया आरोप

- जम्मू कश्मीर में तैनात फौजी ने प्रेस वार्ता कर अपनी जमीन बचाने की लगाई गुहार
- मुख्यमंत्री, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन से फौजी लगा चुका है गुहार

ग्रेटर नोएडा, 4 अगस्त (देशबन्धु)। आजाद हिंद फौज के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के पड़पौत्र ने अपनी जमीन पर दबंगों की तरफ से अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया है, पीड़ित फौजी ने अपने दादा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, आजाद हिन्द फौज में मेजर सूरजमल खोल की फोटो लेकर प्रेस वार्ता कर बताया कि उनसे पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन व मुख्यमंत्री से गुहार लगायी लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। सेक्टर-142 थाना क्षेत्र के सेक्टर-145 स्थित नलगढ़ा गांव के रहने वाले फौजी राजेश कुमार पुत्र हवलदार प्रेम कुमार ने जिसकी तैनाती जम्मू कश्मीर है, पूर्व में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में भी तैनाती रही है।

इनका परिवार पिछले पचास साल से यहीं पर रह रहा है। राजेश कुमार ने बताया कि उनके पैत्रिक जमीन लगभग दो सौ बीघा है, जो कोर्ट में विचाराधीन है। आरोप है कि इसी जमीन पर आरोपी रविन्द्र पाल चौहान निवासी रेवाड़ी, प्रकाश निवासी लखनावली की मिली भगत से इनके साथी रवि बुद्ध, मोहियापुर, संजीत, अजब, जगत आदि लोग मिलकर उनके जमीन पर अवैध कालोनी काटकर बेच रहे हैं, विरोध करने पर मारने की धमकी देते हैं। उन्होंने बताया कि 19 जुलाई को उनके घर पर आरोपियों ने हमला किया, पुलिस से शिकायत की तो मौके पर पहुंची पुलिस के समाने भी दबंगों ने उनकी माताजी से मारपीट की। राजेश ने बताया कि हमलावर हिस्ट्रीशीटर है, जिनपर कई मामले पहले से दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि उनके दादाजी मेजर सूरजमल आजाद हिन्द फौज में भर्ती होकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सुभाष चन्द्र बोस के साथ आजादी की लड़ाई लड़ी, उनके पिता फौज में नौकरी की। उन्होंने आशा जतायी है कि शासन प्रशासन उनकी बात सुनेगी और एक फौजी को न्याय जरुर मिलेगा।

धरनारत किसानों के साथ सीईओ की चली दो घंटे वार्ता

- सीईओ के साथ किसानों की 21 मुद्दो पर हुई चर्चा, समाधान के लिए मांगा समय

ग्रेटर नोएडा, 4 अगस्त (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण कार्यालय पर 79 दिनों से धरने पर बैठे किसानों की मुख्य कार्यपालक अधिकारी रवि कुमार एनजी से दो घंटे तक वार्ता चली। इस दौरान किसानों की सीईओ से 21 मुद्दों पर चर्चा हुई। जिसका समाधान करने के लिए सीईओ ने किसानों से 21 अगस्त तक समय मांगा। किसानों ने पिछले 1 हफ्ते से अधिक समय से 4 फीसदी भूखंड के संबंध में कितने रकबे की आवश्यकता है उस पर कार्य किया गया था जिस के आंकड़ों को लेकर प्राधिकरण के अधिकारियों से चर्चा हुई, नए कानून, 10 फीसदी आबादी भूखंड, भूमिहीनों के प्लाट एवं रोजगार पर नीतिगत फैसले के संबंध में प्राधिकरण सीईओ ने 12 अगस्त तक का समय मांगा।

सीईओ ने कहा कि शासन स्तर पर हल होने वाले मुद्दों पर उच्च अधिकारियों से बातचीत करके समाधान निकालने का प्रयास करेंगे। किसान सभा के प्रवक्ता रूपेश वर्मा ने कहा कि सीईओ से वार्ता के बाद किसानों की मांगों पर समाधान निकालने की आशा दिख रही है। जब तक किसानों की सभी मांगे पूरी नहीं हो जाती तब तक उनका धरना जारी रहेगा।

फर्जी दस्तावेजों से शिक्षक की नौकरी पाकर लाखों हड़पे

- कार्यवाहक प्रधानाचार्य रहते छात्रों से वसूली अवैध धनराशि
- पुलिस कार्रवाई से हताश पीड़ित ने कोर्ट में लगाई थी गुहार

रबूपुरा, 4 अगस्त (देशबन्धु)। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत फर्जी दस्तावेज व नियुक्ति पत्र के माध्यम से वर्षों तक इंटर कॉलेज में नौकरी करने व छात्रों से अवैध धनराशि वसूलने के मामला प्रकाश में आया है। प्रबन्धक द्वारा विरोध करने पर गाली गलौज व जान से मारने की धमकी दी गई। मामले की शिकायत स्थानीय पुलिस व अधिकारियों से करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होने से हताश पीड़ित ने कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपी अध्यापक के विरुद्ध सम्बंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। गांव नगला करौली स्थित इंटर कॉलेज के प्रबंधक धर्मपाल सिंह पुत्र सीएस चौधरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके विद्यालय में राजेश कुमार निवासी हरिहरपुर जिला सुल्तानपुर बतौर शारीरिक शिक्षक तैनात है। तथा दस्तावेज में माध्यमिक शिक्षा चयन बोर्ड इलाहाबाद द्वारा पैनल 4/6/2010 पिछड़ा वर्ग विकलांग दर्ज है। पीड़ित का आरोप है कि विकलांग उम्मीदवार का चयन शारिरिक शिक्षक के रूप में नहीं हो सकता। साथ ही राजेश कुमार वर्ष 2015 से 2021 तक कालेज के कार्यवाहक प्रधानाचार्य रहा है तथा इस दौरान कूटरचित तरीके, फर्जी नियुक्ति पत्र से पद का दुरुपयोग कर स्कूल दस्तावेज में सहायक अध्यापक अंकित कर दिया गया है। वेतन बिल व अन्य दस्तावेजों में भी छेड़छाड़ की गई है तथा अपने कार्यकाल के दौरान छात्रों से 3 सौ से 9 सौ रुपये की वसूली कर लाखों रुपए का गबन किया गया है। आरोप है जानकारी होने पर जिला विद्यालय निरीक्षक के निर्देश अनुसार प्रबंधन कमैटी द्वारा जांच किये जाने पर राजेश कुमार ने प्रबन्धक के साथ गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। समूचे मामले की शिकायत पुलिस व अधिकारियों से करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होने पर पीड़ित ने न्यायालय की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने शिक्षक राजेश कुमार के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है तथा जांचोपरांत अग्रिम कार्रवाई का दावा किया है।

सपाइयों ने विभिन्न मांगों को लेकर जिला मुख्यालय पर किया प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा, 4 अगस्त (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने निजी स्कूलों के मनमानी तरीके से की वसूल जा रही फीस और कुलेसरा के इर्द गिर्द कॉलोनियों में बिजली आपूर्ति की व्यवस्था न होने, सूरजपुर कस्बे में टूटी सड़के और जलभराव के खिलाफ जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इस मौके पर जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि जनपद गौतमबुद्धनगर में संचालित निजी स्कूल मनमानी तरीके से फीस वसूल कर अभिभावकों का शोषण कर रहे हैं। फीस भरने में देरी होने पर छात्रों से प्रतिदिन के हिसाब से भारी-भरकम जुर्माना लिया जाता है। वार्षिक फीस, परीक्षा फीस, ट्रांसपोर्ट फीस आदि के नाम पर स्कूलों द्वारा मोटी वसूली कर छात्रों और उनके अभिभावकों का उत्पीड़न किया जा रहा है और कहा कि मध्यमवर्गीय परिवारों की आधी से अधिक आय बच्चों की स्कूल की फीस भरने में खर्च हो रही है। इस मौके पर राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने कहा कि कुलेसरा और आसपास क्षेत्र में हिंडन नदी में बाढ़ आने से दर्जनों कॉलोनी में पानी भर गया जिससे हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं लेकिन सरकार की तरफ से बाढ़ पीड़ितों राहत देने के लिए कुछ नहीं किया गया है। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष इन्दर प्रधान, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष गजराज सिंह नागर, नरेंद्र नागर, डॉक्टर महेंद्र नागर, कृशांत भाटी, त्रिलोचन नारायण सिंह, मिंटी खारी, अमित रोनी, अवनीश भाटी, अब्दुल हमीद, विकास भनौता, रोहित मत्ते गुर्जर आदि मौजूद रहे।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी-201310 जिला-गौतमबुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सेक्टर-थापखेडा की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-टी.एच.ए.018, भूखण्ड संख्या-27 क्षेत्रफल-250 वर्ग मीटर श्री किरनपाल सिंह पुत्र श्री धनीराम, निवासी-ग्राम-थापखेडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में आवंटित किया गया था। आवंटी श्री किरनपाल सिंह पुत्र श्री धनीराम की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसानों सर्वश्री सुमित भाटी, रोहित, मोहित कुमार पुत्रगण स्व० श्री किरनपाल, श्रीमती इन्द्रेश पत्नी स्व0 श्री किरनपाल, श्रीमती ज्योति, श्रीमती नीता पुत्रीगण स्व० श्री किरनपाल, निवासी-ग्राम-खापखेडा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 द्वारा अपने पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करे, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके वारिस सर्वश्री सुमित भाटी, रोहित, मोहित कुमार पुत्रगण स्व० श्री किरनपाल, श्रीमती इन्द्रेश पत्नी स्व0 श्री किरनपाल, श्रीमती ज्योति, श्रीमती नीता पुत्रीगण स्व० श्री किरनपाल, निवासी-ग्राम-खापखेडा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में उक्त भूखण्ड नामांतरित कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

अभिमत

राजनीतिक दावों व अधिकारियों द्वारा पेश फर्जी आंकड़ों तथा जमीनी आंकड़ों के बीच का विरोधाभास स्वतंत्र रूप से आंकड़े रिपोर्ट करने में समर्थ आईआईपीएस के स्वतंत्र एनएफएचएस चलाने के महत्व को प्रतिपादित करता है। हालांकि आईआईपीएस स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) का एक हिस्सा है किन्तु यह एक स्वायत्त संस्थान है और इसे कभी भी अपने सर्वेक्षणों और निष्कर्षों पर सवालों का सामना नहीं करना पड़ा है। वास्तव में एनएचएफएस का सर्वेक्षण विश्वस्तरीय है।

सही आंकड़े छुपा कर विकास के झूठे दावे

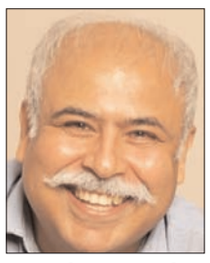

जगदीश रत्तनानी

टरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंसेस (आईआईपीएस) एक प्रतिष्ठित डीम्ड भारतीय विश्वविद्यालय है। 63 साल पुराना यह संस्थान अन्य कार्यों के अलावा अत्यधिक सम्मानित और प्रसिद्ध राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) श्रृंखला और रिपोर्टों के लिए प्रसिद्ध है। इन रिपोर्टों में एनएफएचएस राउंड के तहत डेटा विश्लेषण किया गया है जिसने पिछले तीन दशकों से भारत की जनसांख्यिकीय और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी का एक स्वतंत्र बुनियादी नज़रिया प्रदान किया है ताकि हमें बताया जा सके कि नीतिगत निर्देशों से जमीनी स्तर पर बदलाव हो रहा है या नहीं। इस प्रकार आईआईपीएस डेटा पर एक महत्वपूर्ण स्थान पर काम करता है जो सरकार को उसके कामों का आईना दिखाता है और नीतिगत कार्यों को सही दिशा में चलाने में मदद कर सकता है।

इस महत्वपूर्ण संस्थान के निदेशक प्रसिद्ध जनसांख्यिकी, शोधकर्ता और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व संकाय सदस्य प्रोफेसर केएस जेम्स को पिछले हफ्ते निलंबित कर दिया गया। उन्हें जांच पूरी होने तक मुख्यालय क्षेत्र मुंबई न छोड़ने का निर्देश दिया गया है। बताया जा रहा है कि इस निर्णय से आईआईपीएस फैकल्टी और पूर्व छात्र सदमे में हैं। विपक्ष ने इस कदम की आलोचना की है। इस घटनाक्रम से वैज्ञानिक और अन्य संकायों के सदस्य चिंतित हैं। निलंबन किन कारणों से किया गया इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है लेकिन मामले की जानकारी रखने वालों का कहना है कि निदेशक को हटाने के लिए पहले कई तरह के प्रयास किए गए जिसके बाद निलंबन का आदेश जारी किया गया। जाहिर तौर पर उन्हें कुछ महीने पहले इस्तीफा देने के लिए कहा गया था लेकिन जेम्स ने कथित तौर पर यह कहते हुए इंकार कर दिया कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और वे बिना किसी कारण के इस्तीफा नहीं देंगे।

इस निलंबन से एक बार फिर यह आशंका पैदा हो रही है कि सरकार संस्थानों को नियंत्रित करने और उन लोगों को दंडित करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है जिन पर वह लगाम नहीं लगा पा रही है। यह सच है कि जेम्स का निलंबन सजा नहीं है बल्कि जांच होने तक की गई कार्रवाई है। यह भी सच है कि सरकार को प्राप्त शिकायतों या सूचनाओं के आधार पर जांच करने का अधिकार है। लेकिन अगर अंदरूनी खबरों पर भरोसा किया जाए तो यह भी उतना ही सच है कि सरकार निदेशक को बाहर करना चाहती थी, लेकिन अगर यह अनियमितताओं का मामला है तो निदेशक को कैसे और क्यों जाने के लिए कहा जाएगा और जांच भी तभी शुरू की गई जब उन्होंने चुपचाप जाने से इंकार कर दिया?

ये सवाल तब महत्वपूर्ण हो जाते हैं जब आईआईपीएस के काम को जनसांख्यिकी से संबंधित आंकड़ों को सामने रखने में इसकी भूमिका, प्रजनन और बाल स्वास्थ्य, सामाजिक-आर्थिक संकेतक, प्रजनन क्षमता, माता तथा बाल मृत्यु दर, पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर, पोषण की स्थिति, टीकाकरण की पहुंच, पानी, स्वच्छता, लैंगिक हिंसा और यहां तक कि मधुमेह और रक्तचाप जैसी जीवन शैली की आधुनिक बीमारियों के प्रसार जैसे प्रमुख मापदंडों में देखा जाता है।

एनएफएचएस रिपोर्ट की नवीनतम रिलीज (एनएफएचएस- 5, 2019-2021) में देश को बताया गया है कि 19 प्रतिशत भारतीय परिवार खुले में शौच करते हैं। एनएफएचएस-4 की 2015-16 की रिपोर्ट की तुलना में खुले में शौच करने वाले आंकड़ों में 39 फीसदी सुधार ग्रामीण भारत के लिए एनएफएचएस- 5 ने बताया कि 26 फीसदी घरों में अभी भी शौचालय नहीं थे इसलिए वे खुले में शौच करते थे। निश्चित तौर पर पिछले कुछ वर्षों में संख्या में सुधार है लेकिन फिर भी यदि आप इसे इस तरह से देखना चाहते हैं तो यह उस व्यापक दावे की हवा निकाल देता है जिसमें 2019 में खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि ग्रामीण भारत पहले से ही खुले में शौच से मुक्त है। उन्होंने महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती मनाने के लिए चल रहे कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में यह दावा किया था।

राजनीतिक दावों व अधिकारियों द्वारा पेश फर्जी आंकड़ों तथा जमीनी आंकड़ों के बीच का विरोधाभास स्वतंत्र रूप से आंकड़े रिपोर्ट करने में समर्थ आईआईपीएस के स्वतंत्र एनएफएचएस चलाने के महत्व को प्रतिपादित करता है। हालांकि आईआईपीएस स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) का एक हिस्सा है किन्तु यह एक स्वायत्त संस्थान है और इसे कभी भी अपने सर्वेक्षणों और निष्कर्षों पर सवालों का सामना नहीं करना पड़ा है। वास्तव में एनएचएफएस का सर्वेक्षण विश्वस्तरीय है और अमेरिका के आईसीएफ, यूनाईटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट, ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय विकास विभाग, बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, यूनिसेफ, यूएनएफपीए तथा भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय जैसे वैश्विक भागीदारों के साथ काम करता है।

एनएफएचएस- 5 की 2019-2021 की रिपोर्ट में अन्य आंकड़े भी हैं जो हमें बताते हैं कि भारत वास्तव में अच्छा नहीं कर रहा है। उदाहरण के लिए एनीमिया बढ़ गया है। एनएचएफएस- 5 के दौरान छह महीने से पांच वर्ष की आयु के 67 फीसदी बच्चों में एनीमिया (हीमोग्लोबिन का स्तर 11.0 ग्राम प्रति डेसीलीटर से नीचे) था जो एनएफएचएस- 4 (2015-16) के 59 फीसदी के अनुमान से अधिक है। एनीमिया के कारण बच्चों का विकास धीमी गति से होता है और न्यूरो डेवलपमेंट को प्रभावित करता है।

एनएचएफएस- 5 ने बताया कि पांच वर्ष से कम आयु के 36 प्रतिशत बच्चे अविकसित हैं। मतलब यह कि उनकी उम्र के हिसाब से विकास बहुत कम है जो एनएफएचएस- 4 में देखे गए क्रोनिक कुपोषण के मामले में मामूली बदलाव बताता है जो केवल 38 फीसदी है। इसी तरह पांच साल से कम उम्र के 19 प्रतिशत बच्चे कमजोर हैं अर्थात उनकी ऊंचाई के हिसाब से बहुत पतले हैं जो एनएचएफएस- 4 में देखे गए 21 फीसदी से थोड़ा ही कम है। यह घातक कुपोषण का संकेत है। 32 फीसदी बच्चे कम वजन के हैं जो एनएफएचएस- 4 के दौरान 36 फीसदी से कम हैं।

ये आंकड़े एक तरह से उस सरकार के सामने की चुनौतियों की ओर इशारा करते हैं जो सफलता का दावा करने और उन सभी लड़ाइयों, योजनाओं एवं मिशनों में जीत की बात करने की जल्दी में है जिन्हें वह उजागर करना चाहती है। जो बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं उनकी सच्ची कहानी थोड़ी अलग है। यथार्थ को स्वीकार करने, नीति को दुरुस्त करने और वांछित लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए खर्च को प्राथमिकता देने में कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन खोखले दावे जल्द ही खोखले साबित होंगे। वे देर-सबेर सरकार की छवि खराब करेंगे। सरकार एक ऐसे भारत की कहानी नहीं बना सकती जो एक वैश्विक, विशाल और मजबूत अर्थव्यवस्था है जिसमें एनीमिक, दुबले, अविकसित और कुपोषित बच्चे हैं। भारत खुले में शौच से मुक्त होने की घोषणाओं के साथ स्वच्छ नहीं हो सकता है। इसके बजाय सरकार पूरी सफलता के लिए कोशिश करने का दावा कर सकती है। अगर प्रयासों में अधिक समय लगता है तो भी यह एक अच्छी यात्रा होगी। यह याद रखना अच्छा होगा कि इराक युद्ध के बाद अमेरिकी नौसेना के सुसज्ज विमानवाहक पोत पर 'मिशन पूर्ण' की घोषणा करने की राष्ट्रपति जॉर्ज बुश की हड़बड़ी संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए आपदा के अलावा कुछ नहीं लाई। हमें वहां जाने की जरूरत नहीं है। आईआईपीएस द्वारा दी गई ऐसी रिपोर्ट्स हमें ईमानदार बनाए रखेंगी। इसलिए विकास के एजेंडे के साथ आगे बढ़ते समय आईआईपीएस के निदेशक को निलंबित करना अच्छा नहीं है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। सिंडिकेट : दी बिलियन प्रेस)

एनएचएफएस- 5 ने बताया कि पांच वर्ष से कम आयु के 36 प्रतिशत बच्चे अविकसित हैं। मतलब यह कि उनकी उम्र के हिसाब से विकास बहुत कम है जो एनएफएचएस- 4 में देखे गए क्रोनिक कुपोषण के मामले में मामूली बदलाव बताता है जो केवल 38 फीसदी है। इसी तरह पांच साल से कम उम्र के 19 प्रतिशत बच्चे कमजोर हैं अर्थात उनकी ऊंचाई के हिसाब से बहुत पतले हैं जो एनएफएचएस- 4 में देखे गए 21 फीसदी से थोड़ा ही कम है।

बीता सप्ताह

29 जुलाई
- चीन के फुजियान प्रांत में इस साल का पांचवां तूफान डोवसुटी पहुंचा।
- ज्योतिरादित्य सिंधिया पहली बार ग्वालियर के आरएसएस दफ्तर पहुंचे।
- हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन से नेशनल हाइवे ब्लाक हो गया।
- कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को हाईकोर्ट का नाटिस वरुणा विधानसभा क्षेत्र से अयोग्य ठहराए जाने के मामले को लेकर दिया गया।

30 जुलाई
- 'इंजिया' के 21 सांसदों का दल मणिपुर हिंसा प्रभावितों से मिले।
- छत्तीसगढ़ प्रदेश का सबसे बड़ा पॉवर प्लांट कोरबा में राजीव गांधी के नाम का शिलान्यास किया गया।
- भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने छत्तीसगढ़ से डा. रमन सिंह, सरोज पांडेय और लता उसेंडी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया।
- तमिलनाडु की पटाखा यूनिट में धमाका होने से आठ लोगों की मौत हो गई।

31 जुलाई
- पाकिस्तान खैबर पख्तूनख्वा राज्य में एक राजनैतिक रैली में आतंकी हमला होने से 35 लोग मारे गए।
- छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के दीपक तिवारी स्थायी जज बनाए गए।
- भारतीय अंतरिक्ष यान अनुसंधान (इसरो) ने सिंगापुर से सात उपग्रह कक्षा में स्थापित किए। पीएसआईवी- सी 56 सफलतापूर्वक प्रक्षेपित हुआ।
- गृह मंत्रालय ने मानव तस्करी मामले में संसद में पेश किए आंकड़ों में 2019 से 2021 के बीच 13-13 लाख से अधिक लड़कियां एवं महिलाएं लापता हुईं।

1 अगस्त
- जस्टिस दीपक तिवारी को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के स्थायी जज की शपथ दिलाई।
- आस्ट्रेलिया में दुर्घटनाग्रस्त हेलीकाप्टर में सवार चार सैनिक घोषित किए गए।
- हैदराबाद राज्य के आखिरी निजाम मीर उस्मान अली खान के पोते प्रिंस शहायत जाह का निधन हो गया।
- हरियाणा के नूंह में शोभा यात्रा के दौरान बवाल में एक होमगार्ड की मौत हो गई।

2 अगस्त
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मणिपुर में कानून व्यवस्था ठप है। डीजीपी तलब किए गए।
- दिल्ली में अफसरों की पोस्टिंग, ट्रांसफर पर नियंत्रण से जुड़ा विधेयक लोकसभा में पेश किया गया।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किए गए।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने मंगलवार को चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की कक्षा से निकालकर सफलतापूर्वक चांद की कक्षा की तरफ रवाना किया।

3 अगस्त
- मणिपुर मुद्दे पर विपक्षी दलों के नेता राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले।
- जाने माने कला निर्देशक नितिन देसाई ने अपने स्टूडियो में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।
- चीन में 140 वर्षों के रिकार्ड में सबसे भारी बारिश 744.8 मिलीमीटर दर्ज की गई।
- चिली में वायुसेना का हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 5 लोगों की मौत हो गई।

4 अगस्त
- लोकसभा में दिल्ली सर्विस बिल बहुमत से पास हो गया।
- सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरनेम मामले पर राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाई।
- कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो (51) और पत्नी सोफी(48) ने आपसी सहमति से शादी के 18 वर्ष बाद तलाक लेने का फैसला लिया।

ज्ञानवापी मस्जिद : 1991 के कानून को लागू कर इस मुद्दे से निपटना होगा

■ पी सुधीर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक तरह से ऐलान कर दिया है कि मंदिर-मस्जिद मामले में एक नया मोर्चा खोला जा रहा है। इस बार, यह वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद और विश्वनाथ मंदिर है। एक साक्षात्कार में, आदित्यनाथ ने कहा है कि ज्ञानवापी परिसर में एक मंदिर की 'मूल स्थिति' स्थापित करने के लिए पर्याप्त सुबूत हैं और मुस्लिम समुदाय को आगे आना चाहिए और कहना चाहिए कि 'अतीत में एक ऐतिहासिक गलती हुई थी और वे समाधान चाहते हैं'।

आदित्यनाथ का यह दावा ज्ञानवापी परिसर के हिंदी इतिहास को स्थापित करने के लिए बढ़ते कानून के संदर्भ में आया है। 3 अगस्त को, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने वाराणसी जिला अदालत के निर्देशानुसार भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का सर्वेक्षण करने की अनुमति देते हुए फैसला सुनाया। उसने जिला अदालत के खिलाफ मस्जिद समिति की अपील खारिज कर दी।

2019 में अयोध्या विवाद पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद से, वाराणसी की स्थानीय अदालतों में कानूनी मुकदमों की बाढ़ आ गई है, जो परिसर में हिंदू देवताओं की पूजा करने या जिसे 'शिवलिंग' कहा जाता है, और जो तालाब में एक फव्वारा है जहां मुसलमान प्रार्थना करने से पहले स्नान करते हैं, के वीडियोग्राफी सर्वेक्षण और कार्बन डेटिंग के लिए हिंदुओं के अधिकार पर जोर देते हैं।

ये सभी न्यायिक प्रक्रियाएं पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1991 के बावजूद हो रही हैं। संसद द्वारा अधिनियमित यह कानून उन पूजा स्थलों के रूपांतरण पर रोक लगाता है, जो भारत के आजाद होने के समय 15 अगस्त, 1947 जिस रूप में अस्तित्व में थे, जैसे - मंदिर, मस्जिद और चर्च- या किसी भिन्न धर्म के पूजा स्थल।

यानी यह कानून आजादी के बाद पूजा स्थलों को लेकर यथास्थिति का प्रावधान करता है। अधिनियम लागू होने के बाद इसके प्रावधानों के अनुसार ऐसे रूपांतरण के संबंध में कोई भी अदालती कार्रवाई समाप्त हो जायेगी। एकमात्र अपवाद अयोध्या विवाद और उससे जुड़ी अदालती कार्रवाई के लिए था।

नरसिम्हा राव सरकार द्वारा संसद में पारित यह कानून यह सुनिश्चित करने के लिए था कि राम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन की तरह धार्मिक पूजा स्थलों को परिवर्तित करने के लिए कोई आंदोलन और सांप्रदायिक गतिविधियां न हों, जिसके कारण देश में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई।

सर्वोच्च न्यायालय ने अयोध्या विवाद पर अपना फैसला सुनाते हुए 1991 के कानून को 'आंतरिक रूप से एक धर्मनिरपेक्ष राज्य के दायित्वों से संबंधित' बताया था। इसमें आगे कहा गया है कि इस कानून के संदर्भ में 'संसद ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि इतिहास और उसकी गलतियों को वर्तमान और भविष्य पर अत्याचार करने के साधन के रूप में उपयोग नहीं किया जायेगा'।

2019 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूजा स्थल अधिनियम 1991 के इस जोरदार समर्थन के बावजूद, यह रहस्य बना हुआ है कि अदालत ने बाद की अवधि में वाराणसी अदालतों में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर पर उठे मुकदमे को समाप्त करने के लिए निर्णायक रूप से हस्तक्षेप क्यों नहीं किया।

सर्वोच्च न्यायालय के लिए एक मौका मई 2022 में था जब मस्जिद समिति ने वाराणसी के सिविल जज द्वारा मस्जिद परिसर के सर्वेक्षण और वीडियोग्राफी के आदेश पर रोक लगाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। पूजा स्थल अधिनियम के आधार पर अदालत न्यायिक कार्रवाई को समाप्त कर सकती थी। इसके बजाय, इसने निर्देश दिया कि पांच महिलाओं द्वारा दायर याचिका के सुनवाई योग्य होने को चुनौती देने वाली मस्जिद समिति के मुकदमे को वाराणसी जिला न्यायाधीश को इस आधार पर स्थानांतरित कर दिया जाये कि वह वरिष्ठ न्यायाधीश हैं।

> **न्यायिक सहूलियत हासिल करने के बाद, उचित समय पर, न्यायेतर तरीकों से जमीनी हकीकत को बदला जा सकता है। यह सर्वोच्च न्यायालय का काम है कि वह शरारत को शुरू में ही खत्म कर दे और 1991 के कानून को लागू करे जिसे उसने अयोध्या मामले की सुनवाई के क्रम में स्वयं ही स्पष्ट रूप से अनुमोदित किया था।**

जुलाई में फिर से, मस्जिद समिति ने एएसआई सर्वेक्षण के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, और उस समय भी सर्वोच्च न्यायालय 1991 के पूजा स्थल कानून के मद्देनजर सभी न्यायिक कार्रवाई को समाप्त कर सकती थी, परन्तु ऐसा नहीं किया गया। तब से, इस मामले में और भी मुकदमे दायर किये गये हैं, जिनमें ज्ञानवापी मस्जिद को हटाने की मांग भी शामिल है, ताकि उस स्थान पर एक मंदिर बनाया जा सके।

गौर करने वाली बात है कि यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में हो रहा है। उच्चतम स्तर पर 1991 के कानून के अनुसार निर्णय करने के मामले में न्यायिक साहस और दृढ़ता की कमी के कारण ज्ञानवापी मस्जिद की प्रकृति पर सवाल उठाने और वीडियोग्राफी सर्वेक्षण और अब एएसआई सर्वेक्षण के माध्यम से 'सच्चाई का पता लगाने' के उपायों का आदेश देने के लिए निचली अदालतों के माध्यम से लगातार कदम उठाये जा रहे हैं।

ईदगाह-कृष्ण जन्मभूमि मामले को लेकर मथुरा की अदालतों में भी ऐसी ही न्यायिक प्रक्रिया चल रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि हिंदुत्व ताकतों की रणनीति अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए क़ानूनों का दुरूपयोग करना है।

न्यायिक सहूलियत हासिल करने के बाद, उचित समय पर, न्यायेतर तरीकों से जमीनी हकीकत को बदला जा सकता है। यह सर्वोच्च न्यायालय का काम है कि वह शरारत को शुरू में ही खत्म कर दे और 1991 के कानून को लागू करे जिसे उसने अयोध्या मामले की सुनवाई के क्रम में स्वयं ही स्पष्ट रूप से अनुमोदित किया था।

गांधी को गायब करने की साजिश

■ रमाकांत नाथ

फिर से हमला हुआ है और इस बार निशाने पर हैं, 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' और 'गांधी विद्या संस्थान।' उत्तरप्रदेश के वाराणसी स्थित ये दोनों गांधीवादी संस्थाएं आखिरकार केंद्र और राज्य सरकारों की असहिष्णुता का शिकार हो ही गईं। 1999 से शुरु हुई गांधी दर्शन को ख़त्म करने की कोशिश 22 जुलाई' 23 को गांधी-विनोबा-जयप्रकाश के दर्शन की हत्या के साथ पूरी हो गई। 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' की लगभग 5 लाख किताबें और अन्य फर्नीचर सड़कों पर फेंक दिये गये। वहां कई वर्षों से रह रहे गांधी के अनुयायियों, स्वतंत्रता सेनानियों को विस्थापित किया गया। 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' और 'गांधी विद्या संस्थान' समेत 4 संग्रहालयों और करीब 84 आवासों पर यह हमला दरअसल एक सुनियोजित साजिश है।

गौरतलब है कि 30 जनवरी, 1948 को गांधीजी की मृत्यु के बाद, 'सर्वोदय' दर्शन का प्रचार करने के लिए 'सर्व सेवा संघ' यानी 'अखिल भारतीय सर्वोदय मंडल' नामक संगठन का गठन किया गया था। राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के संरक्षण में बनी यह संस्था पूरे देश में काम कर रही है। 1960 में विनोबा भावे की सलाह पर राजघाट, वाराणसी में ही 'सर्व सेवा संघ' का प्रकाशन कार्य प्रारम्भ किया गया। इसी तरह, जयप्रकाश नारायण, नवकृष्ण चौधरी और आचार्य नरेंद्र देव ने वहां 'गांधी विद्या संस्थान' की स्थापना की थी।

> **यहां 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' और 'गांधी विद्या संस्थान' के साथ-साथ 'सर्वोदय जगत' पत्रिका के कार्यालय, आचार्य विनोबा हाउस, जया-प्रभा पुस्तकालय आदि भी हैं। जयप्रकाश नारायण ने अपनी पत्नी प्रभावती देवी के साथ यहां लंबा समय बिताया था। कई गांधीवादियों ने अपना बचपन और युवावस्था यहीं बिताई। 'वैकल्पिक तकनीक' के विचारक ईएफ शूमाकर ने अपनी प्रसिद्ध किताब 'स्मॉल इज ब्यूटीफुल' यही बैठकर लिखी।**

असल में 1999 से ही भाजपा सरकार ने गांधी दर्शन को खत्म करने की कोशिश की थी। उस समय गांधी-विनोबा-जयप्रकाश विचार की लगभग 10 पत्रिकाओं का प्रकाशन-लाइसेंस केंद्र सरकार ने रद्द कर दिया था। देश में विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित सैकड़ों गांधीवादी पत्रिकाओं में से 10 पत्रिकाओं के लाइसेंस रद्द करने के पीछे की योजना इन पत्रिकाओं के माध्यम से प्रचारित गांधीवादी विचारधारा को नुकसान पहुंचाना था। ओडिशा से प्रकाशित होने वाली ओडिया भाषा की 'सर्वोदय' और अंग्रेजी भाषा की 'विजिल' पत्रिकाओं के लाइसेंस भी रद्द कर दिए गए।

मैं तब 'सर्वोदय' पत्रिका के संपादक और 'विजिल' पत्रिका के प्रबंध संपादक के रूप में कार्यरत था। इन दोनों पत्रिकाओं की ओर से केंद्र सरकार के खिलाफ ओडिशा हाईकोर्ट में मनमोहन चौधरी ने केस दायर किया गया था और उनकी मृत्यु के बाद मुझे उस केस में पक्षकार बनना पड़ा। हमारी ओर से वरिष्ठ वकील समरेश्वर मोहंती केस लड़ रहे थे। हाईकोर्ट का अंतरिम फैसला हमारे पक्ष में गया। कोर्ट ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए रद्दीकरण आदेश पर रोक लगा दी।

इसके बाद केंद्र सरकार ने उत्तरप्रदेश में 'गांधी विद्या संस्थान' को बंद करने की योजना बनाई। केंद्र के आदेश पर उत्तरप्रदेश की भाजपा सरकार ने 'गांधी विद्या संस्थान' को मिलने वाला अनुदान रोक दिया था। 'गांधी विद्या संस्थान,' जो गांधीवादी विचारों का एक अनुसंधान केंद्र था, को बंद करने और गांधी के दर्शन को दफन करने की योजना बनाई गई, लेकिन केंद्र सरकार की यह योजना भी तब सफल नहीं हो सकी। उत्तरप्रदेश में भाजपा के बाद सोशलिस्ट-पार्टी की सरकार बनी, उसने तुरंत 'गांधी विद्या संस्थान' को पिछले सभी बकाया अनुदानों का भुगतान कर दिया और अनुदान पहले की तरह जारी रखा।

विफल होने के बाद, केंद्र सरकार ने वाराणसी में 'गांधी विद्या संस्थान' सहित 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' को बंद करने की योजना बनाई। उत्तर रेलवे द्वारा लगभग 8 एकड़ के क्षेत्र को खाली करने के लिए एक नोटिस जारी किया गया, लेकिन 2004 में बीजेपी सरकार के पतन के बाद यूपीए सरकार ने इस नोटिस को नजरअंदाज कर दिया। बाद में भाजपा सरकार के नोटिस को केंद्र सरकार, उत्तरप्रदेश सरकार और रेलवे ने दोबारा उजागर करके भाजपा की पिछली योजना को सफलतापूर्वक लागू कर दिया।

'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' ने रेलवे के नोटिस के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और कानूनी सहारा लिया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने जिला प्रशासन से रिपोर्ट मांगी और वाराणसी जिला प्रशासन ने रिपोर्ट दी कि जिस जमीन पर 'गांधी विद्या संस्थान,' 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' काम करता है वह उत्तर रेलवे की है। इसके खिलाफ 'गांधी विद्या संस्थान,' 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' सुप्रीम कोर्ट गये, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार की दलील उत्तर रेलवे के पक्ष में गई और जमीन से संबंधित सभी दस्तावेजों को अस्वीकार्य दिखाए जाने के कारण सुप्रीम कोर्ट ने मामले को खारिज कर दिया।

यहां 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' और 'गांधी विद्या संस्थान' के साथ-साथ 'सर्वोदय जगत' पत्रिका के कार्यालय, आचार्य विनोबा हाउस, जया-प्रभा पुस्तकालय आदि भी हैं। जयप्रकाश नारायण ने अपनी पत्नी प्रभावती देवी के साथ यहां लंबा समय बिताया था। कई गांधीवादियों ने अपना बचपन और युवावस्था यहीं बिताई। 'वैकल्पिक तकनीक' के विचारक ईएफ शूमाकर ने अपनी प्रसिद्ध किताब 'स्मॉल इज ब्यूटीफुल' यही बैठकर लिखी। आरोप है कि सरकार जमीन पर कब्जा कर उसे कॉरपोरेट माफिया को सौंपने की योजना बना रही है। इस संबंध में 'समाजवादी जन परिषद' से जुड़े अफलातून देसाई कहते हैं, 'प्रशासन मनमाने ढंग से काम कर रहा है। अगर कार्रवाई हुई तो मैं देशभर में सत्याग्रह करूंगा।'

इसी तरह जेएनयू के पूर्व प्रोफेसर आनंद कुमार ने एक वीडियो जारी कर कहा कि इसे भारत के इतिहास की सबसे शर्मनाक घटना के तौर पर याद किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'सर्व सेवा संघ' और 'गांधी विद्या संस्थान' के प्रकाशनों को जब्त करने के लिए पुलिस अपने दल-बल के साथ पहुंची है और बलपूर्वक इस महत्वपूर्ण संस्थान को सरकार के हाथों में लेने की कोशिश कर रही है। यह गांधी और जेपी की विरासत पर सीधा हमला है।'

'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' गांधी साहित्य प्रचार पर काम कर रहा है, जबकि 'गांधी विद्या संस्थान' गांधी दर्शन पर शोध कर रहा है। इन दोनों संस्थाओं को ज़रूरत के समय ख़त्म करने की सत्ताधारी पार्टी की कोशिश बेहद चिंताजनक है। यदि काशी रेलवे स्टेशन के विस्तार के लिए वाराणसी में वह स्थान आवश्यक है तो 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' और 'गांधी विद्या संस्थान' के लिए अन्यत्र ऐसी ही व्यवस्था कर उन दोनों संस्थानों को वहां से हटाया जा सकता था, लेकिन वैसा नहीं हुआ।

आखिर 2003 में फेल हुई केंद्र सरकार की योजना अब कैसे सफल हुई? इस बार केंद्र सरकार ने 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' और 'गांधी विद्या संस्थान' के साथ गांधी दर्शन को दफन करने का सही समय ढूंढ लिया है। 'सर्व सेवा संघ प्रकाशन' और 'गांधी विद्या संस्थान' जैसी पवित्र संस्थाओं के पतन के लिए अंततः यही सत्ता और उसके पथभ्रष्ट लोग जिम्मेदार हैं।

(लेखक ओडिशा में पीथापुर, कटक स्थित वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

तुर्किए ने 942 आतंकवादियों को किया निष्प्रभावी

अंकारा। तुर्किए ने जनवरी से अब तक 942 'आतंकवादियों' को 'निष्प्रभावी' किया है। यह जानकारी तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को एक रिपोर्ट में दी। गौरतलब है कि तुर्किये के अधिकारी अक्सर 'निष्प्रभावी' शब्द का उपयोग यह दर्शाने के लिए करते हैं कि 'आतंकवादियों' ने आत्मसमर्पण कर दिया है या मारे गए हैं या पकड़े गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार इसके अलावा सुरक्षा बलों ने अवैध रूप से सीमा पार करने वालों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान अन्य 347 'आतंकवादियों' को गिरफ्तार किया है। तुर्किये के सुरक्षा बल वर्षों से देश भर में और पड़ोसी इराक तथा सीरिया में 'आतंकवादियों' के खिलाफ अभियान चला रहे हैं।

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली 9 अगस्त को भंग होगी : शहबाज

इस्लामाबाद, 4 अगस्त (एजेंसियां)। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार को अपने गठबंधन सहयोगियों से कहा कि नेशनल असेंबली (संसद के निचले सदन) को भंग करने की समरी 9 अगस्त को पेश की जाएगी।

प्रधानमंत्री ने अपने गठबंधन सहयोगियों के लिए देश की राजनीतिक स्थिति और आम चुनावों पर चर्चा की

प्रधानमंत्री ने अपने गठबंधन सहयोगियों के लिए आयोजित रात्रिभोज के दौरान यह आश्वासन दिया, जहां देश की राजनीतिक स्थिति और आम चुनावों पर चर्चा की गई।

बैठक की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि प्रधानमंत्री

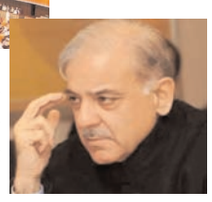

ने अपने गठबंधन सहयोगियों को सूचित किया कि वह शुक्रवार से कार्यवाहक प्रधानमंत्री पर नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता राजा रियाज के साथ परामर्श शुरू करेंगे। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि परामर्श दो से तीन दिनों के भीतर पूरा हो जाएगा। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 12 अगस्त को खत्म हो जाएगा और अगर यह अपना निर्धारित समय पूरा कर लेती है तो 60 दिनों के भीतर चुनाव कराए जाएंगे। हालाँकि, संविधान कहता है कि यदि असंबली अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले भंग हो जाती है तो चुनाव 90 दिनों के भीतर होने चाहिए। यदि 9 अगस्त को संसद के निचले सदन को भंग करने के लिए समरी पेश किया जाता है तो यह 90 दिनों के भीतर चुनाव कराने के लिए पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) के प्रति उत्तरदायी होगा। हालांकि, जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल असेंबली भंग होने से पहले सरकार और विपक्ष को कार्यवाहक प्रधानमंत्री के लिए एक नाम पर सहमत होने की जरूरत है। द न्यूज ने बताया कि पिछले महीने, पीएम शहबाज ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री के चयन और नेशनल असेंबली को भंग करने पर परामर्श करने के लिए पीएमएल-एन की पांच सदस्यीय समिति का गठन किया था।

यूएन में भारत ने पाकिस्तान से कहा | अपनी समस्याओं पर दे ध्यान पाकिस्तान

संयुक्त राष्ट्र। *संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों द्वारा भूख हॉटस्पॉट में से एक के रूप में नामित होने के दौरान आतंकवाद का सहारा लेने पर भारत ने पाकिस्तान से कहा कि दूसरों के खिलाफ आरोप लगाने के बजाय अपनी समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना सबसे अच्छा है। सुरक्षा परिषद में गुरुवार को खाद्य सुरक्षा पर चर्चा के दौरान पाकिस्तान द्वारा कश्मीर मुद्दा उठाए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए, भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन के परामर्शदाता आर. मधु सूदन ने कहा, इस परिषद के समय का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए, मेरा सुझाव है कि संबंधित प्रतिनिधिमंडल अपने मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करें।*

मुझे सेना ने बंधक बनाया : नाइजर के राष्ट्रपति

नियामे, 4 अगस्त (एजेंसियां)। नाइजर के राष्ट्रपति मोहम्मद बाजौम ने कहा है कि देश के सैन्य समूह ने उन्हें बंदी बना लिया है। 'वाशिंगटन पोस्ट' में प्रकशित रिपोर्ट के अनुसार श्री बाजौम ने अमेरिका तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय से नाइजर में संवैधानिक व्यवस्था को बहाल करने के लिए हस्तक्षेप करने की गुजारिश की है। श्री बाजौम ने कहा, मैंने बंधक लिखा है। नाइजर पर सैन्य समूह ने हमला किया है, जो हमारे लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं भी देश के उन सैकड़ों नागरिकों में शामिल हूं, जिन्हें मनमाने और अवैध रूप से कैदी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि सैन्य तख्तापलट का कोई औचित्य नहीं है और यदि यह सफल होता है, तो इसके नाइजर और पूरी दुनिया के लिए विनाशकारी परिणाम होंगे। उन्होंने ने अमेरिकी सरकार और पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय से नाइजर में संवैधानिक व्यवस्था बहाल करने में मदद करने का आह्वान किया। उनका दावा है कि तख्तापलट की साजिश रचने वालों ने झूठा दावा किया कि उन्होंने नाइजर की सुरक्षा की रक्षा के लिए काम किया।

अमेरिका व अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप करने की गुजारिश

इसके अलावा श्री बज़ौम ने दावा किया कि तख्तापलट के साजिशकर्ताओं और उनके क्षेत्रीय सहयोगियों के खुले निमंत्रण से संपूर्ण मध्य साहेल क्षेत्र वैगनर समूह के माध्यम से रूसी प्रभाव में आ सकता है। उल्लेखनीय है कि इस सप्ताह की शुरुआत में विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि अमेरिका ने अभी तक ध्यान नहीं दिया है कि वैगनर समूह नाइजर में स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है।

सुडोकू 6277

								7
8	2					6	9	
		4		3		5	2	
		2			9	1	6	
3			1		6			2
	1	8	2			7		
	4	5		2		3		
	8	6					1	5
7								

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6277

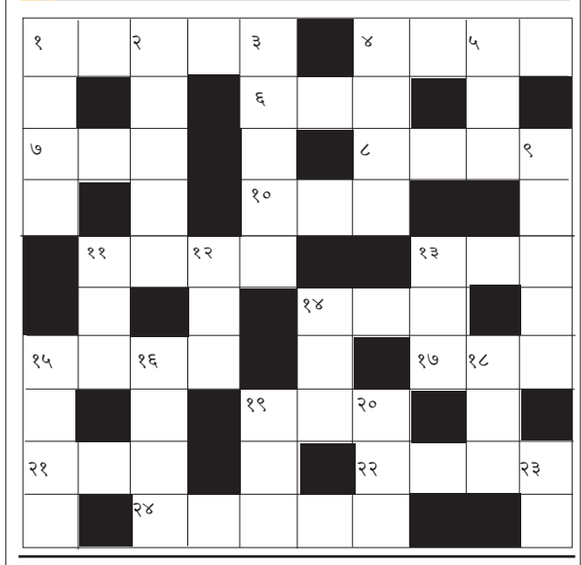

बायें से दायें:-

१. हानिकारक, अपकार करने वाला अकल्याणकारी
४. 'एजेंट'
५. रुकना, ठहरना, चालू न रहना, बंद हो जाना
७. ओर, पक्ष (उर्दू)
८. झूठ बोलने वाला
१०. जो भारी न हो
११. पूरी ताकत के साथ
१३. अनुवाद (उर्दू)
१४. गुरुता, भारीपन, गौरव, महत्ता
१५. बंधुत्व
१७. रानी (उर्दू)
१९. अग्नि
२१. उपवन, वाटिका
२२. अवलंबित होना, आश्रयहीन, नीचे की ओर झुलना
२४. निर्माण संबंधी सृजनात्मक

ऊपर से नीचे:-

१. चेतनाहीन, जड़
२. पक्षपाती (उर्दू)
३. सारथि
४. छोटी उंगली और बीच की उंगलियों के बीच की उंगाली
५. जलपान, नाश्ता
९. दीपावली
११. हित, कल्याण, उपकार
१२. आश्रय, टेक, आलंब, भरोसा, मदद (उर्दू)
१३. संपूर्ण, समस्त (उर्दू)
१४. आकाश, नभ
१५. किस्मतवर
१६. चापलूस
१८. लेखक, लिपिकार
१९. पूजा, उपासना
२०. लालच, तीव्र इच्छा
२३. स्त्री, महिला

वर्ग पहेली-6276

वि	वा	दा	स्प	द	■	प	रि	सं	ख्य
व	■	र	■	र	ग	ड़	■	जी	■
र	ह	म	■	■	■	ता	बे	दा	र
ण	■	दा	■	हा	सि	ल	■	■	न
■	प	र	स्प	र	■	क	फ	स	
	ल	■	र्श	■	ज	न	नी	■	मू
म	ल	य	ज	■	र्ज	■	ज	ग	ह
ज	■	म	■	प	र	त	■	वा	■
दू	स	रा	■	ठि	■	प	री	क्ष	क
र	■	ज	न्मां	त	र	■	■	■	र्ज

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : शनिवार 5 अगस्त , 2023 श्रावण कृष्ण पक्ष 4

राशिफल

मेष -आप का दिन अस्वस्थता और चिंता में गुजरेगा। सर्दी, कफ और बुखार आपको हो सकता है। किसी का भला करने की जगह आज अपने काम में ही व्यस्त रहें। किसी से पैसों का लेन-देन न करें।

वृषभ -आज का दिन शुभ फलदायी है। धन वृद्धि तथा पदोन्नति होने के योग हैं। व्यापार के लिए किए गए सौदे में सफलता मिल सकती है। परिजनों तथा मित्रों के साथ बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

मिथुन -आज का दिन शुभ तथा अनुकूलता से भरा होगा। ऑफिस में सहकर्मचारी तथा अधिकारी के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। सामाजिक दृष्टि से आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। पदोन्नति के योग हैं।

कर्क -आज आप धार्मिक काम और पूजा-पाठ में व्यस्त रहेंगे। मंदिर या किसी धार्मिक आयोजन में जाने का प्रसंग बन सकता है। परिजनों के साथ आनंदपूर्वक समय गुजरेगा। स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा। मन भी चिंता रहित होगा।

सिंह -आज आपको हर काम संभलकर करना चाहिए। स्वास्थ्य के प्रति ध्यान दें। स्वास्थ्य बिगड़ने से आकस्मिक खर्च आ सकता है। परिजनों के साथ वाद-विवाद हो सकता है। नियम विरुद्ध कोई काम आज ना करें।

कन्या -आपका आज का दिन अनुकूलता से भरा रहेगा। जीवनसाथी के साथ आप निकटता के क्षण का आनंद उठा सकेंगे। दांपत्यजीवन में मधुरता रहेगी। किसी नए व्यक्ति की ओर से आकर्षण अनुभव करेंगे।

तुला -घर में शांति और आनंद का वातावरण रहेगा। सुखदायक घटनाएं घटेंगी। कार्य में यश और सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य बना रहेगा। आवश्यक काम के पीछे धन खर्च होगा। नौकरी में सिद्धि और सफलता मिलेगी।

वृश्चिक -आप के गृहस्थ जीवन में शांति एवं आनंद का वातावरण होगा। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा। बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। दफ्तर में सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा।

धनु -आज आप यात्रा प्रवास टालें, क्योंकि पेट संबंधी बीमारी और समस्या हो सकती है। संतान के स्वास्थ्य और पढ़ाई की चिंता बनी रहेगी। किसी काम में सफलता नहीं मिलने से मन व्याकुल रहेगा। क्रोध की भावना पर संयम रखें।

मकर -आज आप का शारीरिक स्वास्थ्य और मनोदशा अच्छी नहीं होगी। परिवार में झगड़े के वातावरण से खिन्नता होगी। शरीर में ताजगी और स्फूर्ति का अभाव होगा। रिश्तेदारों से मनमुटाव हो सकता है।

कुंभ -आज आप मानसिक रूप से अपने आपको बहुत हलका महसूस करेंगे। मन में छाए हुए चिंता के बादल दूर हो जाने से उत्साह में वृद्धि होगी। घर में भाई-बहनों के साथ मिलकर कोई नया काम करेंगे।

मीन -आनंद- उत्साह और तन-मन की प्रसन्नता आपमें चेतना और स्फूर्ति का संचार करेंगे। नए कार्य हाथ में लेंगे, तो उसमें सफलता मिलेगी। धार्मिक मांगलिक प्रसंगों में जाएंगे। मन में कोई निर्णय लेते समय दुविधा की स्थिति रहेगी।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1775- बंगाल नवाब के अधिकारी नंदकुमार को कलकत्ता (अब कोलकाता) में फांसी दी गई।
1874- जापान ने डाक बचत प्रणाली शुरू की।
1914- अमेरिका में पहली बार इलेक्ट्रिक ट्रैफिक लाइट लगाई गई।
1914- क्यूबा, उरुग्वे, मैक्सिको और अर्जेंटीना ने प्रथम विश्व युद्ध में भाग नहीं लेने की घोषणा की।
1915- प्रथम विश्व युद्ध में वारसा पर जर्मनी का अधिकार हो गया यह क्षेत्र पहले रूस के अधिकार में था।
1921- अमेरिका और जर्मनी ने बर्लिन शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
1923- हेनरी सुलिवान इंग्लिश चैनल पार करने वाले पहले अमेरिकी तैराक बने।
1930- अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रॉंग का जन्म।
1949- इक्वाडोर की राजधानी क्विटो में 6.7 की तीव्रता के भूकंप से छह हजार लोगों की मौत।
1960- अफ्रीकी देश बुर्किनाफासो ने स्वतंत्रता की घोषणा की।
1962- मशहूर हॉलीवुड अभिनेत्री मर्लिन मुनरो अपने लॉस एंजेलिस स्थित आवास पर मृत पाई गईं।
1963- रूस ब्रिटेन और अमेरिका ने मॉस्को में परमाणु परीक्षण निषेध सन्धि की।
1974- बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल देवगन का जन्म।
1991- न्यायमूर्ति लीला सेठ दिल्ली उच्च न्यायालय में पहली महिला न्यायधीश बनीं।
2011- नासा के वैज्ञानिकों ने साइंस पत्रिका में मंगल ग्रह पर पानी होने का दावा किया।

विदेशों से पार्थिव शरीर के लिए ऑनलाइन सुविधा

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशों में प्राण त्यागने वाले भारतीय नागरिकों के पार्थिव शरीर को स्वदेश लाने की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए सरकार ने ई. केयर पोर्टल की शुरुआत की है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया शुक्रवार को इस पोर्टल की शुरुआत की। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल और डॉ. प्रवीण भारती पवार तथा तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री श्री एम सुब्रमण्यम मौजूद रहे। श्री मांडविया ने कहा कि इससे मानव अवशेषों के परिवहन की प्रक्रिया सुव्यवस्थित और तेज होगी। प्रो. बघेल ने कहा कि जब किसी व्यक्ति की दूसरे देश में मृत्यु हो जाती है, तो मृतक के अवशेषों को भारत वापस लाने के लिए बहुत सारी कागजी कार्रवाई और प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ता है, जिससे परिवार और दोस्त निराश हो जाते हैं। इस मुद्दे की संवेदनशीलता को समझते हुए और न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के सिद्धांत का पालन करते हुए, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने ये कदम उठाया है।

मेक्सिको में खाई में गिरी बस, 17 की मौत

मेक्सिको सिटी, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिमी मैक्सिकन प्रांत नायरिट के पहाड़ी रास्ते पर गुरुवार तड़के एक यात्री बस 164 फुट गहरी खाई में गिर गई, जिसमें 17 लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। बस में छह भारतीय भी सवार थे।

छह भारतीय भी बस में थे वार

डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, नायरिट की अग्निशमन सेवा के एक सूत्र ने कहा कि छह भारतीय नागरिक बस में सवार थे। यह बस एलीट पैसेंजर लाइन का हिस्सा थी, जो बुधवार को मैक्सिको सिटी से रवाना हुई थी। बस का दक्षिणी कैलिफ़ोर्निया के सीमावर्ती शहर तिजुआना जा रही थी। ब्रितानी दैनिक ने बताया कि मैक्सिकन अखबार अल फिनानसीरो द्वारा प्रकाशित जीवित बचे लोगों के नामों की एक आधिकारिक सूची में चार भारतीय नागरिकों की पहचान 21 वर्षीय राजन सिंह, मंदीप कुमार (22), आदमा काने (46) और हनिडोउ केन के रूप में हुई है।

ड्राइवर, जिसकी पहचान फ़्रांसिस्को के रूप में हुई, दुर्घटना में जीवित बच गया। जांच के लिए उसे हिरासत में ले लिया गया। उसने जांचकर्ताओं को बताया कि गाड़ी चलाते समय उसे झपकी आ गई थी। उसने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और बस रेलिंग को तोड़ते हुए खाई में गिर गई। फुटेज में सबसे पहले बचाव कार्य के लिए पहुंचने वालों को जीवित बचे लोगों की तलाश में ढलान से नीचे उतरते हुए दिखाया गया है। मेल की रिपोर्ट के अनुसार, नायरिट प्रांत के सुरक्षा और नागरिक सुरक्षा सचिव जॉर्ज रोड्रिग्ज ने संवाददाताओं से कहा कि बचाव अभियान बेहद कठिन था क्योंकि खाई काफी गहरी थी।

सुनक संरा महासभा की बैठक में रह सकते हैं अनुपस्थित

लंदन, 4 अगस्त (एजेंसियां)। श्री ऋषि सुनक एक दशक बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में शामिल नहीं होने वाले ब्रिटेन के पहले प्रधानमंत्री बन सकते हैं। ब्रिटिश अखबार 'द टेलीग्राफ' ने सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया है कि श्री सुनक अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर आयोजित होने वाली संरा महासभा की वार्षिक उच्चस्तरीय बैठक में अनुपस्थित रह सकते हैं। अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक न्यूयॉर्क में सितंबर में होने वाली संरा महासभा की बैठक में विश्वभर के नेता जुटेंगे। श्री सुनक ने अभी तक आधिकारिक तौर पर इस बैठक शामिल होने की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है। संरा के लिए आयक्रम को तैयार करने वाले एक सूत्र ने गुरुवार को अखबार से कहा, यह श्री सुनक पर निर्भर है।अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है। अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक श्री सुनक अक्टूबर में होने वाली कंजरवेटी पार्टी की वार्षिक बैठक की तैयारी को लेकर अमेरिका के दौरे पर नहीं जाने का विचार कर रहे हैं। इस बैठक में 2024 में होने वाले चुनाव के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण तैयार किये जाने की उम्मीद है। इसके अलावा श्री सुनक जी-20 की बैठक में शामिल होने के लिए भारत के दौरे पर जाने वाले हैं और मंत्रिमंडल विस्तार की संभावना है। उल्लेखनीय है श्री डैविड कैमरून ब्रिटेन के आखिरी प्रधानमंत्री हैं, जो 2013 में बतौर प्रधानमंत्री संरा महासभा की बैठक में शामिल नहीं हुए थे।

स्विटजरलैंड में कोरोना का एक नया मामला सामने आया

जेनेवा, 4 अगस्त (एजेंसियां)। स्विटजरलैंड में केवल 46 प्रतिशत देशों और क्षेत्रों में जुलाई में कोरोनो वायरस का एक नया मामला दर्ज किया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने यह जानकारी दी। डब्ल्यूएचओ ने गुरुवार को कोविड-19 पर एक साप्ताहिक महामारी विज्ञान अपडेट में कहा, वर्तमान में, वैश्विक स्तर पर परीक्षण में कमी के कारण रिपोर्ट किए गए मामले संक्रमण दर का सटीक प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। इस 28-दिन की अवधि के दौरान, 46 प्रतिशत (234 में से 107) देशों और क्षेत्रों ने डब्ल्यूएचओ को कोरोना के एक नए मामले की सूचना दी। जो 2022 के मध्य से गिरावट आ रही है। जुलाई में डब्ल्यूएचओ को 10 लाख से अधिक नए कोविड-19 मामले बताए गए और पिछले महीने संक्रमण से लगभग 3,100 लोगों की मौत हो गई। तीस जुलाई तक, विश्व स्तर पर डब्ल्यूएचओ को पुष्टि किए गए कोविड-19 के 76.80 करोड़ मामले और 69 लाख कोरोनो वायरस से संबंधित मौतों की सूचना दी गई है।

परेशानी *संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन ने जारी की रिपोर्ट*

खाद्य वस्तुओं की कीमतों में आई तेजी

रोम, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारत से चावल के गैर-बासमती चावल निर्यात पर प्रतिबंध और काला सागर से सटे देशों से अनाज की आपूर्ति बाधित होने के कारण चालू वर्ष के जुलाई में अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद्यान्न की कीमतों में मजबूती आयी है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने गुरुवार को यहां एक रिपोर्ट में कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद्यान्न की कीमतों में 1.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है।

जुलाई 2022 में खाद्यान्न की कीमतों में 11.8 प्रतिशत की गिरावट आयी थी। रिपोर्ट के अनुसार, चावल मूल्य सूचकांक में इस महीने में 2.8 प्रतिशत तक तेजी आयी है और साल में 19.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो सितंबर 2011 के बाद से सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है। भारत ने 20 जुलाई को गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल की कीमतों में तेजी देखी गयी है। इससे आपूर्ति श्रृंखला पर भारी दबाव है। एफएओ ने कहा कि चावल के निर्यात पर प्रतिबंध के कारण गरीब आबादी पर गहरा संकट आने की आशंका है। इसका असर खरीद, उत्पादन और उपभोग पर पड़ सकता है जिसके दूरगामी परिणाम होंगे। कई देशों को घरेलू स्तर पर उच्च मुद्रास्फीति का सामना कर पड़ सकता है। गरीबों लोगों को मुख्य भोजन चावल ही है क्योंकि यह सस्ता है लेकिन चावल की बढ़ती कीमतों पर दुनिया भर में पर्याप्त खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंता हो गयी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्राजील और भारत में गन्ने की अच्छी फसल होने की वजह से एफएओ के चीनी मूल्य सूचकांक में 3.9 प्रतिशत की गिरावट आई है। दुनिया के सबसे बड़े चीनी आयातकों इंडोनेशिया और चीन की मांग में भी कमी आई है। इस वर्ष में भारत में गन्ना उत्पादक क्षेत्रों में मानसून की अच्छी बरसात हुई है जिसके कारण चीनी का उत्पादन बढ़ने के आसार हैं। एफएओ के वनस्पति तेल मूल्य सूचकांक में तेजी से बढ़ोतरी हुयी है, जिसमें सात महीनों तक लगातार गिरावट के बाद जून से 12.1 प्रतिशत तक वृद्धि हुयी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सूरजमुखी तेल मूल्यों में इस महीने में 15 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी इसलिए हुयी है क्योंकि रूस ने काला सागर से अनाज की आपूर्ति नहीं करने का निर्णय लिया है। प्रमुख उत्पादक देशों में पाम, सोया और रेपसीड तेलों का उत्पादन नहीं करने की आशंका के चलते, दुनिया भर में इनकी कीमतें बढ़ गई।

■ अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद्यान्न की कीमतों में 1.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज

दुनिया को जानें

अमेजन वनों की कटाई सबसे निचले स्तर पर आई

ब्राजीलिया, 4 अगस्त (एजेंसियां)। ब्राजील में अमेज़न वर्षावन में वनों की कटाई का स्तर 2017 के बाद से सबसे निचले स्तर पर आ गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, ब्राजील की अंतरिक्ष एजेंसी इनपे द्वारा गुरुवार को साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने देश में 500 वर्ग किमी वर्षावनों को साफ किया गया, जो जुलाई 2022 की तुलना में 66 प्रतिशत कम था। इंपे ने कहा कि 2023 के पहले सात महीनों में काटे गए जंगल का क्षेत्र 2022 में इसी अवधि में काटे गए जंगल की तुलना में कम है। एजेंसी के आंकड़ों से यह भी पता चला कि अधिकारी अवैध कटाई में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। बीबीसी ने इंपे के हवाले से बताया कि इस साल के पहले सात महीनों में लगाया गया जुर्माना 400 मिलियन डॉलर से अधिक हो गया है, जो पहले के मुकाबले लगभग 150 प्रतिशत की वृद्धि है। जब जनवरी में राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डी सिल्वा ने पदभार संभाला, तो उन्होंने अपने पूर्ववर्ती जायर बोल्सोनारो के चार साल के कार्यकाल के दौरान हुए नुकसान को रोकने का वादा किया था।

प्रादेशिकी

राहुल गांधी और कांग्रेस को रोकना असंभव: अग्निहोत्री

ऊना, 4 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री उच्चतम न्यायालय द्वारा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने के फैसले को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि सत्यमेव जयते, सत्य की जीत हुई है। श्री अग्निहोत्री पत्रकार वार्ता में यह बात कही। उन्होंने कहा कि हिमाचल कांग्रेस, प्रदेश सरकार और कार्यकर्ताओं की तरफ से राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से विपक्ष की आवाज को दबाने का षड्यंत्र हुआ यह पूरे देश ने देखा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की आवाज को दबाने का प्रयास हुआ ,राजनीति से खत्म करने का प्रयास हुआ लेकिन न्यायालय ने सच की जीत का दरवाजा खोला है।

मुख्यमंत्री ने राहुल की सजा पर रोक के निर्णय का स्वागत किया

शिमला, 4 अगस्त (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की सजा पर सर्वोच्च न्यायालय से रोक लगने का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को देश की न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और अंत में सत्य की जीत हुई है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संसद में लगातार केन्द्र सरकार की जन विरोधी नीतियों और विघटनकारी राजनीति के विरूद्ध आवाज उठा रहे थे, इसीलिए केन्द्र सरकार ने उन्हें राजनीतिक रूप से प्रताड़ित करने का षडयंत्र रचा। भारत जोड़ो यात्रा के सफल आयोजन से जनता की आवाज बन चुके राहुल गांधी की संसद सदस्यता केन्द्र सरकार के इशारे पर जल्दबाजी में समाप्त कर उनकी आवाज को दबाने का प्रयास किया गया। लेकिन अब उन्हें सर्वोच्च न्यायालय ने राहत दे दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी अब जल्द ही संसद में जा सकेंगे और एक बार फिर नफरत की राजनीति के खिलाफ लोगों की आवाज को बुलंद करेंगे तथा जनता के मसलों को जोरदार ढंग से संसद में उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह निर्णय न सिर्फ कांग्रेस पार्टी के लिए अच्छा है बल्कि पूरा विपक्ष एक बार फिर राहुल गांधी के

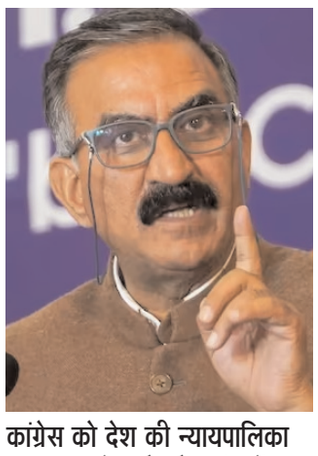

कांग्रेस को देश की न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और अंत में सत्य की जीत हुई है। राहुल गांधी संसद में लगातार केन्द्र सरकार की जन विरोधी नीतियों और विघटनकारी राजनीति के विरूद्ध आवाज उठा रहे थे: सुखविंदर सिंह सुक्खू, मुख्यमंत्री

नेतृत्व में एकजुट होगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में 2024 के आम चुनावों में 'इंडिया' पूरी मजबूती के साथ भाजपा की दमनकारी नीतियों का मुकाबला करेगा।

सूबे में आदर्श स्वास्थ्य संस्थान बनाने की कवायद तेज हुई

शिमला। सूबे में आदर्श स्वास्थ्य संस्थान बनाने की कवायद तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की बजट घोषणा को अमलीजामा पहनाते हुए स्वास्थ्य विभाग ने आदर्श स्वास्थ्य संस्थान खोलने का ब्लू प्रिंट तैयार किया है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ धनी राम शांडिल ने बताया कि प्रदेश के हर दो विधान सभा क्षेत्रों में एक-एक स्वास्थ्य संस्थान खोला जाएगा। 68 विधान सभा क्षेत्रों में 34 आदर्श स्वास्थ्य संस्थान होंगे। प्रत्येक स्वास्थ्य संस्थान में 6-6 विशेषज्ञ चिकित्सक होंगे। उन्होंने कहा कि मेडिकल कालेजों से निकलने वाले विशेषज्ञ चिकित्सकों की इन संस्थानों में तैनाती होगी। उन्होंने कहा कि आदर्श स्वास्थ्य संस्थानों में मेडिसिन, सर्जरी, पेड्रियटिक्स, गायनी, ऑर्थोपेडिक, एनएसथीसिया विशेषज्ञ डॉक्टर तैनात किए जाएंगे स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सभी संस्थानों में कम से कम 6 विशेषज्ञ डॉक्टर तैनात जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरंभ में रीजनल अस्पताल जिला अस्पताल सहित अन्य संस्थान आदर्श बनाए जायेंगे। इस बारे जल्द ही अधिसूचना जारी होगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार ने हिमाचल में लोगों को घर द्वार पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के मकसद से सरकार हिमाचल में आदर्श संस्थान बना रही है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के अधिकांश अस्पतालों में स्वास्थ्य विशेषज्ञों की भारी कमी है। यहां तक कि कई जिला स्तर के अस्पतालों में सभी विशषज्ञ डॉक्टर नहीं है। हालात यह है कि कई अस्पताल में सर्जरी के डॉक्टर हैं, लेकिन एनेस्थसिया नहीं है। ऐसे में यहां सर्जरी नहीं हो रही है। इसी तरह स्त्री रोग विशेषज्ञों व मेडिसिन के डॉक्टरों की कमी है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इन संस्थानों में प्रदेश के मेडिकल कॉलेज से निकलने वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों को नियुक्तियां दी जाएगी। बॉक्स आईजीएमसी को जल्द मिलेगी नई एमआरआई मशीन आईजीएमसी की एमआरआई मशीन बार.बार खराब हो रही है। नतीजतन रोगियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है हाल ही में भी एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें लोग रात तक एमआरआई टेस्ट का इंतजार कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस मशीन के लिए टेंडर करवा दिए गए हैं , जल्द ही इन मशीन को उपलब्ध करा दिया जाएगा। एक सवाल के जवाब में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ऑर्थोपेडिक इंप्लांट्स नवगठित हिमाचल प्रदेश मेडिकल कॉरपोरेशन के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे।

राहुल गांधी को प्रतिभा ने दी बधाई

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सांसद प्रतिभा सिंह ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को उच्चतम न्यायालय द्वारा मानहानि मामले पर रोक लगाने के फैसले पर खुशी प्रकट करते हुए राहुल गांधी को बधाई दी हैं। उन्होंने इस फैंसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आज देश के लोकतंत्र की जीत हुई हैं। प्रतिभा सिंह ने कहा है कि सत्य परेशान हो सकता है पराजित नही। आज सत्य की जीत हुई है।

आईएएस के घर में काम ना करने की मिली सजा आउटसोर्स कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

- स्वयं आउट सोर्स पर तैनात इन कर्मियों ने मीडिया के समक्ष इसका खुलासा किया
- तीन कर्मियों में एक दिव्यांग महिला कर्मचारी भी है
- कार्यालय के बजाय घर पर काम करने का विरोध जताने पर अब इन कर्मियों की नौकरी पर बन आई

शिमला, 4 अगस्त (देशबन्धु)। एनएचएम में आउट सोर्स पर तैनात 3 कर्मचारियों द्वारा स्वास्थ्य विभाग से जुड़े आईएएस के घर में काम करने से मना करने पर उन्हें सचिवालय में तैनात आईएएस अधिकारी द्वारा हटाने के आदेश जारी किए गए हैं इस बात का खुलासा स्वयं आउट सोर्स पर तैनात इन कर्मियों ने मीडिया के समक्ष इसका खुलासा किया है। कार्यालय के बजाय घर पर काम करने का विरोध जताने पर अब इन कर्मियों की नौकरी पर बन आई है। तीन कर्मियों में एक दिव्यांग महिला कर्मचारी भी है। इन तीनों कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू व सरकार से नौकरी बचाने की गुहार लगाई है। तीन कर्मचारियों में से दो अनिल व सोहन लाल ने बताया कि वह एनएचएम में आउट सोर्स पर हैं। अनिल का कहना है कि उन्हें कार्यालय की जगह अफसर के घर में काम करने के लिए कहा जा रहा है। उनकी पारिवारिक दिक्कतें हैं। घर में बुजुर्ग हैं। कोई NI रोगी भी है। लिहाजा घर में काम करने के लिए इनकार करने पर उन्हें दूसरी जगह काम करने को कहा जा रहा है। सोहन लाल का कहना है कि वह कुछ सालों से सचिवालय में ही तैनात हैं। मगर अबउन्हें घर में काम करने को कहा जा रहा है। फरवरी माह में वह छुट्टी लेर गए, मगर अब कहा जा रहा है कि बगैर सूचना के आप छुट्टी गए हैं। कर्मचारियों के अनुसार उन्होंने घरेलू कार्य को करने से जब मना किया तो उन्हें अब नौकरी से हाथ धोने की नौबत आ गई है ऐसे में इन कर्मचारियों ने सरकार और मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप गुहार लगाई है। तीन कर्मचारियों में एक महिला कर्मी नीना भी शामिल है जिनका कहना है कि वे एकल महिला हैं। इस नौकरी पर पूरी तरह निर्भर है। इसके साथ ही वह हैंडीकैप्ड भी है जिस कारण घरेलू कार्य को नहीं कर पाती।

सेवाएं संतोषप्रद नहीं पाई गईं

उधर एनएचएम में आउट सोर्स पर तैनात करने वाली कंपनी की तरफ से इन कर्मियों को नौकरी से निकाले जाने का फरमान भी थमा दिया गया है। फरमान में साफ कहा है कि है कि आपकी सेवाएं संतोषप्रद नहीं पाई गई हैं। पत्र में अनिल, सोहन व नीना को कार्य भार मुक्त करने की बात कही गई है।

सार संक्षेप

पंजाब में अनधिकृत कॉलोनियों, निर्माणों के विरुद्ध शिकायतों के लिए वाट्सऐप नंबर जारी

चंडीगढ़। पंजाब में नगर निगमों, नगर कौंसिलों और नगर सुधार ट्रस्टों के अधिकार क्षेत्र में अनधिकृत निर्माणों के मुद्दे को हल करने की कोशिश के तौर पर स्थानीय निकाय और संसदीय मामलों संबंधी मंत्री बलकार सिंह ने लोगों की सुविधा के लिए शुक्रवार को एक वाट्सएप नंबर 7889149943 जारी किया है। मंत्री बलकार सिंह ने कहा कि तेज़ी से बढ़ रहे शहरीकरण और आबादी की वृद्धि से अनधिकृत कॉलोनियों और ग़ैर- कानूनी निर्माणों का ख़तरा एक चिंता का विषय बन गया है। इस मुद्दे का प्रभावशाली ढंग से समाधान करने के लिए मंत्री बलकार सिंह ने नागरिकों को ऐसी उल्लंघनाओं की शिकायत करने के लिए एक सुगम और सुविधाजनक प्लेटफार्म प्रदान करने की पहल की है। उन्होंने कहा कि यह वट्टसऐप नंबर 7889149943 अब कार्यशील है, जिससे निवासी अनधिकृत निर्माणों और कॉलोनियों के बारे शिकायतें दर्ज करवा सकते हैं। सम्बन्धित कानूनों और नियमों को लागू करने को यकीनी बनाने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा सभी शिकायतों की समीक्षा की जायेगी और तुरंत कार्यवाही की जायेगी।

राजस्थान में नाबालिग का अपहरण कर सामूहिक बलात्कार, एक गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के डूंगरपुर जिले में 10वीं कक्षा में पढ़ने वाली एक नाबालिग लड़की का कथित तौर पर पांच लड़कों ने अपहरण कर लिया और उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। पुलिस ने कहा कि मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, बाकी आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी जारी है। डूंगरपुर एसपी कुंदन कंवरिया ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मांडवा खापरदा निवासी राजू मीना के रूप में हुई है। राजू समेत पांच आरोपियों ने, जो लड़की को पहले से जानते थे, बुधवार को स्कूल से घर लौटते समय उसका अपहरण कर लिया। वे उसे उसके गांव से लगभग 40 किमी दूर बिछीवाड़ा जंगल ले गए। पीड़िता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि दुष्कर्म के बाद आरोपी उसे डूंगरपुर शहर के माथुगामड़ा रोड पर छोड़कर भाग गए। पीड़िता ने एक सब्जी विक्रेता से फोन लेकर मदद के लिए अपने रिश्तेदारों को फोन किया और घटना की जानकारी दी। गुरुवार को आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

सुडोकू 6277 का हल

5	3	1	6	9	2	8	4	7
8	2	7	4	1	5	6	9	3
9	6	4	8	3	7	5	2	1
4	5	2	3	7	9	1	6	8
3	7	9	1	8	6	4	5	2
6	1	8	2	5	4	7	3	9
1	4	5	9	2	8	3	7	6
2	8	6	7	4	3	9	1	5
7	9	3	5	6	1	2	8	4

मुख्य सचिव द्वारा सेवानिवृत्त डीडीपीओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश

चंडीगढ़, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्य सचिव अनुराग वर्मा ने शुक्रवार को 100 एकड़ पंचायत भूमि को निजी व्यक्तियों को हस्तांतरित करने में की गई अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए वित्तीय आयुक्त, ग्रामीण विकास और पंचायत, पंजाब को सेवानिवृत्त डीडीपीओ कुलदीप सिंह और उनके अन्य लाभार्थियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। अनुराग वर्मा की ओर से आदेशित जांच में यह बात सामने आई है कि कुलदीप सिंह द्वारा काफी गंभीर अनियमितताएं की गई हैं। कुलदीप सिंह को 24 फरवरी 2023 को एडीसी (डी) पठानकोट के रूप में तैनात किया गया था, जो शुक्रवार था। उन्हें 28 फरवरी 2023 यानी मंगलवार को रिटायर होना था। इसलिए, उन्होंने मामले को अगले ही कार्य दिवस यानी 27 फरवरी 2023 (सोमवार) को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। कुलदीप सिंह ने 27 फरवरी 2023 को ही मामले का फैसला निजी याचिकाकर्ताओं के पक्ष में कर दिया। उन्होंने ग्राम पंचायत को अपने साक्ष्य रिकार्ड पर लाने का कोई अवसर देने की जहमत नहीं उठाई।

जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसे मामलों में 26 जनवरी 1950 से लेकर अब तक की सभी जमाबंदियों की जांच की जानी है। हालांकि, कुलदीप सिंह ने इन जमाबंदियों को रिकॉर्ड पर लेने की जहमत नहीं उठाई। यह पाया गया कि उनके द्वारा की गई अनियमितताएं प्रथम दृष्टया जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण थीं क्योंकि कलेक्टर की शक्तियों का प्रयोग करने वाले अधिकारी को यह अच्छी तरह से पता था कि वह 28 फरवरी 2023 को सेवानिवृत्त हो रहे थे और अपनी सेवानिवृत्ति से 24 घंटे पहले उन्होंने एक मामले का फैसला किया जिसमें 734 कनाल एक मरला (91.75 एकड़) शामलात शामिल थी।

अंतिम फैसला भी राहुल गांधी के पक्ष में आएगा: भूपिंदर हुड्डा

चंडीगढ़, 4 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा ने शुक्रवार को 'मोदी उपनाम' टिप्पणी पर राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। हुड्डा ने एक बयान में कहा, 'उम्मीद है कि अंतिम फैसला भी राहुल गांधी के पक्ष में आएगा क्योंकि मानहानि के मामले में ऐसा फैसला कभी नहीं आया है। यह फैसला स्पष्ट संदेश है कि राहुल गांधी की आवाज को दबाई नहीं जा सकती।' उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं, 'हमें न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है।' हरियाणा के नूंह जिले में हुई हिंसा के बारे में उन्होंने कहा कि यह भाजपा-जेजेपी सरकार की विफलता का नतीजा है। उन्होंने कहा, 'अगर सरकार ने समय पर कदम उठाए होते तो यह हिंसा नहीं होती। कांग्रेस ने हाई कोर्ट की निगरानी में न्यायिक जांच की मांग की है।' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 'भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने खुद स्वीकार किया है कि सरकार से चूक हुई है। सरकार मामले की संवेदनशीलता और स्थिति को समझने और एहतियाती कदम उठाने में पूरी तरह विफल साबित हुई। यहां तक कि स्थानीय पुलिस ने भी तनावपूर्ण स्थिति की जानकारी सरकार को पहले ही दे दी थी।

इसके बावजूद सरकार की ओर से उचित कदम नहीं उठाये गये। लेकिन अब कानून को सभी जरूरी कदम उठाने चाहिए। भड़काने वालों और दंगाइयों को कड़ी सजा दी जानी चाहिए।'

बंद सड़कें खोले सरकार, किसानों, बागवानों की फसलें हो रही हैं बर्बाद : ठाकुर

शिमला, 4 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आज कहा कि सरकार को आपदाओं के कारण बंद पड़ी सड़कों को खोलने का काम युद्ध स्तर पर किया जाना चाहिए। श्री ठाकुर ने कहा कि सड़कें न सही हो पाने की वजह से बागवानों और किसानों के उत्पाद बाज़ार तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सड़कें बंद होने की वजह से सब्जियों और फलों सड़ रही हैं। इससे उन्हें भारी नुक़सान उठाना पड़ रहा है। इसलिए सरकार जल्दी से जल्दी बंद सड़कों को खोलने का इंतज़ाम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे

सिर्फ किसानों बाग़वानों को ही नहीं आम लोगों को भी हर रोज़ परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आपात स्थिति में किसी मरीज़ को कहीं ले जाने में भी लोगों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। लोग सड़कें न सही होने की वजह से मरीज़ों को पालकी पर रखकर घंटों तक पैदल सफ़र कर अस्पताल पहुंचने को विवश हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों और बागवानों के हितों को ध्यान में रखते हुए सड़कों की सही करने के काम में तेज़ी लाने की आवश्यकता है। जिससे कृषि और बाग़वानी उत्पादों को बाज़ार तक आसानी से पहुंचाया जा सके।

पूर्व सैनिकों समेत पांच लोगों से ठगी को लेकर चन्नी पर मामला दर्ज हो : मजीठिया

चंडीगढ़, 4 अगस्त (एजेंसियां)। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) नेता और पंजाब के पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया ने अनुसूचित जाति समुदाय के चार पूर्व सैनिकों और दो अन्य को पंजाब पुलिस में शामिल करने के नाम पर 45 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री चरनजीत सिंह चन्नी के खिलाफ तत्काल आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की है। श्री मजीठिया ने शुक्रवार को यहां पूर्व सैनिकों के साथ पत्रकारों को सम्बोधित करते हुये पंजाब पुलिस पर आरोप लगाया कि उसने धोखाधड़ी के शिकार हुये लोगों द्वारा दायर शिकायत में पूर्व मुख्यमंत्री का नाम शामिल करने से इन्कार कर दिया था। उन्होंने तंज कसते हुये कहा, 'ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान का चन्नी के साथ समझौता हो गया है और यही कारण है कि इस मामले में पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है।' उन्होंने कहा कि चन्नी के

एक विश्वस्त दलजीत सिंह ने चार पूर्व सैनिकों से सम्पर्क कर उन्हें पंजाब पुलिस में उप निरीक्षक (एसआई) पद पर नियुक्त करने का वादा किया था। दलजीत ने दो अन्य लोगों को भी पुलिस में नौकरी दिलाने का वादा किया था। पूर्व सैनिकों में से एक-गुरदियाल सिंह ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए कहा कि वह पुलिस में एसआई के रूप में भर्ती होने के अनुरोध के साथ दलजीत के साथ श्री चन्नी से मिले थे। उन्होंने यह काम होने के लिये 'सेवा पानी' के बारे में पूछा तो श्री चन्नी ने कथित तौर पर उन्हें बताया कि दलजीत उन्हें इस बारे में बता देगा। गुरदयाल ने कहा कि इसके बाद उन्होंने 17 लाख रुपये और अन्य पूर्व सैनिकों जगदीश सिंह ने छह लाख रुपये, दर्शन सिंह और धरमिंदर सिंह ने पांच -पांच लाख रुपये तथा दो अन्य लोगों नवदीप सिंह और बचितर सिंह ने क्रमश: पांच लाख और 3.70 लाख रुपए दिये।

उन्होंने वीडियोग्राफी सबूत के साथ खुलासा किया कि कैसे चन्नी के एक करीबी-रॉबिन ने उनसे व्यक्तिगत रूप से पैसे वसूले थे। इस बारे में अन्य जानकारी देते हुए गुरदयाल सिंह ने कहा, 'मैं चन्नी से अप्रैल 2021 और नवम्बर 2021 में मिला था। चन्नी ने पूर्व सैनिकों के लिये डीजीपी कार्यालय को पत्र भी जारी किया ताकि वे 10 नवम्बर 2021 को डीजीपी से मिल सकें।'

कांग्रेस राजस्थान में फिर से सरकार बनाएगी : गहलोत

जयपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा दी है। इसके बाद राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि सब कुछ सही दिशा में चल रहा है और कांग्रेस राजस्थान में सत्ता में वापसी करेगी। गहलोत ने कहा कि फासीवादी ताकतों में देश में चिंताजनक ट्रेंड है। आजादी के बाद मानहानि के मामले में भी राहुल गांधी पहले शख्स हैं जिन्हें दो साल की पूरी सजा मिली है। सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि आज सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को खारिज कर दिया है। अब सब कुछ सही दिशा में चल रहा है, कांग्रेस राजस्थान में सत्ता में वापसी करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को

सब कुछ सही दिशा में चल रहा है और कांग्रेस राजस्थान में सत्ता में वापसी करेगी, फासीवादी ताकतों में देश में चिंताजनक ट्रेंड है। आजादी के बाद मानहानि के मामले में भी राहुल गांधी पहले शख्स हैं जिन्हें दो साल की पूरी सजा मिली है: अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मोदी उपनाम वाली टिप्पणी को लेकर 2019 के मानहानि मामले में उनकी सजा पर रोक लगा दी और एक सांसद के रूप में उनका दर्जा बहाल कर दिया।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि टिप्पणी उचित नहीं थी और सार्वजनिक जीवन में भाषण देते समय एक व्यक्ति से सावधानी बरतने की उम्मीद की जाती है। पीठ ने कहा कि निचली अदालत के न्यायाधीश ने अधिकतम सजा देने का कोई कारण नहीं बताया है, अंतिम फैसला आने तक दोषसिद्धि के आदेश पर रोक लगाने की जरूरत है।

उत्तराखंड राज्य वन्यजीव बोर्ड की मुख्यमंत्री धामी की अध्यक्षता में हुई बैठक

देहरादून, 4 अगस्त (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में उत्तराखंड राज्य वन्यजीव बोर्ड की 19 वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए बंदरों और जंगली सूअरों की समस्या को दूर करने के लिए फोकस्ड होकर काम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बंदरों के बंध्याकरण के लक्ष्य को दोगुना करने के साथ ही इनका प्रैक्टिकल समाधान प्रस्तुत करने को कहा। मुख्यमंत्री ने मानव वन्यजीव संघर्ष राहत राशि का वितरण 15 दिनों में सुनिश्चित किए जाने की व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। वन्यजीवों के हमले में किसी व्यक्ति की मृत्यु पर राहत राशि को 4 लाख से बढ़ाकर 6 लाख रूपए करने का प्रस्ताव जल्द से जल्द कैबिनेट में लाया जाए।

मुख्यमंत्री ने मानव वन्यजीव संघर्ष को कम किए जाने की दृष्टि से आवश्यक कदम उठाने की बात कही। उन्होंने वनों के समीप गांव में सोलर लाइट लगाए जाने, पब्लिक अवेयरनेस, पर्याप्त मात्रा में वन

कर्मियों की नियुक्ति के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर मानव वन्यजीव संघर्ष अधिक होते हैं, ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित किया जाए। ताकि लोगों को पहले चेतावनी दी जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए बायो फेंसिंग पर कार्य किया जाए। इको टूरिज्म, वाइल्ड लाइफ टूरिज्म और बायो फेंसिंग को बोर्ड की बैठक का नियमित एजेंडा बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड वाइल्डलाइफ हेल्पलाइन का भी लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने बाघों की संख्या में उत्तराखंड के तीसरे स्थान पर रहने पर बधाई देते हुए कहा कि इसमें स्थानीय लोग बधाई के विशेष पात्र हैं। यह राज्य के क्षेत्रफल को देखते हुए महत्तवपूर्ण उपलब्धि है। वाइल्ड लाइफ टूरिज्म की दृष्टि से इसका व्यापक प्रचार किया जाए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि लंबे समय से लंबित टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स का गठन भी शीघ्र किया जाए। उन्होंने कहा टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स बनाकर युवाओं को इससे जोड़ा जाए। वनों से लगे ग्रामीण इलाकों के लोगों की वन्यजीव संरक्षण में अहम भूमिका होती है। ऐसे में लोगों को अधिक से अधिक जागरूक भी किया जाए, समय-समय पर वन्यजीव रेस्क्यू एवं रैपिड एक्शन फोर्स की ट्रेनिंग भी लोगों को दी जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चौरासी कुटिया को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने को टाइम बाउंड तरीके से काम करना होगा। इसमें विलंब होने पर जिम्मेदारी तय की जायेगी। निर्णयों की क्रियान्विति तभी सम्भव है जब सम्बन्धित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्देश पर वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 का संशोधन 2022 लाया गया है। इसके अनेक प्रावधान उत्तराखंड के हित में हैं। इसकी जानकारी संबंधित विभागों के अधिकारियों को जरूर होनी चाहिए। बैठक में बताया गया कि मानव वन्यजीव संघर्ष निवारण प्रकोष्ठ और उत्तराखंड मानव वन्यजीव संघर्ष निवारण निधि की स्थापना की गई है।

सिंचाई के लिए भूमिगत चैनल बिछाने पर दी जाएगी 50 प्रतिशत सब्सिडी : उपायुक्त

नवांशहर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब में नवांशहर के जिला उपायुक्त नवजोत पाल सिंह रंधावा ने शुक्रवार को कहा कि किसानों को सिंचाई के लिए भूमिगत पाइप बिछाने के लिए 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पाइप बिछाने में कुल लागत का 50 फीसदी या 2200 रुपये प्रति हेक्टेयर, जो भी कम हो, सरकार द्वारा वित्तीय सहायता दी जाएगी । रंधावा ने कहा कि भूमिगत जल के लगातार गिरते स्तर को बचाने के लिए सरकार की ओर से लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इसके तहत, भूमि और जल संरक्षण विभाग द्वारा क्षेत्र स्तर पर विभिन्न योजनाएं लागू की जा रही हैं। विभाग द्वारा चलायी जा रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा दौरान नवजोत पाल सिंह रंधावा ने कहा कि भूमिगत नालियां बिछाकर पानी को 25 शत प्रतिशत तक बचाया जा सकता है। जिससे श्रम/ बिजली की बचत होती है और फसल की उपज में वृद्धि से किसान की आय में भी बढ़ोतरी होती है। इस अवसर पर मंडल भूमि रक्षा अधिकारी केशव कुमार और उप मंडल भूमि रक्षा अधिकारी नवांशहर कृष्ण दुग्गल ने कहा कि वर्ष 2023-24 दौरान अब तक सात लाख रुपये खर्च कर 23 हेक्टेयर भूमि में 1880 मीटर पाइपलाइन बिछाई गई है और लगभग तीन लाख रुपये का एस्टीमेट स्वीकृत किया गया है, जिसका काम धान की कटाई के बाद किया जाएगा।

प्रादेशिकी

पूर्व सैनिक के शिक्षक पुत्र ने की आत्महत्या

फर्रुखाबाद,4 अगस्त (देशबन्धु)। पूर्व सैनिक के शिक्षक पुत्र सौरभ दुबे ने शुक्रवार सुबह घर में ही बंदूक से गोली मार कर आत्महत्या कर ली। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। सौरभ कोतवाली फतेहगढ़ के मोहल्ला दुर्गा कॉलोनी निवासी पूर्व सैनिक राकेश दुबे का 24 वर्षीय पुत्र था। सौरभ रात में मां कृष्णा देवी के कमरे में सोया था सुबह करीब सौरभ 4 बजे सौरभ पिता की दोनालू लाइसेंसी बंदूक लेकर छत के जीने पर गया। सौरभ ने जीने में ही चेहरे की ओर बंदूक की नाल रखकर गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर कृष्णा देवी जीने पर गई वहां लहूलुहान बेटे को देखकर विक्षिप्त हो गई। सूचना मिलने पर सीओ सिटी एवं कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल के दौरान आत्महत्या में प्रयोग की गई बंदूक को कब्जे में ले लिया।

योजक बनकर कार्य करें शोधार्थी : योगी

मुख्यमंत्री फेलोशिप कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यरत शोधार्थियों से किया संवाद

लखनऊ, 4 अगस्त (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना के अंतर्गत प्रदेश के आकांक्षात्मक विकासखंडों में कार्य कर रहे शोधार्थी स्वयं को योजक के रूप में मानकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करें। इन प्रयासों से समाज उठ खड़ा होगा। यह देखें कि आपके विकासखंडों में शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान, महिला और इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में कैसे बेहतरीन कार्य किया जा सकता है। जो शोधार्थी अपने तीन साल का टेन्योर मेहनत और प्रतिबद्धता के साथ पूरा करेगा व बेहतरीन शोध प्रबंधन लिखकर प्रस्तुत करेगा, सरकार की ओर से उसे एज रिलेक्सेशन के साथ सरकारी नौकरी में भी वेटेज प्रदान किया जाएगा। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोकभवन में आयोजित मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना से संबंधित कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कही। उन्होंने बताया कि 2018 में नीति आयोग ने देश के 112 जनपदों को आकांक्षात्मक जनपद के रूप में चयनित किया था। इनमें उत्तर प्रदेश के आठ जिले, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, चंदौली, सोनभद्र, चित्रकूट और फतेहपुर जनपद शामिल

2018 में नीति आयोग ने देश के 112 जनपदों को आकांक्षात्मक जनपद के रूप में चयनित किया था : योगी आदित्यनाथ

किए गए। ये वो जनपद थे जो विकास की मुख्य धारा से पीछे छूट गये थे। उत्तर प्रदेश के सभी 8 जनपद देश के 112 आकांक्षात्मक जनपदों की लिस्ट में भी सर्वाधिक पिछड़े स्थान पर थे। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और जल संसाधन, रोजगार, स्किल डेवलपमेंट, फाइनेंशियल इन्क्लूजन और इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में ये जिले पिछड़े थे। मगर ये हर्ष का विषय है कि टीम वर्क और नियमित मॉनीटरिंग के कारण आज हमारे 8 में से 4 जनपद देश के टॉप 10 आकांक्षात्मक जनपद में जबकि, टॉप 20 में सभी हमारे सभी 8 जनपद शामिल हो चुके हैं। बेटियों को कन्या सुमंगला योजना का लाभ मिल रहा है। किसानों को किसान सम्मान निधि और फसल बीमा योजना का लाभ मिल रहा है। आपके विकासखंड में पर्यटन की क्या संभावनाएं हो सकती हैं, ये भी देखें। संचारी रोगों से मुक्त रखने के लिए अपने क्षेत्र में स्वच्छता को लेकर लोगों को जागरूक करें। यही भी सुनिश्चित करें कि आपके क्षेत्र में कैसे बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान की जा सकती है। इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी आवश्यकताओं को भी शासन के अधिकारियों को अवगत कराएं। प्रयास करें कि हर महीने आप 30 ग्राम पंचायतों का दौरा करें और अपनी रिपोर्ट तैयार करें।

भारत के विकास की धुरी हैं गांव : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के विकास की धुरी गांव हैं। ग्रामीण व्यवस्था जितना आत्मनिर्भर होगी, देश और प्रदेश भी उसी अनुपात में आत्मनिर्भर होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि ना तो हमारे पास फंड की कमी है और ना ही मैन पॉवर की। हमारे शोधार्थी जोकि तीन साल के लिए फेलोशिप पर अपने अपने विकासखंडों में कार्य कर रहे हैं वे योजक बनकर कार्य करें। ये सुनिश्चित करें कि हम सरकार की योजनाओं को कैसे जनता के साथ जोड़ सकते हैं। सभी शोधार्थी एक लक्ष्य लेकर चलें कि जबतक उनके फेलोशिप का टेन्योर खत्म हो तबतक उनका ब्लॉक सर्व शिक्षा अभियान में शत प्रतिशत हो, उनका ब्लॉक टीबी मुक्त हो चुका हो। इसके साथ ही किसानों से जुड़ी योजनाओं की जानकारी और महिला एवं बालिकाओं से जुड़ी सरकारी स्कीम भी जनता के बीच लेकर जाएं और योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करें। ये सुनिश्चित करें कि आपके ब्लॉक के हर गांव के शत प्रतिशत बच्चे स्कूल जा रहे हैं।

राहुल मामले में मिली जीत पर बांटी मिठाई

मेरठ,4 अगस्त (देशबन्धु)। शुक्रवार को मवाना नगर में कांग्रेस के पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी दीन मोहम्मद के आवास पर राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल होने की खुशी में इकट्ठा हुए और मिठाई वितरित कर खुशी मनाई।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया और इस जीत को लोकतंत्र एवं सच्चाई की जीत बताया कार्यक्रम में मुख्य रूप से पीसीसी सदस्य एवं जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र जाटव दीन मोहम्मद, रामकृष्ण यादव एडवोकेट, नगर अध्यक्ष जुबेर खांन, महिला नगर अध्यक्ष पूनम शर्मा, परवेज इकबाल, सज्जाद हैदर, हारून कुरेशी, फाजिल एडवोकेट, हाजी इकबाल, हाजी फारूख, हाजी रफीकुद्दीन, जमील अहमद, महबूब अली, हाजी राशिद, अफरीदी, हाजी नईम, दिनेश, इरशाद हैदर आदि भारी संख्या मे लोग मौजूद रहे।

पॉक्सो एक्ट व महिला उत्पीड़न में तत्काल एक्शन लें पुलिस अधिकारी : दुर्गा शंकर

- पॉक्सो, महिला उत्पीड़न, सीसीटीएनएस, आईटी सिस्टम की समीक्षा बैठक संपन्न
- देश भर में कहीं भी अपराध करने पर उनके फिंगर प्रिंट के जरिए होगी पहचान : मुख्य सचिव

लखनऊ, 4 (अगस्त)। प्रदेश के मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में पॉक्सो, महिला उत्पीड़न, सीसीटीएनएस, आईटी सिस्टम की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने आईपीसी की धारा-376 तथा पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत निस्तारण दर में उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्बन्धित सभी पुलिस अधिकारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई देते हुए कहा कि प्रथम स्थान को आगे भी बरकरार रखा जाये। पहले से प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ है, आगे भी जहां भी सुधार की आवश्यकता हो सुधारात्मक कदम उठाये जायें। उन्होंने कहा कि पॉक्सो एक्ट व महिला उत्पीड़न के मामलों में पुलिस अधिकारी तत्काल एक्शन लें। लम्बित प्रकरणों को नियमित मॉनीटरिंग व न्यायालय में प्रभावी कर दोषियों को सजा दिलायी जाये। सजा दिलाने से ही लोगों के अन्दर भय व्याप्त होगा और मामलों में कमी आयेगी।

पुलिस अधिकारियों द्वारा केसेज की संख्या में कमी लाने के लिये भी कार्य करें। लोगों को शिक्षित व जागरूक किया जाये। ऐसे मामले जिनमें मुल्जिमों, प्रदर्शो एवं गवाहों की संख्या कम हो एवं वैज्ञानिक साक्ष्य मजबूत हों, को चिन्हित कर शीघ्रता से निस्तारित कराया जाए। महिलाओं से जुड़े अपराधों में पंजीकृत एफआईआर की जांच प्रक्रिया को दो माह के भीतर पूरा किया जाए। कम्प्लाइंस रेट को और बेहतर किया जाये। फॉरेन्सिक सैम्पल कलेक्शन एवं रिपोर्ट की गोपनीयता बनाये रखने के लिए बार कोड का प्रयोग किया जाए।

सार संक्षेप

गणित को रुचिकर व उपयोगी बनाने के दिए टिप्स

मवाना। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मवाना खुर्द (डायट)में शुक्रवार को जनपद के राजकीयसहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को गणित प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारम्भ प्राचार्य डॉ.अशोक कुमार सिंह ने किया। वरिष्ठ प्रवक्ता गीता चौधरी के मार्गदर्शन में शनिवार तक चलने वाले प्रशिक्षण का संचालन डायट प्रवक्ता रेनु भड़ाना, राजकीय इंटर कॉलेज मेरठ के सतेंद्र कुमार शर्मा व राजकीय इंटर कॉलेज, कायस्थ बड़ढ़ा के प्रवक्ता मनमोहन कुमार ने किया। प्राचार्य डा.अशोक कुमार सिंह ने गणित विषय को रुचिकर बनाने तथा इसकी उपयोगिता के विषय मे प्रतिभागियों को अवगत कराया। गीता चौधरी ने माध्यमिक विद्यालयों में गणित विषय की महत्ता व इसके प्रभावी प्रयोग से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यक्रम संचालिका रेनु भड़ाना ने गणित का कक्षाओं में प्रयोग कैसे करें, विषय पर व्याख्यान दिया तथा प्रवक्ता सतेन्द्र कुमार ने त्रिकोणमिति, राजकीय हाईस्कूल पावलीखास के सहायक अध्यापक अनिल कुमार ने बीजगणित, समस्याएं एवं समाधान व प्रवक्ता अंजली ने त्रिकोण व अन्य विषयों पर व्याख्यान दिए गए। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मवाना खुर्द में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के मंजीत कौर खनूजा, दिनेश कुमार, सिद्दार्थ सैलत का सहयोग रहा।

सात अगस्त से शुरू होगा सघन मिशन इंद्रधनुष

मेरठ। जनपद में आगामी सात अगस्त से सघन मिशन इंद्रधनुष- 5.0 शुरू होगा। तीन चरणों में चलने वाले इस टीकाकरण अभियान में शून्य से पांच वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को नियमित टीके और गर्भवती को टिटनेस-एडल्ट डिप्थीरिया (टीडी) के टीके लगाए जाएंगे। मीडिया को जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.अखिलेश मोहन ने बताया-नियमित टीकाकरण से छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण करने का निर्देश शासन से मिला है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

सरकार पर भारी....

उसकी रणनीति इस प्रस्ताव पर लंबी चर्चा के दौरान सरकार की कमियों और कमजोरियों, मणिपुर में नस्ली हिंसा के जारी रहने, भीड़ के सामने तीन महिलाओं के नग्न परेड, उनके नंगे शरीर के साथ हैवानियत की हद तक जाकर छेड़-छाड़, हरियाणा के मेवात इलाके में सांप्रदायिक हिंसा, जयपुर-मुंबई सेंट्रल ट्रेन में आरपीएफ जवान की सांप्रदायिक हैवानियत (चार लोगों की गोली मारकर हत्या), महंगाई, बेरोजगारी, दलित, ओबीसी, आदिवासियों, महिलाओं के शोषण-उत्पीड़न से लेकर अडानी प्रकरण पर भी सरकार की छीछालेदर तो कर ही सकता है। प्रधानमंत्री को अनिच्छापूर्वक भी अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते समय मणिपुर पर भी बोलना ही पड़ेगा। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा से पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकसभा में वापसी का मार्ग प्रशस्त हो जाने के बाद विपक्ष में नई ऊर्जा का संचार स्वाभाविक है। अविश्वास प्रस्ताव के मद्देनजर यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि चर्चा के दौरान विपक्ष के तमाम शूरमा तो सरकार को उसकी कमियों और गलतियों पर घेरेंगे ही, सत्ता पक्ष के नेताओं-मंत्रियों से लेकर प्रधानमंत्री भी विपक्ष के आरोपों पर आक्रामक पलटवार के साथ अपनी सरकार की उपलब्धियों की बखान भी कर सकते हैं। लेकिन मतदान से पहले अंतिम जवाब विपक्ष की ओर से अविश्वास प्रस्ताव पेश करनेवाले को ही देना होता है। उन्हें सत्तापक्ष के जवाब के मद्देनजर एक बार फिर सरकार पर हमलावर होने का अवसर मिलता है। इसके बाद ही प्रस्ताव पर मतदान होता है।

आलोक सिसोदिया को मिला भारत पीपल रत्न

मेरठ,4 अगस्त (देशबन्धु)। रघुराज पीपल मैन फाउंडेशन ने भाजपा नेता आलोक सिसोदिया को पर्यावरण कार्यकर्ता के रूप में डॉ रघुराज सिंह सीईओ ने भारत पीपल रत्न अवार्ड से सम्मानित किया है। आलोक सिसोदिया जहाँ भाजपा के लंबे समय से कार्यकर्ता के रूप में साथ साथ भाजपा के विभिन्न पदो पर कार्य करने के साथ ही सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में विभिन्न स्वमसेवी संस्थाओं से जुड़ कर पर्यावरण , जलसंचय जैसी समाजिक कार्यक्रमो में भी पूर्ण मनोयोग से कार्य करते रहे है ।श्री सिसोदिया द्वारा गत वर्षों से ,ष्मेरे पित्र मेरा व्रक्षष् अभियान चलाया ,जिसमे अपने पूर्वजों के नाम पर व्रक्ष लगा कर उसका संरक्षण भी सुनिश्चित करवाते है ।उनका उद्देश्य है पृथ्वी पर कितनी तेजी से वृक्षों का कटान हो रहा है उसे पृथ्वी पर आने वाले समय में पर्यावरण के लिए संकट हो जाएगा ।हर मनुष्य को अपने जीवनकाल मे कम से कम 10 वृक्ष जरूर लगाने चाहिए ,इसलिए उन्होंने अपने पूर्वजों के नाम पर वृक्ष लगाने का अभियान चलाया है ।इसी अभियान व हरित प्रेमी के रूप में रघुराज पीपल फाउंडेशन ने भारत पीपल रत्न से सम्मानित किया है । आलोक सिसोदिया ने डॉक्टर रघुराज सिंह का आभार व्यक्त करते हुए अपील की है आम जन भी वृक्षों को अपने परिवार का हिस्सा बनाए।

कॉलोनीवासियों ने 24 घंटे का दिया अल्टीमेटम, हंगामा

- एसडीएम को ज्ञापन, पालिका चेयरमैन का किया घेराव
- कॉलेज प्रबंधन ने गली में खड़ी की दीवार

मवाना,4 अगस्त (देशबन्धु)। फलावदा रोड पर मोहल्ला मुन्नालाल में कृषक इंटर कॉलेज के पीछे बसी हुई कालोनी के लोगों ने शुक्रवार को रास्ते पर दीवार लगाये जाने को लेकर हंगामा किया। उन्होंने एसडीएम को ज्ञापन देते हुए 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया कि रास्ते में कालेज प्रबंध प्रशासन ने पांच फुट ऊंची दीवार खड़ी कर दी है, जिससे करीब पांच सौ परिवारों का रास्ता बंद हो गया है। इस दीवार को सोमवार दोपहर के बाद वे स्वयं तोड़ देंगे। अनेक परिवार के लोग पालिका कार्यालय पहुंचे और वहां पर चेयरमैन का घेराव किया। चेयरमैन ने उनकी समस्या के समाधान करने की बात कही। पूर्व सभासद संजय के साथ सभासद शफीक अहमद, रविन्द्र, सचिन, अंकित गूजर, अनीता, बीना व सुरेशा समेत अनेक लोग शुक्रवार दोपहर तहसील पहुंचे और एसडीएम अखिलेश यादव को बताया कि फ्लावदा रोड पर से मोहल्ला मुन्नालाल को जोड़ने वाली छोटी गली का निर्माण नगर पालिका ने सितंबर 2021 में करीब पांच लाख की लागत से कराया था। रास्ते में दीवार बनादेने से बस्ती के लोगों व बच्चों को स्कूल जाने के लिए तीन किलोमीटर दूर घूमकर जाना पड़ रहा है। शुक्रवार को बच्चे स्कूल नहीं जा पाये। उन्होंने रास्ते पर बनाई गई दीवार को हटाने की मांग उठाई। सरकारी जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया गया है। उन्होंने 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि मजबूरी में लोग इस दीवार को तोड़ने को मजबूर होगी। उधर इस बस्ती के लोग नगर पालिका कार्यालय पहुंचे और चेयरमैन अखिल कौशिक का घेराव किया और कहा कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करके दीवार खड़ी कर दी गई है। दीवार बन जाने से बस्ती के अनेक परिवार परेशान हो गये हैं। बस्ती वालों ने दीवार को हटवाने की मांग की है।

राजस्व टीम भेजकर जांच कराई

मवाना। एसडीएम अखिलेश यादव ने कहा कि दोनों पक्षों की बात सुनकर उन्होंने मौके की जांच करने को नायब तहसीलदार के साथ राजस्व विभाग की टीम भेजी थी। मौके पर जांच करने के बाद उन्होंने रिपोर्ट दी है।

कालेज प्रबंधन का दावा

कृषक इण्टर कालेज मवाना के समस्त स्टाफ ने उपजिलाधिकारी मवाना अखिलेश कुमार यादव व नगर पालिका अध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक से मुलाकात कर विद्यालय की भूमि पर अवैध रूप से निर्मित रास्ते को बन्द करने को प्रार्थना पत्र दिया। स्टाफ ने बताया कि उक्त भूमि(इमारत की सुरक्षा को निर्मित पुस्ता) कृषक इण्टर कालेज मवाना की है, जिस पर कुछ लोगों ने बिना विद्यालय की अनुमति के नगर पालिका के माध्यम से सीसी रोड का निर्माण करा लिया था। इस रास्ते से अराजक तत्वों का आवागमन शुरू हो गया।

उप प्रधानाचार्य नरेश चौधरी ने बताया कि कालेज की इमारत को क्षतिग्रस्त करते हुए खिड़की के सरिये काट कर अनेक बार चोरी का प्रयास किया गया।

राज्य योग खेल प्रतियोगिता में सुभारती के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

- कुलपति व मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने दी बधाई

मेरठ,4 अगस्त (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के महर्षि अरबिंदो सुभारती कॉलेज और हॉस्पिटल ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज के 2022 बैच के प्रथम वर्ष के पांच छात्रों ने डब्लूएफएफ एफवाईएसआई उत्तर प्रदेश द्वारा एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज गाजियाबाद में आयोजित राज्य योग खेल चौम्पियनशिप में प्रतिभाग किया। राज्य योग खेल चौम्पियनशिप में सुभारती योगिक साइंसेज कॉलेज की छात्रा माही बंसल ने सीनियर ग्रुप में प्रथम स्थान, प्रणति महापात्रा ने सीनियर ग्रुप में दूसरा स्थान, हर्षिता ने सीनियर ग्रुप में तीसरा स्थान एवं अभिनंदन प्रताप सिंह ने 5 वां स्थान प्राप्त किया।

नवीन छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

नंद लाल बोस सुभारती कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स एंड फैशन डिजाइन में सभी पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए एक सप्ताह का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कॉलेज के प्राचार्य पिंटू मिश्रा द्वारा किया गया। उन्होंने उत्साहवर्धक और प्रेरक शब्दों से सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का समन्वयन द्वारा किया गया। श्रद्धा यादव और अनीशा आनंद, लकी त्यागी, सहायक प्रोफेसर, ललित कला और सौम्या शर्मा, सहायक प्रोफेसर, फैशन डिजाइन के साथ आए, जिसमें छात्रों को विवि के दृष्टिकोण और मिशन से परिचित कराया गया

डब्लूएचओ विश्व स्तानपान सप्ताह का हुआ आयोजन

- न्यूटिमा हॉस्पिटल में वर्कशॉप का आयोजन
- नवजात की देखभाल के लिए दिए टिप्स

मेरठ,4 अगस्त (देशबन्धु)। शुक्रवार को मेरठ आई पी ने डॉ.पीपी एस चौहान की अध्यक्षता में डब्लूएचओ वर्ल्ड ब्रेस्ट फीडिंग सप्ताह न्यूटीमा हॉस्पिटल में मनाया गया। जिसमे आईएपी मेरठ के सेक्रेटरी डॉ. शरद जैन शामिल थे। डॉ.अमित उपाध्याय व अन्य डॉक्टर्स ने नमों के लिए वर्कशॉप कर एवं ब्रेस्टफीडिंग के बारे में बताया की कैसे प्रेस्टफीडिंग करनी चाहिए, वेस्टफीडिंग में क्या क्या परेशानिया आती है और उनके निवारण में नमी का क्या योगदान रहता है अथवा जिन माताओं को ब्रेस्टफीडिंग करने में दिक्कते आती है उनके बारे में इस वर्कशॉप के माध्यम से सबको जानकारी दी गयी। न्यूटीमा हॉस्पिटल की नर्सों के लिए भी वर्कशॉप का आयोजन किया गया था। डॉ. अमित उपाध्यास (डीएम) नवजात शिशु विशेषज्ञ, न्यूटीमा हॉस्पिटल) ने बताया कि अपने बच्चे को पालन-पोषण, पोषण और प्यार भरी देखभाल से बेहतर जीवन की शुरुआत देने का सबसे बेहतर तरीका मां को स्तनपान करता है। यह बच्चों को जीवन की सर्वोत्तम शुरुआत प्रदान करता है।

यह बच्चे के लिए पोषण का सबसे अच्छा और सबसे सस्ता बात है, माँ और बच्चे के लिए आजीवन लाभ के साथ मस्तिष्क के विकास को बढ़ावा देता है। डॉ. अनुपमा उपाध्याय ने इस अवसर पर और भी कई जानकारियां दीं।

आयोजन *मेडिकल कॉलेज मेरठ में रूफटॉप सोलर पावर प्रोजेक्ट का शिलान्यास*

1.5 मेगावाट रहेगी क्षमता, एक करोड़ तक की बिजली बचेगी

मेरठ,4 अगस्त (देशबन्धु)। शुक्रवार को प्रदेश बिजली राज्य मंत्री डा.सोमेन्द्र तोमर ने मेडिकल कॉलेज में 1.5 मेगा वाट क्षमता के सौर ऊर्जा रूफटॉप पावर प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया गया। प्रोजेक्ट के शुरू हो जाने के पश्चात् 90 लाख से 1 करोड़ रुपए प्रति वर्ष के बिजली बिल की बचत होगी। जिसे मरीज हित में खर्च किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर सोमेंद्र तोमर माननीय राज्य मंत्री ऊर्जा एवं वैकल्पिक ऊर्जा उत्तर प्रदेश सरकार रहे, सभी अतिथियों का स्वागत प्रधानाचार्य डा आर सी गुप्ता ने किया,

कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ.अंशु टंडन ने किया तथा एस आई सी डॉ श्याम सुंदर लाल ने सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रधानाचार्य डॉ.आर सी गुप्ता ने बताया की देश में नेचुरल रिसोर्सेज सीमित हैं दिन पर दिन उनका दोहन और क्षरण हो रहा है अत: हमें वैकल्पिक ऊर्जा का विकल्प चुनते हुए सौर ऊर्जा का उत्पादन एवं प्रयोग करना चाहिए। मेडिकल कॉलेज मेरठ के 35 भवनों के छतों को सोलर पैनल से आच्छादित किया जाएगा तथा 1.5 मेगा वाट विद्युत उत्पन्न की जाएगी जिसका उपयोग मेडिकल कॉलेज परिसर, चिकित्सालय, मरीज हित एवं छात्र हित में किया जाएगा। मंत्री डॉ.सोमेंद्र तोमर ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुशल मार्गदर्शन में देश एवं प्रदेश आगे बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा एक बेहतर विकल्प है उत्तर प्रदेश सरकार ने किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ, बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के बाद लाला लाजपत राय स्मारक मेडिकल कॉलेज मेरठ को सोलर पावर प्रोजेक्ट द्वारा आच्छादित किया जा रहा है। हमारी मनसा है आगामी कुछ वर्षों में समस्त उत्तर प्रदेश के सभी बड़े संस्थानों में सोलर पावर प्रोजेक्ट द्वारा विद्युत मुहैया कराई जाएगी। मेडिकल कॉलेज मेरठ में सोलर पावर प्रोजेक्ट जनवरी तक संभवत बनकर तैयार हो जाएगा। तत्पश्चात इसका लोकार्पण किया जाएगा। मेडिकल कॉलेज मेरठ में इस प्रोजेक्ट के शुरू हो जाने के पश्चात् 90 लाख से 1 करोड़ रुपए प्रति वर्ष के बिजली बिल की बचत होगी जिसे मरीज हित में खर्च किया जाएगा। गौरव गुप्ता सेक्रेटरी एवं चीफ प्रोजेक्ट ऑफिसर नेडा (नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास संस्था) उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा की सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक वैकल्पिक ऊर्जा सोलर पावर प्लांट मेडिकल कॉलेज मेरठ का शिलान्यास माननीय मंत्री जी के मार्गदर्शन में आज संपन्न किया गया है शीघ्र ही प्रोजेक्ट को पूरा कराया जाएगा जिससे मेडिकल कॉलेज लाभान्वित होगा।

ऊर्जा राज्य मंत्री सोमेन्द्र तोमर ने किया शुभारंभ

हस्तिनापुर ब्लॉक के बाढ़ प्रभावित ग्रामों का भ्रमण

मेरठ,4 अगस्त (देशबन्धु)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी मेरठ डॉ.अखिलेश मोहन, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुभाष, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हस्तिनापुर के चिकित्सा अधीक्षक राहुल वर्मा एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी द्वारा हस्तिनापुर ब्लॉक के बाढ़ के उपरान्त 6 गांव सिजातपुर, मानपुर, कुनैहरा, फतेहपुर प्रेम, रठौरा कला एवं चमरोद का भ्रमण किया गया एवं ग्रामीणों से वार्ता कर उन्हें बताया गया कि पीने के पानी को उबाल कर एवं क्लोरीन टैबलेट की उचित मात्रा से विसंक्रमित कर प्रयोग करें गांव में प्रयोग किये जा हैण्ड पम्प का भी विसंक्रमीकरण किया जाए। ग्रामीणों को मच्छर दानी का उपयोग करने तथा पूरे आस्तिन के वस्त्र पहने का सुझाव दिया गया।

एक साल बाद कृष की शूटिंग शुरू करेंगे राकेश रौशन

मुंबई। बॉलीवुड फिल्मकार राकेश रौशन का कहना है कि वह अपनी आने वाली फिल्म कृष 4 की शूटिंग एक साल बाद शुरू करेंगे। राकेश रौशन ने अपने पुत्र ऋतिक रौशन को लेकर वर्ष 2003 में सुपरहिट फिल्म कोई मिल गया बनायी थी। इसके बाद राकेश रौशन ने ऋतिक को ही लेकर वर्ष 2006 कोई मिल गया का सीक्वल कृष और वर्ष 2013 में कृष 3 बनायी। 'कृष' फ्रेंचाइजी को खूब पसंद किया गया है। अब फैंस इस फिल्म के चौथे पार्ट यानी 'कृष 4' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। राकेश रौशन ने 'कृष 4' पर अपडेट दिया है। राकेश रौशन ने कहा, अभी भी दर्शक सिनेमाघरों में फिल्म देखने नहीं जा रहे हैं। इसलिए मैं सोच में पड़ गया हूं। क्योंकि 'कृष 4' एक बहुत बड़ी फिल्म है और दुनिया छोटी हो गई है।

कैंसर की नई दवा का ह्यूमन ट्रायल

पूरी तरह खत्म करेगी ट्यूमर

9 साल की बच्ची को ट्रिब्यूट के तौर पर रखा मेडिसिन का नाम

वॉशिंगटन, 4 अगस्त (एजेंसियां)। वैज्ञानिकों को कैंसर के इलाज में बड़ी कामयाबी मिलती नजर आ रही है। अमेरिका में कैंसर की AOH1996 नाम की दवा का ह्यूमन ट्रायल शुरू हो गया है। साइंटिस्ट्स का कहना है कि ये दवा शरीर के हेल्दी सेल्स को नुकसान पहुंचाए बिना ही कैंसर ट्यूमर को जड़ से खत्म कर सकती है।

साइंटिस्ट्स ने बताया कि दवा का नाम 1996 में पैदा हुई आना ओलिविया हीली से प्रेरित है। उसे न्यूरोब्लास्टोमा नाम का कैंसर था। 2005 में आना की मौत हो गई थी। वो 9 साल की थी। न्यूरोब्लास्टोमा बच्चों को होने वाला एक कैंसर है। ये एड्रिनल ग्लैंड्स का कैंसर है, जो पेट, छाती, गले की हड्डियों में विकसित होता है। शोधकर्ता ने कहा- हमने कैंसर खत्म करने वाली नई दवा का नाम, AOH1996 नौ साल की आना ओलिविया हीली को श्रद्धांजलि देने के लिए रखा है।

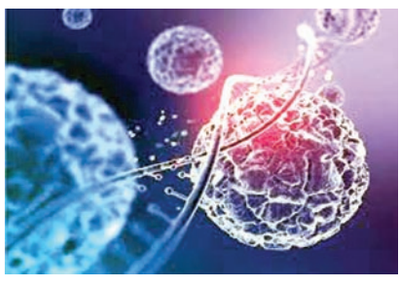

कैंसर सेल्स में पाए जाने वाले प्रोटीन पर प्रभावी

इस ड्रग को 20 साल की रिसर्च के बाद बनाया गया है। ये दवा कैंसर सेल्स में पाए जाने वाले प्रोटीन- प्रोलिफेरेटिंग सेल न्यूक्लियर एंटीजन को टारगेट करती है। इस कैंसर प्रोटीन की वजह से ही शरीर में ट्यूमर फैलता और बढ़ता है। पहले इस प्रोटीन का इलाज नहीं होता था, लेकिन अब नई दवा इस पर प्रभावी बताई जा रही है।

दवा को बनाने वाली प्रोफेसर लिंडा मलकास का कहना है कि ये दवा कैंसर प्रोटीन को खत्म करने में मदद करती है। इससे ट्यूमर जल्द डेवलप नहीं हो पाता है। अगर ट्यूमर डेवलप हो भी जाता है तो ये दवा उसे खत्म करने में कारगर साबित हुई है। ये कैंसर सेल्स को मारने का भी काम करती है।

रेक्टल कैंसर (मलद्वार का कैंसर) के कुछ मरीजों पर डॉस्टरलिमैब दवा का क्लिनिकल ट्रायल किया गया। इससे सिर्फ 6 महीने में ही कैंसर का ट्यूमर पूरी तरह खत्म हो गया।

हेल्दी सेल्स को नुकसान नहीं पहुंचाती ये दवा

प्रोफेसर लिंडा मलकास ने कहा कि AOH 996 कैंसर सेल्स को मारने के दौरान हेल्दी सेल्स पर हमला नहीं करती है। दरअसल, कैंसर के ट्रीटमेंट- कीमोथैरेपी, रेडिएशन और इनवेसिव सर्जरी के दौरान मरीजों के अच्छे सेल्स भी खत्म होते हैं। इससे शरीर में कई तरह के साइड इफेक्ट्स आते हैं, जैसे- बाल झड़ना और चेहरे का काला पड़ना; लेकिन इस दवा से ऐसे कोई साइड इफेक्ट्स नहीं होंगे।

फिल्मों में लीड रोल नहीं मिलने से दुखी है नोरा फतेही

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेत्री नोरा फतेही फिल्मों में लीड रोल नहीं मिलने से दुखी है। नोरा फतेही कई सुपरहिट फिल्मों में आइटम सॉन्ग कर चुकी हैं ,लेकिन फिल्मों में लीड रोल ना मिलने के कारण वह बेहद दुखी है।नोरा फतेही कहा कि फिल्म मेकर्स बार-बार उन्हीं चार अभिनेत्रियों को कास्ट करते हैं। अच्छा डांस करना एक अच्छी अभिनेत्री होने के लिए काफी नहीं है। कोई भी एक अभिनेत्री को कास्ट करने से पहले यही देखेगा कि क्या ये डायलॉग अच्छे से बोल पाती है, भाषा में कितनी पकड़ है। आज के दौर में इंडस्ट्री में कम्पटीशन इतना बढ़ गया है कि कोई किसी को याद नहीं रखता। बस मेकर्स को जो चार लड़कियां याद है वे बार-बार उन्हें ही कास्ट करते हैं, पांचवे पर किसी का ध्यान ही नहीं जाता है।

सूंघने की क्षमता का दिमाग पर असर

रात को खुशबू में सोना दिमाग की एक्सरसाइज

मास्को, 4 अगस्त (एजेंसियां)। नींद के दौरान कुछ सुगंधों के संपर्क में आने से मस्तिष्क की कार्यक्षमता में नाटकीय रूप से बढ़त होती है। यह दावा अमेरिका की कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी ने रिसर्च के आधार पर किया है। शोधकर्ताओं ने इसके पुख्ता सबूत पेश किए हैं कि सुगंधित हवा सोचने, समझने और याददाश्त से जुड़े मस्तिष्क के न्यूरोलॉजिकल क्षेत्रों को प्रभावित करती है। इससे बौद्धिक क्षमता बढ़ती है। शोधकर्ताओं ने यह रिसर्च 60 से 85 साल के 43 महिला और पुरुषों पर किया। रिसर्च में पता चला कि हर रात सोने से पहले कमरे में तरह-तरह के इत्र को छिड़कने से सोचने, समझने की कमजोरी और डिमेंशिया जैसी बीमारियों की गति को धीमा किया जा सकता है।

बढ़ती उम्र के साथ बौद्धिक क्षमता को स्वस्थ रखने के लिए मस्तिष्क के ग्रे मैटर को सक्रिय रखना महत्वपूर्ण है। इसका मतलब रोज सिर्फ क्रॉसवर्ड हल करना नहीं है। बल्कि, दिमाग को उलझाने के लिए अपने आसपास हर तरह के दृश्यों और ध्वनियों से भरना भी है। यह मानना कोई बड़ी बात नहीं कि तरह-तरह की सुगंधों को अनुभव करने से मनुष्य को लाभ हो सकता है।

सोचने-समझने की क्षमता से सूंघने की क्षमता भी कम होती है

शारीरिक तौर पर हमारी सोचने, समझने और याद करने की क्षमता कम होने से पहले हमारी सूंघने की क्षमता कम हो जाती है। सूंघने की क्षमता को खोना मस्तिष्क कोशिकाओं की हानि से भी जुड़ा है। न्यूरोबायोलॉजिस्ट माइकल यासा कहते हैं- गंध से जुड़ी इंद्रियों का दिमाग के मेमोरी सर्किट से सीधे जुड़े होने का विशेष महत्व है। हमारी नजर कम हो जाए तो हम चश्मा लगा लेते हैं। सुनना कम हो जाए तो सुनने की मशीन लगा लेते हैं।

लेकिन, सूंघ न पाने पर हम कुछ भी नहीं करते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपकी उम्र कितनी है या मानसिक स्थिति कैसी है। रात में जब रोशनी बंद हो जाती है। सन्नाटा छा जाता है। ऐसे में अपनी नाक को कुछ करने देना दिमाग को व्यायाम करवाने का बहुत अच्छा तरीका है।

शीना बजाज 'नॉन स्टॉप धमाल' से करेंगी बॉलीवुड डेब्यू

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। इरशाद खान द्वारा निर्देशित फिल्म 'नॉन स्टॉप धमाल' से एक्ट्रेस शीना बजाज बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक्ट्रेस ने फिल्म में काया की भूमिका निभाई है, जिसमें राजपाल यादव, अन्नू कपूर, मनोज जोशी, श्रेयस तलपड़े, हेमंत पांडे और कई अन्य कलाकार भी हैं।

शीना ने कहा कि इस फिल्म से लंबे ब्रेक के बाद कॉमेडी में मेरी वापसी है। इस शैली में मेरी आखिरी फिल्म सिटकॉम 'बेस्ट ऑफ लक निक्की' थी। इतने प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ फिल्म में काम करना अद्भुत था। राजपाल यादव से बहुत कुछ सीखा। वह हमेशा मदद के लिए मौजूद थे और हमने बहुत कुछ सुधार भी किया। उन्होंने मेरे काम के बारे में अच्छी बातें कहीं। ऐसी बातें बहुत मायने रखती हैं।

अब जब वह फिल्मों में अपना सफर शुरू कर रही हैं, तो हम उनसे पूछा कि वह किस तरह की भूमिकाएं निभाने की इच्छुक है। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड में, मेरा पर्सपेक्टिव मुख्य रूप से ऐसी भूमिकाओं की तलाश के इर्द-गिर्द घूमता है, जो गहराई से परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड हो, जो मुझे एक एक्टर के रूप में वास्तव में आगे ले जाए। यह वह अनोखी फिल्म है जहां आपके पास अपने परफॉर्मेंस से दर्शकों को अपने और आकर्षित कर सकते हैं।

एक बार जब आप यह हासिल कर लेते हैं और लोग आपकी प्रतिभा को पहचान लेते हैं, जो आगे बढ़ना आसान हो जाता है। नॉन स्टॉप धमाल 18 अगस्त को रिलीज होने वाली है और ट्रेलर 4 तारीख को लॉन्च होने वाला है। कृपया ट्रेलर देखें, म्यूजिक का आनंद लें। आपकी प्रतिक्रिया से सुधार हो सकते हैं।

इसके अलावा, होराइजन पर एक और फिल्म है, और मैं ईमानदारी से सभी से आग्रह करती हूं कि इस रोमांचक यात्रा के दौरान मुझे अपना अटूट समर्थन, प्यार और स्नेह प्रदान करें।

एक्ट्रेस टीवी और साउथ फिल्मों का एक जाना माना चेहरा है। उन्होंने कहा कि मुझे चाइल्ड एक्ट्रेस के रूप में फिल्मों में बड़े पैमाने पर काम करने का अवसर मिला है, खासकर महेश भट्ट और मुकेश भट्ट कैंप के साथ। मैंने करीना, कैटरीना सहित अलग-अलग एक्ट्रेस के चाइल्डहुड वर्जन को चित्रित किया है।

मैं चाइल्ड एक्ट्रेस के रूप में अपने समय के दौरान कई टीवी शो और विज्ञापनों का हिस्सा रही हूं। हालाँकि, मैंने इन अलग-अलग माध्यमों के बीच स्पष्ट अंतर देखा है। टेलीविजन के लिए अत्यधिक प्रयास की आवश्यकता होती है, जो अक्सर लगभग 16-17 घंटों तक चलता है। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में, मैं एक ऐसे शो में शामिल हूं जहां टेलिकास्ट संबंधी समस्याओं के कारण शूटिंग बढ़ सकती है। इसके बावजूद, परफॉर्मेंस त्रुटिहीन रहना चाहिए। यह महत्वपूर्ण है कि आपके चेहरे पर थकान या हताशा के कोई लक्षण न दिखें - चाहे कुछ भी हो, शो जारी रहना चाहिए।

यूजर्स को अनवांटेड डीएम रिक्वेस्ट से बचाएगा इंस्टाग्राम

सैन फ्रांसिस्को, 4 अगस्त (एजेंसियां)। मेटा के स्वामित्व वाला इंस्टाग्राम यूजर्स को अनवांटेड डीएम रिक्वेस्ट से बेहतर सुरक्षा देने के लिए एक नया फीचर शुरू करेगा। टेकक्रंच की रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने जून में इस फीचर की टेस्टिंग शुरू की थी। इस नए फीचर के साथ, जो लोग उन यूजर्स को डीएम रिक्वेस्ट भेजना चाहते हैं जो उनको फॉलो नहीं करते हैं, उन्हें दो नए प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा।

सबसे पहले, यूजर्स किसी ऐसे व्यक्ति को केवल एक मैसेज भेजने में सक्षम होंगे जो उन्हें इनफिनिट अमाउंट में डीएम रिक्वेस्ट भेजने के विपरीत उनको फॉलो नहीं करते है।

दूसरा, डीएम इन्वाइट अब केवल टेक्स्ट-बेस्ड हैं, जिसका अर्थ है कि यूजर्स केवल उन लोगों को फोटो, वीडियो या ऑडियो मैसेज भेज सकते हैं जो रेसिपिएंट द्वारा चैट के लिए इन्वाइट एक्सेप्ट करने के बाद उनको फॉलो नहीं करते हैं।

इंस्टाग्राम के मुताबिक, नए प्रतिबंधों के साथ, यूजर्स को अब उन लोगों से अनवांटेड इमेज या वीडियो नहीं मिलेंगे जिन्हें वे फॉलो नहीं करते हैं, न ही अजनबी उन्हें बार-बार मैसेज भेज पाएंगे। मेटा में महिला सुरक्षा प्रमुख सिंडी साउथवर्थ ने एक ईमेल बयान में कहा कि हम चाहते हैं कि जब लोग अपना इनबॉक्स खोलें तो उन्हें कॉन्फिडेंट और कंट्रोल महसूस हो।

रिपोर्ट में कहा गया कि ऐप में एक 'हिडन वर्ड्स' सेटिंग है, जहां आपत्तिजनक शब्दों, फ्रेज और इमोजी वाले डीएम रिक्वेस्ट ऑटोमेटिक रूप से एक छिपे हुए फोल्डर में भेजे जाते हैं। इंस्टाग्राम में एक 'लिमिट्स' फीचर भी है जो यूजर्स को अनवांटेड कमेंट्स या डीएम रिक्वेस्ट में अचानक स्पाइक से बचाता है।

जुलाई में, प्लेटफॉर्म ने रील्स टेम्पलेट्स में कुछ अपग्रेड पेश किए थे, जो यूजर्स को आसानी से इंस्पिरेशन और एंगेजिंग रील्स बनाने में मदद करते हैं। मेटा ने यह भी घोषणा की थी कि वह इंस्टाग्राम और मैसेंजर पर रियल-टाइम अवतार कॉल शुरू कर रहा है। यह फीचर तब मददगार होगी जब यूजर्स वीडियो कॉल के दौरान अपना असली चेहरा नहीं दिखाना चाहते हैं और कैमरा-ऑफ और कैमरा-ऑन के बीच तीसरा विकल्प चाहते हैं।

'इक तारा' प्यार और भावनाओं का एक मनोरम चित्रण है : जैन इमाम

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। जैन इमाम और निकिता शर्मा एक नए रोमांटिक पंजाबी गाने 'इक तारा' में नजर आएंगे। जैन ने कहा कि मैं इस खूबसूरत रोमांटिक पंजाबी गाना इक तारा का हिस्सा बनकर अविश्वसनीय रूप से धन्य महसूस कर रहा हूं। यह प्यार और भावनाओं का एक मनोरम चित्रण है, और हमने जो जादू पैदा करने की कोशिश की है, उसका अनुभव करने के लिए मैं दर्शकों का इंतजार नहीं कर सकता।

नितिन एफसीपी द्वारा निर्देशित यह वीडियो और पंजाबी सिंगर जशन सिंह के साथ पायल देव की सिंगिंग ने इस सॉन्ग में जान डाल दी है। इसकी रचना और लेखन कुणाल वर्मा ने किया है।

दर्शकों की प्रतिक्रिया का इंतजार करते हुए निकिता ने कहा कि मैं इस खूबसूरत रोमांटिक पंजाबी सॉन्ग 'इक तारा' का हिस्सा बनकर अविश्वसनीय रूप से धन्य महसूस कर रही हूं। यह प्यार और भावनाओं का एक मनोरम चित्रण है, और मैं दर्शकों द्वारा उस जादू का अनुभव करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता, जिसे हमने बनाने की कोशिश की है। सिंगर पायल देव ने कहा कि इक तारा में प्यार के जादू और रोमांस की जीवंत भावना का जश्न मनाएं। एक सॉन्ग, जो आने वाले सालों के लिए प्यार का एंथम बनने का वादा करता है।

सायरा बानु ने किशोर कुमार को उनकी जयंती पर याद किया

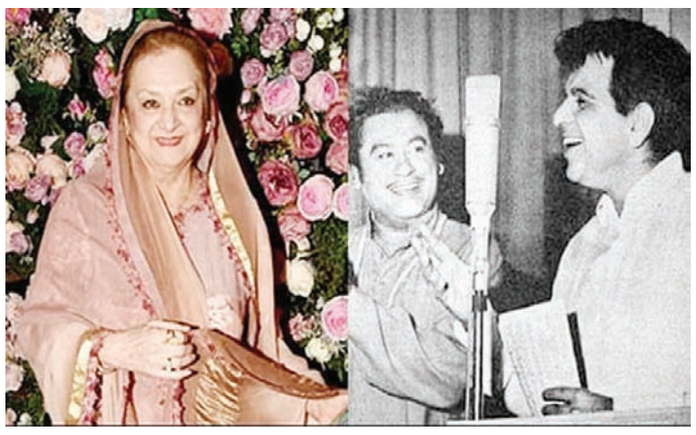

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेत्री सायरा बानु ने किशोर कुमार को उनकी जयंती पर याद किया है।

किशोर कुमार का जन्म 4 अगस्त 1929 को हुआ था। सायरा बानु ने किशोर कुमार को उनकी जयंती पर याद किया है।

सायरा बानो ने एक थ्रोबैक पिक्चर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। ब्लैक एंड वाइट तस्वीर में किशोर कुमार और दिलीप कुमार नजर आ रहे हैं।सायरा बानो ने तस्वीर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, किशोर कुमार को उनकी बर्थ एनिवर्सरी पर याद कर रही हूं, जिन्होंने साहब और मुझे दोनों को यादगार धुनें दीं, जो हमारे दिलों में बस गई हैं।

सर्वोदय अस्पताल में फुजीफिल्म इंडिया ने लगाई स्मार्ट एमआरआई मशीन

ग्रेटर नोएडा, 4 अगस्त (देशबन्धु)। स्वास्थ्य के क्षेत्र में गति देने के लिए ग्रेनो वेस्ट स्थित सर्वोदय अस्पताल ने फुजीफिल्म इंडिया की नई एमआरआई मशीन एकीलोन स्मार्ट 1.5 टेस्ला मशीन पहली बार लगाया गया। इस अवसर पर जापान के राजदूत के सचिव युता यामाशिता, फुजीफिल्म इंडिया के एमडी कोजी वाडा और सर्वोदय अस्पताल, ग्रेनो वेस्ट के डायरेक्टर दिव्याणु गुप्ता और इसी अस्पताल के यूनिट हेड मानव अरोड़ा ने इसके प्रयोग और सुरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी भी दी गई। सर्वोदय अस्पताल के डायरेक्टर दिव्याणु गुप्ता ने बताया कि हमारे पास आधुनिकतम तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिनमें फुजीफिल्म सुप्रिया 128 स्लाइस सीटी सिस्टम, फुजीफिल्म एफडीआर स्मार्ट एफजीएक्स-52 एस डिजिटल रेडियोग्राफी सिस्टम, फुजीफिल्म एरीटा 65 अल्ट्रासाउंड सिस्टम आदि शामिल हैं। अब हमें प्रसन्नता है कि फुजीफिल्म इंडिया ने ग्रेटर नोएडा में पहली सबसे आधुनिक सुविधाओं वाली एमआरआई मशीन लाने के लिए हमारे साथ हाथ मिलाया है। इस नई एमआरआई मशीन में कई स्मार्ट फीचर्स हैं, जैसे- कम शोर, ब्रेन और सपाइन के तेज स्कैन के लिए शानदार स्पीड और इमेजिंग की ज्यादा रेसोल्युशन क्वॉलिटी। फुजीफिल्म इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर कोजी वाडा का कहना है कि ऐसा पहली बार हुआ है कि फुजीफिल्म द्वारा विकसित अनेक स्मार्ट तकनीकों वाली एमआरआई मशीन को ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में लगाया जा रहा है। हमें खुशी है कि हम ग्रेटर नोएडा और आसपास के लोगों के लिए हेल्थकेयर की सुविधा को बेहतर करने में अपना योगदान दे सके हैं। फुजीफिल्म इंडिया की हमेशा कोशिश होती है कि यह तकनीकी रूप से समृद्ध आधुनिक हेल्थकेयर को सस्ते दामों पर सभी के लिए उपलब्ध कराए। उत्पाद की कम लागत के कारण, अब एमआरआई भी पिछली तकनीकों की तुलना में कम कीमत में उपलब्ध होगा। एकीलोन स्मार्ट 1.5 टेस्ला निश्चित रूप से ऐसी एमआरआई मशीन है, जो भारत में डायग्नोस्टिक सेक्टर को बदल देगी और मेडिकल इमेजिंग के परिणामों में गुणवत्ता और बेहतर करेगी।

टाइगर फोटो प्रदर्शनी में रोहिताश को प्रथम पुरस्कार

फोटोग्राफरों की फोटो के ज़रिए बाघों के प्रति दिखता है उनका प्रेम

जयपुर, 3 अगस्त (एजेंसियां)। 'टाइगर फोटोग्राफी एग्जिबिशन एवं प्रतियोगिता' की सर्वश्रेष्ठ फोटो के लिए नोएडा के रोहिताश पांडे को प्रथम पुरस्कार, नागपुर के अंकित बन्सोड को द्वितीय और गुरुग्राम के परव शर्मा एवं जयपुर के चिन्मय सक्सेना तृतीय पुरस्कार दिया गया। अवार्ड सेरेमनी के मुख्य अतिथि राज्यपाल कलराज मिश्र ने गुरुवार को यहां इन्हें यह पुरस्कार दिया। इंटरनेशनल टाइगर डे से एक अगस्त तक जयपुर के जेकेके में यह प्रदर्शनी आयोजित की गई।

जेटीएफ संस्थापक धीरेंद्र के गोधा ने बताया कि प्रथम पुरस्कार 51 हजार, द्वितीय पुरस्कार 31 हजार और तृतीय पुरस्कार 21 हजार रुपए का था। विजेताओं को होटल फर्न रणथम्भौर की ओर से वन नाइट स्टे और दो जंगल सफारी की सुविधा भी दी गई। अवार्ड सेरेमनी में गेस्ट ऑफ ऑनर आईएएस पवन अरोड़ा और राजस्थान हॉस्पिटल के चेयरमैन एसएस अग्रवाल थे।

इस अवसर पर मिश्र ने अपने उद्बोधन में विजेताओं और आयोजकों बधाई देते हुए कहा कि जयपुर टाइगर फेस्टिवल में ये सुखद है कि फोटोग्राफरों की फोटो के ज़रिए बाघों के प्रति उनका प्रेम दिखता है। अभयारण्यों में फ़ोटोग्राफ़र ने वन्यजीवों की दुनिया को लोगों के सामने रखा है। फोटोग्राफी एक कला है। छाया चित्र तभी अच्छा आ सकता है जब फ़ोटोग्राफ़र एकाग्रता से फ़ोटो क्लिक करे। बाघ एक सुंदर प्राणी है। विश्व के 75 प्रतिशत बाघों की संख्या यानी 3682 बाघ हमारे देश में है।

उन्होंने कहा कि रणथम्भौर, सरिस्का अच्छी श्रेणी के टाइगर रिज़र्व है। बाघों की संख्या बढ़ने के साथ बाघ संरक्षण के लिए भी कार्य करना ज़रूरी है। बाघों के प्राकृतिक आवास कम होते जा रहे है। वन बचेंगे, वन्यप्राणी बचेंगे तभी मनुष्य बचेंगे। फ़ोटोग्राफ़र की फ़ोटो बोलती है। इसके अलावा विभिन्न कैटेगरी में 5100 रुपए के 10 मोटिवेशनल पुरस्कार अखिलेज़ अंसारी, जयपुर, अंशु जैन, जयपुर, अर्जुन राजपाल, जयपुर, चौहान सुरेंद्र, जयपुर, ईशान सिंह, जयपुर; किम सुल्लिवन यू एस ए, कुशल कुलकर्णी, पुणे, महावीर सुराणा, नागपुर, प्राणक महेन्द्रू, गुरुग्राम, राक्षा थडानी, मुंबई और विजय कुमावत, सवाईमाधोपुर को दिए गये।

इस अवसर पर वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर, एस. नल्ला मुथू द्वारा क्रिएटेड टाइगर एंथम का अनावरण और डॉक्युमेंट्री फिल्म मछली की भी स्क्रीनिंग हुई।

पुरानी खानों को एनर्जी माइंस में बदल रहे सोलर पैनल

म्यूनिख, 4 अगस्त (एजेंसियां)। बेनेडिक्ट ऑर्टमैन ने जब पहली बार सुना कि बिजली पैदा करने के लिए पानी पर तैरते सोलर पैनल लगाए जा सकते हैं तो उन्हें एकबारगी यह खतरनाक हथकंडा जैसा लगा। यूरोप के सबसे बड़े अक्षय ऊर्जा डेवलपर्स में शुमार म्यूनिख की बायवा आरई के टॉप सोलर एक्जिक्यूटिव ऑर्टमैन ने कहा- बच्चे भी जानते हैं कि बिजली और पानी को मिक्स नहीं किया जा सकता। लेकिन बाद में उन्हें यह आइडिया प्रैक्टिकल नजर आने लगा। 2018 में जब ऑर्टमैन ने फ्लोटिंग सोलर पैनल की पहली सीरीज स्थापित की, तो बायवा आरई का बिजनेस जमीन पर लगे पारंपरिक सोलर पैनल पर निर्भर था। लेकिन पांच साल के भीतर यह कंपनी पूरे यूरोप में फ्लोटिंग सोलर एनर्जी की लीडिंग कंपनी बन गई। इसे एफपीवी या फ्लोटोवोल्टिक्स के तौर पर जाना जाता है। दिलचस्प है कि बीते साल दुनियाभर में स्थापित सोलर पैनल में फ्लोटिंग सोलर की हिस्सेदारी अभी 1 प्रतिशत से भी कम है। लेकिन एक दशक में इनका इस्तेमाल 2,000 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ गया है।

सोलर पावर सेक्टर में फ्लोटिंग सोलर का हिस्सा सिर्फ 1 प्रतिशत

सोलर पैनल के लिए नई साइट्स तलाशी जा रहीं

अब ये पैनल ऐसी जगह लगाए जा रहे हैं, जहां के पानी का और कोई दूसरा इस्तेमाल शायद ही संभव है। कोयले के पुराने खदानों में जमा पानी और हाइड्रोपावर लैगून इनमें शामिल हैं। इस बदलाव की सबसे बड़ी वजह सोलर पैनल के लिए नई साइट्स तलाशने की छटपटाहट है। पिछले 20 सालों के दौरान यूरोप के इमारतों और घरों की छतों पर धड़ाधड़ सौर पैनल लगाए गए और अब नई जगह मिलना मुश्किल हो गया है। जमीन की कमी को देखते हुए अब सरकारें भी फ्लोटिंग सोलर पैनल को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत पहल करने लगी हैं।

मसलन, ऑस्ट्रिया ने फ्लोटिंग सोलर पैनल और अन्य अक्षय ऊर्जा प्रोजेक्ट्स के लिए विशेष सब्सिडी शुरू की है। यह पावर प्रोडक्शन इकोसिस्टम को कृषि क्षेत्र की उन्नति से जोड़ता है। तैरते सोलर पैनल सूखे के दौरान तालाबों का पानी वाष्प बनकर उड़ने से बचाते हैं।

10 प्रतिशत कृत्रिम झीलों पर फ्लोटिंग पैनल भी काफी

वर्ल्ड बैंक का आंकलन है कि यूरोप यदि सिर्फ 10 प्रतिशत कृत्रिम झीलों के सतहों पर फ्लोटिंग सौर पैनल लगाता है तो वह अपनी सालाना बिजली खपत की कम से कम 7 प्रतिशत जरूरत पूरी कर सकता है।

नेहा धूपिया की पहल 'फ्रीडम टू फीड' का हिस्सा बनेंगी बिपाशा, सोहा और दीया

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। स्तनपान विरोधी सोच से लड़ने के लिए एक्ट्रेस नेहा धूपिया, जो एक मां भी हैं, ने प्रेरक पहल 'फ्रीडम टू फीड' शुरू की है। उनकी इस पहल से एक्ट्रेसेस और मां बिपाशा बसु, सोहा अली खान और दीया मिर्जा भी जुड़ेंगी।

नेहा ने कहा कि दो अद्भुत बच्चों गुरीक और मेहर की मां के रूप में मैंने व्यक्तिगत रूप से स्तनपान की चुनौतियों और खुशियों का अनुभव किया है। यह एक अविश्वसनीय रूप से सशक्त यात्रा है, लेकिन यह जानना भी आवश्यक है कि प्रत्येक मां की यात्रा अद्वितीय है और बिना किसी आलोचना या शर्म के इसे सेलिब्रेट किया जाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि अपनी पहल 'फ्रीडम टू फीड' के माध्यम से मेरा लक्ष्य मातृत्व के इस महत्वपूर्ण पहलू पर प्रकाश डालना और उन बाधाओं को तोड़ना है जो माताओं को इस नैसर्गिक प्रक्रिया को खुले तौर पर अपनाने से रोकती हैं। यह उद्देश्य अविश्वसनीय रूप से मेरे दिल के करीब है, और मैं शिक्षित करने, मिथकों को दूर करने और सभी माताओं के लिए अधिक सहायक और समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर	
एनटीपीसी	4.02 प्रतिशत
पावर ग्रिड	3.00 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	2.28 प्रतिशत
टाटा स्टील	2.16 प्रतिशत
टीसीएस	1.96 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर	
बजाज फाइनेंस	1.12 प्रतिशत
कोटक बैंक	1.09 प्रतिशत
हिंदुस्तान यूनीलीवर	0.91 प्रतिशत
आईटीसी	0.63 प्रतिशत
भारती एयरटेल	0.46 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2500-3000
गेहूं दड़ा	2150-2160
आटा	2800-2290
मैदा	945-950
चोकर	620-630

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

बासमती औसत किस्म	4500-4600
परमल	1750-1775
चावल सेला	2250-2350
आरआर (आठ)	1650-1670

दाल-दलहन

चना	4,850-4,950
दाल चना	4,850-4,950
मसूर काली	7,800-7,900
उड़द दाल	10300-10400
मूंग दाल	7,900-8,000
अरहर दाल	9700-9800

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी लौटने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज भी स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

विश्वसनीय हार्डवेयर और सिस्टम सुनिश्चित करने के लिए पीसी, टैबलेट पर आयात प्रतिबंध: केंद्र

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को पीसी, लैपटॉप और टैबलेट आयात पर प्रतिबंधित के बारे में उपभोक्ताओं की आशंकाओं को दूर करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य विश्वसनीय हार्डवेयर तथा सिस्टम सुनिश्चित करना और इन हार्डवेयर श्रेणियों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि भारत लैपटॉप और सर्वर आदि सहित डिजिटल उत्पादों के लिए दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक बन रहा है।

उन्होंने ट्विटर (अब एक्स) पर पोस्ट किया, 'विश्वसनीय हार्डवेयर और सिस्टम सुनिश्चित करना, आयात पर निर्भरता कम करना और इस श्रेणी के उत्पादों का घरेलू विनिर्माण बढ़ाना सरकार का उद्देश्य है।' एक ट्विटर यूजर के पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए मंत्री ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था का तेजी से डिजिटलीकरण/क्लाउडीकरण और हमारी डिजिटल अर्थव्यवस्था की तीव्र वृद्धि से मांग बढ़ रही है। उक्त पोस्ट में कहा गया था कि पीसी, लैपटॉप और

भारत लैपटॉप और सर्वर आदि सहित डिजिटल उत्पादों के लिए दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक बन रहा:-राजीव चंद्रशेखर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी राज्य मंत्री

टैबलेट पर आयात प्रतिबंध केवल उपभोक्ताओं को प्रभावित करेगा।

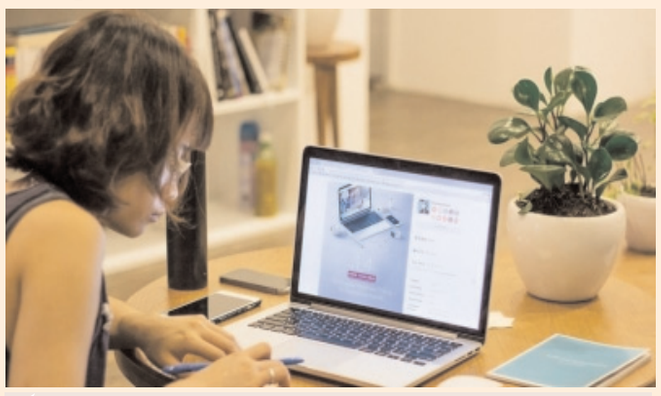

मंत्री ने कहा, 'यह बिल्कुल भी लाइसेंस राज के बारे में नहीं है। यह आयात का नियमन कर विश्वसनीय और सत्यापन योग्य प्रणाली सुनिश्चित करना और यह तय करना है कि भारतीय टेक इकोसिस्टम जिन आयातित और/या घरेलू स्तर पर निर्मित सिस्टम/उत्पादों का उपयोग करता है वह विश्वसनीय और सत्यापित है।' जैसे ही सरकार ने स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए लैपटॉप, पर्सनल कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध की घोषणा की, घरेलू निर्माताओं ने इस कदम पर खुशी जताई।

ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ए. गुरुराज ने कहा कि सरकार का निर्णय प्रगतिशील है और इसमें देश में स्वदेशी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने की क्षमता है और 'मेक इन इंडिया' दृष्टिकोण को प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा, 'वर्तमान में हमारे पास आईटी हार्डवेयर के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) है और हम उल्लेखनीय ब्रांडों के लिए लैपटॉप का निर्माण कर रहे हैं। इस कदम से हमें इन उपकरणों के निर्माण की हमारी क्षमता में और विस्तार की उम्मीद है।' वीडियोटेक्स के निदेशक अर्जुन बजाज ने कहा कि वे लैपटॉप, टैबलेट, पीसी और अन्य उत्पादों पर आयात प्रतिबंध लगाकर भारत में घरेलू विनिर्माण के लिए माहौल तैयार करने के लिए सरकार के समर्थन के लिए आभारी हैं। उन्होंने कहा, 'अब फोकस उन संभावित लाभों पर है जो इस तरह के समर्थन से देश में अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के विनिर्माण में हो सकते हैं।

नियामक चुनौतियों के कारण संघर्ष कर रहे 20 प्रतिशत भारतीय यूनिकॉर्न

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय स्टार्टअप्स ने वित्त वर्ष 2024 में अपनी लाभप्रदता में काफी सुधार किया है, और भारत में लगभग 50 प्रतिशत यूनिकॉर्न वित्त वर्ष 27 तक लाभदायक होंगे। शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह बताया गया है। हालांकि, बाजार अनुसंधान फर्म रेडसीर के अनुसार, 20 प्रतिशत यूनिकॉर्न के लिए कहानी निराशाजनक है, जो नियामक चुनौतियों, घटती मांगों और अस्पष्ट व्यापार मॉडल के कारण संघर्ष कर रहे हैं। ये यूनिकॉर्न नए मॉडल की ओर रुख कर सकते हैं, अन्य कंपनियों द्वारा अधिग्रहित किए जा सकते हैं या हमेशा के लिए बंद हो सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 40 सूचीबद्ध/आईपीओ तैयार नए जमाने की कंपनियां या स्टार्टअप होने की संभावना है, जो वित्त वर्ष 2028 तक बढ़कर 90 हो सकती है। रेडसीर के पार्टनर रोहन अग्रवाल के अनुसार, लाभप्रदता पर बढ़ते फोकस के साथ, स्टार्टअप संभावित आईपीओ सहित एक आशाजनक राह के लिए तैयार हैं। वित्त वर्ष 2011 के विपरीत, वित्त वर्ष 2013 में लगभग दोगुनी संख्या में भारतीय यूनिकॉर्न लाभप्रदता की ओर अग्रसर हैं। अग्रवाल ने कहा, 'सास, बी2सी उत्पाद कंपनियां और फिनटेक आईपीओ-तैयार कंपनियां बनाने के लिए सबसे आशाजनक श्रेणियों में से हैं।' इन कंपनियों के पास पर्याप्त राजस्व, सतत विकास, एक मजबूत ईबीआईटीडीए है, और वे रक्षात्मक व्यवसाय मॉडल पर काम करते हैं, जो उन्हें आईपीओ के लिए मजबूत उम्मीदवार बनाते हैं। आईपीओ लाने वाली कंपनियों को तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देने की जरूरत है।

भारतीय स्टार्टअप्स ने वित्त वर्ष 2024 में अपनी लाभप्रदता में काफी सुधार किया

सबसे पहले, उन्हें प्रतिष्ठा और पारदर्शिता पर जोर देते हुए मजबूत निवेशक संबंध और विश्वास बनाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। दूसरे, कंपनियों को आईपीओ से पहले ही संभावित निवेशकों के साथ तालमेल स्थापित करने के लिए सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है, 'अंत में, निवेशकों को अपने निवेश के बारे में सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाने के लिए व्यवसाय मॉडल और प्रमुख मैट्रिक्स पर स्पष्टता प्रदान करना महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों पर ध्यान देकर कंपनियां एक सफल आईपीओ की संभावना बढ़ा सकती हैं।'

सुप्रीम कोर्ट से ओप्पो को झटका, बिक्री का 23 प्रतिशत नोकिया को देना होगा

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ चीनी स्मार्टफोन ब्रांड ओप्पो की याचिका खारिज कर दी, जिसमें कंपनी को नोकिया के पेटेंट का उल्लंघन करने के लिए देश में अपनी बिक्री से प्राप्त आय का 23 प्रतिशत जमा करने का निर्देश दिया गया था। दिल्ली उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने जुलाई में यह आदेश पारित किया था। उसने पाया कि चीनी स्मार्टफोन ब्रांड अपेक्षित सहमति के बिना नोकिया की तकनीक का उपयोग कर रहा था।

भारत में ओप्पो की बिक्री जो उसकी वैश्विक बिक्री का लगभग 23 प्रतिशत है, को ध्यान में रखने के बाद हाई कोर्ट ने 23 प्रतिशत जुर्माने का आदेश दिया था। नोकिया टेक्नोलॉजीज के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं।

प्रवक्ता ने कहा, 'ओप्पो निष्पक्ष और उचित शर्तों पर अपने लाइसेंस को नवीनीकृत करने या मामले को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए तैयार नहीं है और उसने दो साल तक कोई रॉयल्टी भुगतान किए बिना हमारी तकनीक का इस्तेमाल किया है।' भारत, जर्मनी, ब्रिटेन, नीदरलैंड और ब्राज़ील की अदालतों ने नोकिया के पक्ष में अपने फैसले दिए हैं। नोकिया ने कहा, 'एक बार फिर हम ओप्पो को नियमों के अनुसार चलने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, और अपने प्रतिस्पर्धियों की तरह, इसके बिना काम जारी रखने की बजाय निष्पक्ष और उचित शर्तों पर लाइसेंस के लिए सहमति जताते हैं।'

- कंपनी को नोकिया के पेटेंट का उल्लंघन करने के लिए देश में अपनी बिक्री से प्राप्त आय का 23 प्रतिशत जमा करने का निर्देश दिया गया था
- चीनी स्मार्टफोन ब्रांड अपेक्षित सहमति के बिना नोकिया की तकनीक का उपयोग कर रहा था

ओप्पो ने तीन साल के लिए फिनिश टेलीकॉम गियर कंपनी की कुछ तकनीक का उपयोग करने के लिए 2018 में नोकिया से लाइसेंस प्राप्त किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नोकिया ने आरोप लगाया कि समझौते की समाप्ति के बाद ओप्पो ने रॉयल्टी में एक भी रुपये का भुगतान किए बिना भारत में लगभग 7.7 करोड़ हैंडसेट बेचे। जुलाई 2022 में एक जर्मन अदालत ने ओप्पो के खिलाफ 4जी/5जी पेटेंट विवाद में स्मार्टफोन ब्रांड नोकिया के पक्ष में फैसला सुनाया।

गिज़्मोचाइना के अनुसार, यह मुकदमा नोकिया और ओप्पो के बीच 4जी (एलटीई) और 5जी पेटेंट पर चर्चा टूटने के परिणामस्वरूप हुआ था। नोकिया ने तीन क्षेत्रीय जर्मन न्यायालयों में नौ मानक आवश्यक पेटेंट (एसईपी) और पांच कार्यान्वयन पेटेंट पर ओप्पो पर मुकदमा दायर किया था। लगभग 130.3 अरब डॉलर के भारी निवेश के साथ नोकिया 5जी एसईपी सेगमेंट में स्टैंडर्ड-बियरर है।

सार संक्षेप

एसबीआई का मुनाफा 178 प्रतिशत उछला

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 16884 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 6068 करोड़ रुपए की तुलना में 178.25 प्रतिशत अधिक है। बैंक ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद आज जारी वित्तीय लेखा जोखा में कहा कि जून में समाप्त इस तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज आय 24.7 प्रतिशत बढ़कर 38905 करोड़ रुपए पर पहुंच गयी जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 31196 करोड़ रुपए रही थी। बैंक ने बताया कि इस तिमाही में उसका सकल एनपीए पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 3.91 प्रतिशत से कम होकर 2.76 प्रतिशत पर आ गया। इसी तरह से शुद्ध एनपीए भी 1.00 प्रतिशत से घटकर इस अवधि में 0.71 प्रतिशत पर आ गया। इस तिमाही में विभिन्न मदों के लिए किए गये प्रावधानों में 43 प्रतिशत की कमी आयी है और यह 2501 करोड़ रुपए रहा है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा को पहली तिमाही में 2,773.73 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ

चेन्नई। देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में 2,773.73 करोड़ रुपए के शुद्ध लाभ कमाया है। कंपनी ने शुक्रवार को वित्तीय परिणामों की घोषणा की। उसने अपनी तीन पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों के विलय की भी घोषणा की। कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया कि गत 30 जून को समाप्त तिमाही में उसकी कुल आय 25,025.95 करोड़ रुपए रही जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 19,952.88 करोड़ रुपए थी। इस दौरान उसका शुद्ध मुनाफा भी 1,403.61 करोड़ रुपए से बढ़कर 2,773.73 करोड़ रुपए हो गया। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के निदेशक मंडल ने अपनी तीन पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों महिंद्रा हेवी इंजन लिमिटेड, महिंद्रा टू व्हीलर्स लिमिटेड और ट्रिंगो.कॉम लिमिटेड के विलय की योजना को भी मंजूरी दे दी।

चीन से थोक दवा का आयात बढ़ा

नई दिल्ली। केयरएज रेटिंग्स ने कहा कि मूल्य और मात्रा के मामले में चीन से थोक दवा आयात का योगदान वित्त वर्ष 2014 में 64 और 62 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2023 के दौरान क्रमशः 71 प्रतिशत और 75 प्रतिशत हो गया है। मूल्य के संदर्भ में, वित्त वर्ष 2014 से 23 के दौरान, चीन से 9 प्रतिशत की तुलना में कुल थोक दवा आयात लगभग 7 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़ा। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब थोक दवाओं की बात आती है, तो एक ही देश -चीन पर अधिक निर्भरता, मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव के कारण चिंता पैदा करती है। भारत में कुल फार्मा आयात में चीन की हिस्सेदारी लगभग 43 प्रतिशत है, जो इसे देश के फार्मास्युटिकल उद्योग के लिए थोक दवाओं का प्राथमिक स्रोत बनाती है।

शेयर बाजार में लौटी तेजी

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। वैश्विक बाजार के सकारात्मक रुझान से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर वित्तीय सेवाएं, आईटी, दूरसंचार और टेक समेत सोलह समूहों हुई लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार में तेजी लौट आई। बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 480.57 अंक की छलांग लगाकर 65,721.25 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 135.35 अंक उछलकर 19,517 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली हुई, जिससे मिडकैप 0.65 प्रतिशत की तेजी लेकर 30,162.66 अंक और स्मॉलकैप 0.66 प्रतिशत चढ़कर 35,070.65 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3720 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2241 में तेजी जबकि 1328 में गिरावट रही वहीं 151 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 30 कंपनियों में लिवाली जबकि 20 में बिकवाली हुई वहीं एक के भाव स्थिर रहे।

बीएसई के 16 समूहों में तेजी रही। इस दौरान कमोडिटीज़ 0.38, सीडी 0.49, ऊर्जा 0.41, एफ एम सी जी 0.07, वित्तीय सेवाएं 0.83, हेल्थ केयर 0.59, इंडस्ट्रियल 0.55, आईटी 1.47, दूरसंचार 1.45, बैंकिंग 0.66, कैपिटल गुड्स 0.66, कंज्यूमर ड्युरेबल्स 0.47, धातु 0.46, रियल्टी 0.08 और टेक समूह के शेयर 1.39 प्रतिशत चढ़ गए। विदेशी बाजारों में तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ टी एस ई 0.08, जर्मनी का डैक्स 0.12, जापान का निक्केई 0.10, हांकांग का हैंगसेंग 0.61 और चीन का शंघाई कंपोज़िट 0.23 प्रतिशत मज़बूत रहा।

बीएसई सेंसेक्स — 4 अगस्त 2023

अधिकतम उछाल

खुला: 65,453.55
बंद: 65,721.25
पिछला बंद: 65,240.68
बदलाव: 480.57 (0.74%)

	अंतिम भाव ₹ में	% बदलाव
इंडसइंड बैंक	1,408.35	3.25
टेक महिंद्रा	1,175.50	2.91
विप्रो	408.65	2.28
भारती एयरटेल	889.60	2.02
एचसीएल टेक	1,144.25	1.72
ऐक्सिस बैंक	952.10	1.65
एचडीएफसी बैंक	1,652.80	1.48
टीसीएस	3,442.50	1.26
एल एंड टी	2,625.95	1.09
रिलायंस	2,510.15	1.01

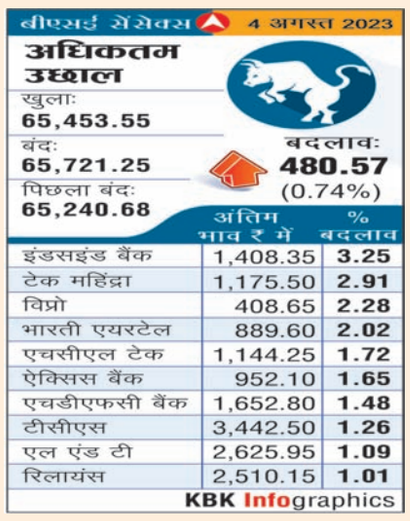

KBK Infographics

कारोबार की शुरुआत में सेंसेक्स 213 अंक की तेजी लेकर 65,453.55 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 65,387.18 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। लिवाली होने से कारोबार के अंतिम चरण में यह 65,799.27 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। अंत में पिछले दिवस के 65,240.68 अंक के मुकाबले 0.74 प्रतिशत की छलांग लगाकर 65,721.25 अंक पर रहा। इसी तरह निफ़्टी भी 81 की बढ़त लेकर 19,462.80 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 19,436.45 अंक के निचले जबकि 19,538.85 अंक के उच्चतम स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 19,381.65 अंक की तुलना में 0.70 प्रतिशत उछलकर 19,517 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान सेंसेक्स में इंडसइंड बैंक के शेयरों ने सबसे अधिक 3.25 प्रतिशत का मुनाफ़ा कमाया। इसके अलावा टेक महिंद्रा 2.91, विप्रो 2.28, भारती एयरटेल 2.02, एचसीएल टेक 1.72, ऐक्सिस बैंक 1.65, एचडीएफसी बैंक 1.48, रिलायंस 1.42, टीसीएस 1.26, एलटी 1.09, इंफ़ोसिस 0.96, कोटक बैंक 0.80, टाटा स्टील 0.59, आईसीआईसीआई बैंक 0.54, बजाज फाइनेंस 0.52, अल्ट्रासिम्को 0.28, एशियन पेंट 0.13 और टाइटन के शेयरों में 0.04 प्रतिशत की तेजी रही।

वहीं, एसबीआई 2.94, एनटीपीसी 1.09, मारुति 0.83, टाटा मोटर्स 0.69, बजाज फिनसर्व 0.59, पावर ग्रिड 0.46, आई टी सी 0.26, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.22, हिंदुस्तान यूनीलिवर 0.19, सन फ़ार्मा 0.18, जेएसडब्ल्यूएस स्टील 0.04 और नेस्ले इंडिया ने 0.01 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

क्वालकॉम इंडिया ने सवि सोइन को नियुक्त किया अध्यक्ष

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। चिप प्रमुख क्वालकॉम ने शुक्रवार को सवि सोइन को क्वालकॉम इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। वह क्वालकॉम टेक्नोलॉजीज के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी जिम कैथी को रिपोर्ट करेंगे। पांच वर्षों से क्वालकॉम इंडिया के अध्यक्ष रहे राजेन वागड़िया, अमेरिका के सैन डिएगो में क्वालकॉम मुख्यालय में स्थानांतरित होंगे, और वैश्विक वितरण और वैश्विक कैरियर रणनीति का नेतृत्व करने के लिए उपाध्यक्ष के रूप में एक नई भूमिका निभाएंगे। क्वालकॉम इंडिया के अध्यक्ष के रूप में, सोइन मोबाइल, ऑटोमोटिव, सेमीकंडक्टर, औद्योगिक और आईओटी व संचार बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में उद्योग भागीदारों और सरकार के साथ संबंधों को बढ़ावा देकर देश में कंपनी की रणनीति का नेतृत्व और क्रियान्वयन करने के प्रभारी होंगे। सोइन 20 वर्षों से अधिक समय से क्वालकॉम के साथ हैं और 10 वर्षों से वह क्वालकॉम की वरिष्ठ नेतृत्व टीम का हिस्सा हैं। कैथी ने कहा, 'भारत क्वालकॉम के लिए एक प्राथमिकता वाला बाजार है और हम इसमें निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

पांच वर्षों से क्वालकॉम इंडिया के अध्यक्ष रहे राजेन वागड़िया, अमेरिका के सैन डिएगो में क्वालकॉम मुख्यालय में स्थानांतरित होंगे

कैथी ने कहा, 'अपनी नई भूमिका में, सोइन सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक में विकास को बढ़ावा देना जारी रखेंगे, भारत के डिजिटल परिवर्तन और इसकी घरेलू प्रौद्योगिकी नवाचार क्षमताओं के विकास का समर्थन करेंगे।' सोइन ने कहा कि घर लौटना सौभाग्य की बात है और भारत के पास अपने पैमाने और संसाधनों के साथ वैश्विक डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ाने का एक बड़ा अवसर है। उन्होंने कहा, 'मेरा उद्देश्य सभी क्षेत्रों में क्वालकॉम के प्रौद्योगिकी नवाचारों का उपयोग करके इस परिवर्तन को तेज करने के लिए भारतीय पारिस्थितिकी तंत्र के साथ साझेदारी करना है।'

खाद्य तेलों में टिकाव, दाल-दलहन में तेजी

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में तेजी लौटने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि मांग निकलने से अधिकांश दालों के भाव चढ़ गए।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अगस्त का पाम ऑयल वायदा 45 रिंगिट चढ़कर 3800 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह अगस्त का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 1.08 सेंट की तेजी लेकर 61.12 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों के भाव में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफ़ाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव में टिकाव रहा।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में तेजी रही। इस दौरान चना 100 रुपए, दाल चना 100 रुपए, मसूर दाल 50 रुपए और उड़द दाल 100 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हो गई। वहीं, मूंग दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ।

आईफोन की बिक्री के दम पर हमने भारत में जून तिमाही में बनाया रिकॉर्ड : टिम कुक

क्यूपर्टिनो (कैलिफोर्निया), 4 अगस्त (एजेंसियां)। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा है कि आईफोन की जबरदस्त बिक्री के कारण भारत में जून तिमाही में एप्पल ने रिकॉर्ड बनाया है। गुरुवार देर रात कंपनी के वित्तीय वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही के नतीजों के दौरान, कुक ने कहा कि 'इस वसंत में भारत में हमारे नए स्टोर का प्रदर्शन हमारी उम्मीदों से अधिक रहा'। एप्पल ने इस साल अप्रैल में मुंबई और दिल्ली में अपने रिटेल स्टोर खोले, जिन्हें काफी समर्थन मिला। भारत की क्षमता पर एक प्रश्न पर, कुक ने कहा, 'आप जानते हैं कि हमने भारत में जून तिमाही में राजस्व रिकॉर्ड बनाया और हमने दोहरे अंक में वृद्धि की। हमने तिमाही के दौरान अपने पहले दो खुदरा स्टोर भी खोले और निश्चित रूप से यह शुरुआती दौर में है, लेकिन वे हमारी उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि कंपनी चैनल बनाने और देश में अपने डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर ऑफर में अधिक निवेश करने पर काम करना जारी रखे हुए है। कुक ने कहा, 'अगर आप इसे देखें, तो यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार है और हमें वहां वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए और हम वहां अपनी वृद्धि से बहुत खुश हैं।' उन्होंने कहा, 'इस स्मार्टफोन बाजार में अभी भी हमारी हिस्सेदारी बहुत ही मामूली है, इसलिए मुझे लगता है कि यह हमारे लिए एक बहुत बड़ा अवसर है और हम ऐसा करने के लिए अपनी सारी ऊर्जा लगा रहे हैं।' आईडीसी के अनुसार, 929 डॉलर के उच्चतम औसत बिक्री मूल्य (एएसपी) के साथ प्पल ने अप्रैल-जून की अवधि में भारत में 61 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। भारत अब वैश्विक स्तर पर एप्पल के शीर्ष 5 बाजारों में से एक है।

'इस वसंत में भारत में हमारे नए स्टोर का प्रदर्शन हमारी उम्मीदों से अधिक रहा'। एप्पल ने इस साल अप्रैल में मुंबई और दिल्ली में अपने रिटेल स्टोर खोले, जिन्हें काफी समर्थन मिला:-टिम कुक, सीईओ, एप्पल

कंपनी ने स्थानीय विनिर्माण रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। मई में, आईफोन निर्यात रिकॉर्ड 10 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गया, इससे उस महीने में देश से कुल मोबाइल शिपमेंट 12 हजार करोड़ रुपए हो गया। प्रौद्योगिकी दिग्गज एप्पल द्वारा संचालित चालू वित्त वर्ष में भारत मोबाइल फोन निर्यात में 1 लाख 20 हजार करोड़ रुपए को पार करने के लिए तैयार है। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में एप्पल की बाजार हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी। एप्पल के सीएफओ लुका मेस्त्री ने कहा कि कंपनी ने भारत में आईफोन के लिए सर्वकालिक राजस्व रिकॉर्ड बनाया है।

कुक ने कहा, 'हमें यह रिपोर्ट करते हुए खुशी हो रही है कि जून तिमाही के दौरान सेवाओं में हमारे पास 1 अरब से अधिक भुगतान वाले सब्सक्रिप्शन के कारण सर्वकालिक राजस्व रिकॉर्ड है, और हमने उभरते बाजारों में आईफोन की बिक्री की लगातार तेजी देखी।'

खेल जगत

विलियमसन प्रशिक्षण शिविर में अभ्यास में शामिल हुए

माउंट माउंगानुई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। घुटने की चोट से उबरने के बाद केन विलियमसन न्यूजीलैंड टीम के प्रशिक्षण शिविर में शामिल हो गए हैं। विलियमसन को उनके दाहिने घुटने में क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) के टूटने के कारण कुछ समय के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था लेकिन चोट से उबरने के साथ वह नेट्स में गेंदों को हिट कर रहे हैं। शुक्रवार को आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया, विलियमसन ने मीडिया को बताया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी से पहले उन्हें अभी भी थोड़ा काम करना बाकी है। माउंट माउंगानुई के बे ओवल में प्रशिक्षण शिविर से बोलते हुए विलियमसन ने कहा, कुछ लोगों और कुछ नए चेहरों को देखकर बहुत अच्छा लगा। टीम कैंप का इंतजार कर रहा हूं। यहां घर पर और माउंट माउंगानुई में इसका आयोजन करके और कुछ प्रशिक्षण लेकर और थोड़ा सा फिर से जुड़कर अच्छा लगा।

अंत तक टिके रहने के लिए एक बल्लेबाज की जरूरत थी : अर्शदीप

तारौबा(त्रिनिदाद), 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने स्वीकार किया कि टीम को अंत तक बल्लेबाजी करने के लिए किसी की जरूरत थी, जिससे ब्रायन लारा क्रिकेट स्टेडियम में मेहमान टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मैच हारने से बचाया जा सकता था। 150 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत नौ विकेट पर 145 रन पर सिमट गया, उसे एक समय 29 में से 37 रन की जरूरत थी। आखिरी ओवर में समीकरण दस रन तक पहुंचने के बावजूद, भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 0-1 से पीछे होने के लिए आवश्यक रन नहीं बना सका। भारत अब रविवार को गयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा टी20 मैच खेलेगा।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अर्शदीप ने कहा, हम मैच की समीक्षा करेंगे (जहां हम बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे)। जैसे, हम पहली पारी में क्या बेहतर कर सकते थे। जहां हम गेंद के साथ चीजों को चुस्त-दुरुस्त रख सकते थे और दूसरी पारी में एक बल्लेबाजी इकाई के रूप में हम फिनिशिंग में कहां चूक गए मुझे लगता है कि हमें अंत तक टिके रहने के लिए एक बल्लेबाज की जरूरत थी, क्योंकि उनके आखिरी दो ओवरों में, पांच क्षेत्ररक्षक 30-यार्ड सर्कल के अंदर थे। भारत के लक्ष्य का पीछा करने के 19वें ओवर में, अर्शदीप ने 12 रन पर रन आउट होने से पहले दो चौके लगाए, लेकिन धीमी पिच पर भारत को फिनिश लाइन पर नहीं ला सके, जिस पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। कोई भी खिलाड़ी जो उस तरह की स्थिति में है, उसे विश्वास है कि वह टीम के लिए मैच जीत सकता है।

जब आप अपने देश के लिए खेल रहे होते हैं, तो आपको हमेशा अतिरिक्त दबाव मिलता है कि हां, आपको अपनी टीम के लिए मैच जीतना है। मैं, कुलदीप, चहल रन जुटाने के लिए उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा कर रहे थे, लेकिन अंत में हम थोड़ा पीछे रह गए। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत की बल्लेबाजी का केवल सातवें नंबर तक चलना और टेल का आठवें नंबर से शुरू होना चिंता का कारण है, अर्शदीप ने उन सुझावों को खारिज कर दिया। ज़रूरी नहीं। इस तरह की बात हमेशा मैच खत्म होने के बाद आती है. हमने जो अंतिम एकादश उतारी थी, हमें पूरा भरोसा था कि हम मैच जीतेंगे।

हम हमेशा अपनी अंतिम एकादश का समर्थन करते हैं चाहे उसमें छह गेंदबाज हों या नौ। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि हम हमेशा उन ग्यारह खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं जिन्हें टीम के लिए मैच जीतने के लिए मैदान में उतारा गया है। हार में भारत के लिए युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा का शानदार डेब्यू शानदार रहा। दो शानदार कैच लेने के बाद, वर्मा पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे, उन्होंने 22 गेंदों में 177.27 के स्ट्राइक रेट से दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 39 रनों की पारी खेली। मैं यह नहीं कह सकता कि यह निर्णायक मोड़ था। यह उनके खेलने की शैली है, वह काफी आक्रामक शॉट खेलते हैं और उनमें वह मौके देंगे। लेकिन जैसा कि हमने देखा है, वह बेहद प्रतिभाशाली हैं और उन्होंने अपने डेब्यू में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। जब वह बेहद दबाव में था और यह मत भूलो कि हम लक्ष्य का पीछा कर रहे थे, उसने कुछ खूबसूरत शॉट खेले। मुझे लगता है कि उन्हें हमेशा अपने खेल का समर्थन करना चाहिए और भविष्य में वह टीम को कई मैच जीतने में मदद करेंगे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज, जिन्होंने 19वें ओवर में चार वाइड देते हुए अपने चार ओवरों में 2-31 रन खर्च किये, उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में निरंतरता बनाए रखनी होगी और गलतियां करने की संभावना कम रखनी होगी। आईपीएल पहले से ही उच्च स्तर का खेल है। लेकिन क्या वह कौशल है जो आपको अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अच्छी स्थिति में रखता है और साथ ही, आपको यहां निरंतरता बनाए रखनी होगी क्योंकि गलती करने की संभावना वास्तव में कम है और यदि आप उस तरफ हैं तो आपको सजा मिलती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार बने रहना और आपके सामने कोई भी टीम खेल रही हो, अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना बहुत महत्वपूर्ण है।

17 साल के गुकेश ने लाइव रेटिंग में आनंद को पछाड़ा, भारत के नंबर 1 शतरंज खिलाड़ी बने

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। 17 वर्षीय डोम्माराजू गुकेश ने बाकू, अजरबैजान में फिडे विश्व कप के पहले दौर में जीएम मिसरतदीन इस्कंदरोव के साथ अपने दूसरे दौर के मैच में दो गेम जीते और लाइव रेटिंग में विश्वनाथन आनंद को पीछे छोड़ते हुए विश्व में सर्वोच्च रैंक वाले भारतीय शतरंज खिलाड़ी बन गए। इस्कंदरोव (ईएलओ 2559) के खिलाफ गुरुवार शाम को पहले दौर में जीत ने उन्हें लाइव रेटिंग में 2755.9 तक पहुंचने में मदद की, जिससे वह आनंद की 2754 की रेटिंग से आगे निकल गए, जिससे वह मार्च 2016 में पेंटला हरिकृष्णा के बाद लाइव रेटिंग में आनंद से आगे निकलने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए। भारत के नंबर 1 शतरंज खिलाड़ी के रूप में रेटिंग, यह पद पांच बार के विश्व चैंपियन ने 1986 के बाद से 37 वर्षों तक कायम रखा है। हरिकृष्णा केवल एक दिन के लिए भारत के नंबर 1 शतरंज खिलाड़ी थे, क्योंकि आनंद ने अगले दिन अपना मैच जीता और इस स्थान को वापस ले लिया।

1986 के बाद यह पहली बार होगा कि कोई भारतीय प्रकाशित फिडे रैंकिंग में विशी आनंद से आगे निकल जाएगा। पिछले कुछ वर्षों से शतरंज सर्किट में कम ही खेल रहे आनंद के साथ, ऐसी संभावना है कि गुकेश लंबे समय तक भारत के नंबर 1 खिलाड़ी बने रहेंगे और कई वर्षों तक उस स्थान को बनाए रखेंगे। मैग्नस कार्लसन का रिकॉर्ड तोड़कर 2750 रेटिंग तक पहुंचने वाले विश्व के सबसे युवा खिलाड़ी गुकेश को अब 1 सितंबर को फिडे द्वारा अगली रैंकिंग प्रकाशित करने पर अपनी रेटिंग 2754 से ऊपर बनाए रखनी होगी।

गुकेश, जो मार्च 2019 में 12 साल, 7 महीने, 17 दिन की उम्र में सबसे कम उम्र के भारतीय ग्रैंडमास्टर बने, विश्व में सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर बनने से चूक गए और सर्गेई कारजाकिन के रिकॉर्ड से सिर्फ 17 दिन पीछे रह गए। 2022 में, इन दोनों को भारतीय मूल के अमेरिकी खिलाड़ी अभिमन्यु मिश्रा ने 12 साल, 4 महीने, 25 दिन की उम्र में पीछे छोड़ दिया है। चेन्नई में जन्मे गुकेश, जिन्होंने अप्रैल 2022 में विश्व में शीर्ष 100 में जगह बनाई, ने रैंकिंग में तेजी से वृद्धि जारी रखी और 1 अगस्त को जब रैंकिंग आखिरी बार प्रकाशित हुई थी, तब उन्हें 2751 की रेटिंग के साथ विश्व में 11वें स्थान पर रखा गया था।

अक्टूबर 2022 में, 16 साल की उम्र में, जीएम विष्णु प्रसन्ना द्वारा प्रशिक्षित गुकेश, एमचेस रैपिड टूर्नामेंट में एक गेम में तत्कालीन विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को हराने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। वर्तमान में, लाइव रेटिंग में, गुकेश 2755.9 की रेटिंग के साथ विश्व में 9वें स्थान पर हैं और आनंद (2754) 10वें स्थान पर हैं।

तिलक वर्मा को डेवाल्ड ब्रेविस से मिला खास तोहफा

तारौबा, 4 अगस्त (आईएएनएस)। वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में तिलक वर्मा ने अपने डेब्यू में शानदार बल्लेबाजी और फील्डिंग से सभी को प्रभावित किया। अब उन्हें उनके एक दक्षिण अफ्रीकी दोस्त ने खास तोहफा दिया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज के पहले मैच में बेशक टीम इंडिया को हार मिली हो, लेकिन इस मैच में डेब्यू कर रहे तिलक वर्मा ने अपने शानदार खेल से सबको प्रभावित किया। इस युवा बल्लेबाज ने दो अच्छे कैच लेने के बाद, धीमी पिच पर 177.27 के स्ट्राइक रेट के साथ दो चौके और तीन छक्कों की मदद से 39 रन की शानदार पारी खेली।

हालांकि भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 0-1 से पीछे रहकर चार रन से हार गया, लेकिन तिलक की अच्छी बल्लेबाजी ने सबका दिल जीत लिया। इस मौके पर बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें तिलक के लिए उनके अफ्रीकी दोस्त ने खास मैसेज दिया। इस वीडियो में एक रिकॉर्डेड मैसेज सुनाया जा रहा है। ब्रेविस ने तिलक को उनके डेब्यू पर बधाई दी। ये मैसेज देख तिलक हैरान रह गए, ब्रेविस ने अपने और अपने परिवार की तरफ से तिलक को बधाइयां दी। उन्होंने तिलक से कहा कि जब उन्होंने दूसरी और तीसरी गेंद पर चौका मारा तो उनके रौंगटे खड़े हो गए थे। ब्रेविस ने साथ ही कहा कि उनका सपोर्ट हमेशा तिलक के साथ रहेगा।

भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता

विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप

बर्लिन (जर्मनी), 4 अगस्त (एजेंसियां)। ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति गोपीचंद स्वामी की भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने शुक्रवार को विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2023 में स्वर्ण पदक जीता। यह किसी भी वर्ग में तीरंदाजी विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला स्वर्ण है। भारतीय तिकड़ी ने फाइनल में मैक्सिकन टीम डैफने क्विंटेरो, एना सोफिया हर्नांडेज़ जियोन और एंड्रिया बेसेरा को 235-229 से हराया।

सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने मौजूदा चैंपियन कोलंबिया को 220-216 से हराया। पहले राउंड में बाई मिलने के बाद टीम ने क्रमश: क्वार्टर फाइनल और प्री-क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे और तुर्की की चुनौती पर काबू पा लिया। बर्लिन प्रतियोगिता से पहले, भारत ने विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में 11 पदक जीते थे - नौ रजत और दो कांस्य।

2017 और 2021 में रजत और 2019 में कांस्य के बाद यह स्वर्ण विश्व चैंपियनशिप में कंपाउंड महिला टीम में भारत का लगातार चौथा पदक था। ज्योति वेन्नम सभी चार पदक विजेता टीमों का हिस्सा रही हैं। दूसरी ओर, अभिषेक वर्मा, ओजस देवताले और प्रथमेश जावकर की भारतीय कंपाउंड पुरुष टीम नीदरलैंड से 230-235 से हारकर क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई।

मिश्रित कंपाउंड टीम स्पर्धा में ओजस देवताले और ज्योति सुरेखा वेन्नम को क्वार्टर फाइनल में यूएसए के हाथों 154-153 से हार का सामना करना पड़ा। ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति गोपीचंद स्वामी शनिवार को व्यक्तिगत महिला कंपाउंड क्वार्टर फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जबकि ओजस देवतले पुरुष वर्ग के शीर्ष आठ में एकमात्र भारतीय हैं।

यांग के गोल से पिछड़ने के बाद द. कोरिया ने पाक से मैच ड्रॉ कराया

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

■ शाहिद के गोल से बढ़त लेने के बाद पाक ने जीत का मौका गंवाया

चेन्नै, 4 अगस्त (देशबन्धु)। विंगर अब्दुल राणा और अब्दुल शाहिद की लिंकमैन के रूप में खेल अपने अनुभवी कप्तान उमर बुट्टा के बेहतरीन अभियानों पर दोनों छोर से हमले बोल कर मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया की मजबूत घेरेबंदी को तोडने की रणनीति पाकिस्तान के बहुत काम आई।19 बरस के अब्दुल शाहिद के मैच 18 वें मिनट में दागे बेहतरीन मैदानी गोल की बदौलत पाकिस्तान ने बढ़त ली लेकिन जिहुन यांग के खेल खत्म होने के सात मिनट पहले पेनल्टी स्ट्रोक पर दागे गोल की बदौलत मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया पुरुष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी ,चेन्नै 2023 में एक-एक गोल की बराबरी पर रोक अंक बांटे। पाकिस्तान को इस बात का जरूर मलाल रहा कि उसने बेहतर तालमेल से खेलते हुए बढ़त और बराबर दबाव बनाने के बावजूद जीत का मौका गंवा दिया। दक्षिण कोरिया ने मैच में मिले आठ में एक पेनल्टी कॉर्नर पर पेनल्टी स्ट्रोक हासिल कर बराबरी का गोल करने के अलावा बाकी एक का भी उपयोग नहीं किया। वहीं पाकिस्तान को इस बात का मलाल रहा कि वह मैच में मिले पांच पेनल्टी कॉर्नर में एक को भी गोल में नहीं बदल पाई।, दक्षिण कोरिया की टीम लगातार दूसरे राउंड रॉबिन लीग मैच में पिछड़ी लेकिन शुक्रवार को वह पिछडने के बाद बृहस्पतिवार जापान पर 2-1 की तरह जीत हासिल करने में नाकाम रही। दक्षिण कोरिया के दो मैचों के बाद चार अंक हैं जबकि पाकिस्तान ने इस ड्रॉ के साथ पहला अंक हासिल किया। मलयेशिया ने पाकिस्तान को बृहस्पतिवार को पहले मैच में 3-1 से हराकर आगाज किया

अनुभवी कप्तान उमर बुट्टा के बेहतरीन अभियानों पर विंगर अब्दुल राणा और अब्दुल शाहिद की लिंकमैन के रूप में खेल अपने दोनों छोर से हमले बोल कर दक्षिण कोरिया की मजबूत घेरेबंदी को तोडने की रणनीति पाकिस्तान के बहुत काम आई। बराबर हमले बोलने के साथ पाकिस्तान ने पहले क्वॉर्टर में दो पेनल्टी कॉर्नर किए लेकिन इन पर उसकी इनडायरेक्ट और अरफराज के तेज फ्लिक की रणनीति कारगर नहीं रही। अब्दुल राणा दाएं से बाएं से तेजी से गेंद को लेकर डी में पहुंचे और दक्षिण कोरिया के हाईसियुंग को छका दाएं डी में पहुंचे अब्दुल शाहिद के लिए गेंद बढ़ा दी। 19 बरस के अपना 20 वां अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल रहे अब्दुल शाहिद ने मैच के 18 वें मिनट में दक्षिण कोरिया के गोलरक्षक जाईहयुन किम के संभलने से पहले से तेजी से गेंद को फ्लिक कर गोल में डाल पाकिस्तान को 1-0 से आगे कर सभी को चौंका दिया।

भारतीय महिला फुटबॉलर संजू चोट के दु:स्वप्न से उबरकर कैंप में लौटीं

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय महिला फुटबॉलर संजू ने चोट के दु:स्वप्न पर काबू पा लिया है और लंबे अंतराल के बाद आखिरकार राष्ट्रीय टीम शिविर में वापस आ गई हैं। पिछले साल भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में भारतीय महिला लीग के दौरान एक मैच कुछ मिनटों के लिए अचानक रुक गया था जब एक युवा फुटबॉलर मैदान पर दर्द से कराहते हुए जोर से चिल्लाने लगी थी। जब आस-पास मौजूद सभी लोग भयभीत होकर चुपचाप देखते रहे, तो रोती हुई खिलाड़ी संजू को स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। देश के प्रमुख मिडफील्डरों में से एक संजू के लिए यह चोट बहुत बड़ा झटका थी। उसने हाल ही में सेथु एफसी में पदार्पण किया था और पिछले मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता था, इससे पहले कि उसे उस दुर्भाग्यपूर्ण शाम को बाहर किया जाना था। यह संजू की ख़राब किस्मत का अंत नहीं था। जब उसे एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, तो डॉक्टरों ने पुष्टि की कि उसके दाहिने पैर में एसीएल चोट लगी है।

सिंधु का सफर खत्म, प्रणॉय और रजावत अंतिम चार में

सिडनी 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की स्टार शटलर और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया ओपन 2023 बैडमिंटन प्रतियोगिता क्वार्टर-फाइनल में हार का सामना करना पड़ा।

प्रतियोगिता में पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधु को अमेरिका की बेइवेन झांग ने 21-12, 21-17 से हराया। मैच की शुरुआत से ही अमेरिकी खिलाड़ी ने सिंधु पर अपना दबदबा बनाए रखा। बेइवेन झांग ने पहले गेम में 10-5 की बड़ी बढ़त हासिल कर अपनी पकड़ मज़बूत कर ली जिसके बाद भारतीय शटलर वापसी करने में असफल रहीं और उन्हें पहले गेम में हार झेलनी पड़ी।

इस साल अपने पहले बीडब्लूएफ खिताब की खोज में जुटी 28 वर्षीय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी के लिए क्वार्टर-फाइनल मुक़ाबले के दूसरे गेम को जीतना काफी अहम हो गया था। बैडमिंटन विश्व रैंकिंग में 17वें नंबर पर काबिज़ भारतीय शटलर के दूसरे गेम की शुरुआत भी इतनी अच्छी नहीं रही और वह अमेरिकी शटलर से लगातार पिछड़ती रहीं जिसके कारण उन्हें दूसरे गेम में भी हार का सामना करना पड़ा और इसी के साथ इस टूर्नामेंट में उनका सफर भी समाप्त हो गया। उधर, भारतीय शीर्ष पुरुष शटलर एचएस प्रणॉय ने बैडमिंटन विश्व रैंकिंग के दूसरे नंबर के इंडोनेशियई खिलाड़ी एंथनी सिनिसुका गिंटिंग को 2-1 से हराकर इस बीडब्लूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफ़ाइनल में जगह सुनिश्चित की। मैच के पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद विश्व रैंकिंग के नौवें नंबर के भारतीय शटलर ने दूसेर गेम में वापसी करते हुए मैच में 1-1 की बरीबरी की।

अतिंम और निर्णायक गेम में भारतीय शटलर ने आक्रामक रुख़ अख़ियार करते हुए गिंटिंग के ख़िलाफ़ शुरुआती बढ़त हासिल की। रोमांचक और तीसरे गेम में शुरुआती बढ़त हासिल करने के बाद, उन्होंने फिर लगातार अपनी बढ़त में इज़ाफ़ा करते हुए मैच को अपने नाम कर प्रतियोगिता के अगले राउंड में जगह बना ली। एक अन्य पुरुष एकल मुक़ाबले में विश्व बैडमिंटन रैंकिंग के 33वें नंबर के खिलाड़ी प्रियांशू रजावत ने विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में 19वें नंबर के भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी और हमवतन किदांबी श्रीकांत को हराकर प्रतियोगिता के सेमी-फाइनल में जगह बनाई। प्रियांशू ने अपने सीनियर हमवतन को 30 मिनट तक चले मैच में 21-13, 21-8 से हराकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। 21 वर्षीय प्रियांशू रजावत इस साल पहले ही ऑरलियन्स मास्टर्स का ख़िताब अपने नाम कर चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया ओपन 2023 के नतीजे पेरिस खेलों के लिए खिलाड़ियों की क्वालीफाइंग रैंकिंग में गिने जाएंगे। पेरिस 2024 ओलंपिक में बैडमिंटन के लिए क्वालिफिकेशन विंडो एक मई से शुरू हो चुकी है।

सार संक्षेप

इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स ने की संन्यास की घोषणा

लंदन। इंग्लैंड को 2022 में टी-20 विश्व कप का विजेता बनाने में अहम योगदान देने वाले एलेक्स हेल्स ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया है। हेल्स ने एक दशक से अधिक लंबे करियर के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। हेल्स ने सोशल मीडिया पर कहा, मैंने कुछ यादें और कुछ दोस्ती जीवन भर के लिए बना ली है और मुझे लगता है कि अब आगे बढ़ने का सही समय है। हेल्स ने कहा, इंग्लैंड की शर्ट में अपने पूरे समय के दौरान मैंने कुछ उच्चतम चढ़ावों के साथ-साथ कुछ सबसे निचले चढ़ावों का भी अनुभव किया है। यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही है और मुझे बहुत संतोष है कि इंग्लैंड के लिए मेरा आखिरी गेम विश्व कप फाइनल जीतना था। हेल्स ने इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 मैच से अपना नाम वापस ले लिया था। टी-20 विश्वकप से पहले हेल्स का अचानक सन्यास लेना इंग्लैंड के लिये एक बड़ा झटका माना जा रहा है। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज ने अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर के दौरान 156 मैच खेले और 5000 से अधिक रन बनाये हैं।

भारत के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए आयरलैंड टीम घोषित

डबलिन। भारत के खिलाफ 18 अगस्त से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी-20 श्रृखंला के लिये आयरलैंड ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। अगले साल होने वाले टी-20 विश्वकप में अपना स्थान सुनिश्चित करने के बाद आयरलैंड टीम पहली बार टी-20 सीरीज खेलेगी। टीम में मुख्य रूप से वे खिलाड़ी शामिल किये गये हैं जो पिछले महीने विश्व कप क्वालीफाइंग अभियान का हिस्सा थे। आयरलैंड के चयनकर्ता एंड्रयू व्हाइट ने कहा, स्कॉटलैंड में हालिया क्वालीफाइंग अभियान अगले टी20 विश्व कप के लिए हमारी रणनीतिक योजना का पहला चरण था। विश्वकप से पहले हमे लगभग 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं। इसलिए यह भी महत्वपूर्ण है कि हम अपने पास मौजूद अवसरों का उपयोग करें।मुझे उम्मीद है कि भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज टीम में नामित सभी 15 खिलाड़ी किसी न किसी समय शामिल होंगे। आयरलैंड टी20 टीम- पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), एंड्रयू बालबर्नी, मार्क अडायर, रॉस अडायर, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, फिओन हैंड, जोश लिटिल, बैरी मैक्कार्थी, हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर, थियो वैन वोर्कोम, बेन व्हाइट, क्रेग यंग।